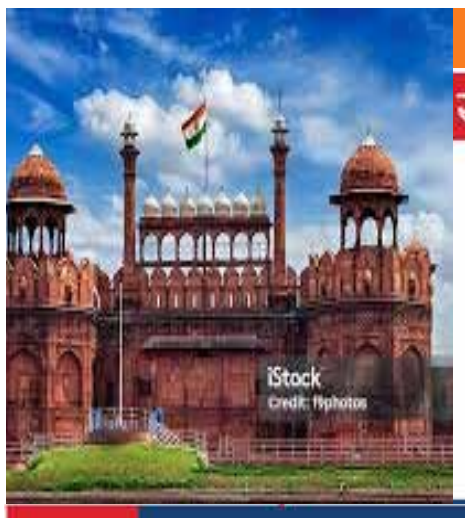

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, रविवार 26 जनवरी 2025, वर्ष 10, अंक 373 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

शारदा सिन्हा समेत 7 को पद्म विभूषण सुशील मोदी समेत 19 को पद्म भूषण

केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया। शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 7 हस्तियों को पद्म विभूषण सम्मान दिया गया है।

वहीं पूर्व हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश, पंकज उधास और सुशील मोदी समेत 19 हस्तियों को पद्म भूषण के लिए चुना गया। इनके अलावा, राजस्थान की लोक गायिका बतूल बेगम, दिल्ली की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरजा भटला समेत 113 हस्तियों को इस बार पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। पद्म पुरस्कार विजेताओं में से 23 महिलाएं हैं। इनमें 10 विदेशी/ NRI/PIO/OCI कैटेगरी के लोग भी हैं। 13 हस्तियां ऐसी हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

4 हस्तियों को मरणोपरांत पद्म भूषण बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी, मनोहर जोशी, अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय, गजल गायक पंकज उधास को मरणोपरांत पद्म भूषण दिया गया है पद्मश्री पुरस्कार में कई गुमनाम हस्तियां, क्रिकेटर आर अश्विन का नाम भी पद्मश्री पुरस्कार ऐसे 113 लोगों को दिया जा रहा है, जिनमें कई गुमनाम हैं। कुवैत की योगा ट्रेनर और ब्राजील के मैकेनिकल इंजीनियर से हिंदू आध्यात्मिक और वेदांत गुरु बने जोनास मासेटी का नाम भी है। 100 साल की लीबिया लोबो सरदेसाई को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

पश्चिम बंगाल के 57 साल के गोकुल चंद्र दास को यह अवॉर्ड मिला है। इन्होंने 150 महिलाओं को ढाक बजाने की ट्रेनिंग दी। राजस्थान

की लोक गायिका बतूल बेगम, दिल्ली की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरजा भटला, सामाजिक कार्यकर्ता भीम सिंह भावेश ,दक्षिण भारतीय संगीतकार पी. दत्चनमूर्ति, नगालैंड के फल किसान एल. हैंगथिंग का भी पद्मश्री की लिस्ट में नाम है। SBI की पूर्व अध्यक्ष अरुंधति भट्टाचार्य और हाल ही में रिटायर हुए क्रिकेटर आर अश्विन को पद्म श्री दिया गया है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर निर्वाचन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारी माननीय राज्यपाल द्वारा हुए सम्मानित

रांची। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के अवसर पर आर्यभट्ट सभागार रांची में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल द्वारा लोक सभा आम चुनाव 2024 एवं विधान सभा आम चुनाव 2024 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारियों को किया सम्मानित।

कार्यक्रम में #SaluteToBLO अभियान के तहत् उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिका सरदार,

बी०एल०ओ०, मतदान केन्द्र संख्या-222, 57-खरसावां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को प्रथम स्थान, श्रीमती निरोधी हेम्ब्रोम, बी०एल०ओ०, मतदान केन्द्र संख्या-263, 09-जामताड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को द्वितीय स्थान, सविता देवी, बरी०एल०ओ०, मतदान केन्द्र संख्या-140, 65-कांके, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को तृतीय स्थान, सीमा देवी, बी०एल०ओ०, मतदान केन्द्र संख्या-220, 77-विश्रामपुर, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को चतुर्थ स्थान एवं श्रीमती मीरा देवी, बी०एल०ओ०, मतदान केन्द्र संख्या-254, 36-बोकारो, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र को पंचम स्थान से माननीय राज्यपाल द्वारा सम्मान प्राप्त हुआ।

भारत ने आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में बनाई पहचान... राष्ट्र के नाम संबोधन में बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

Republic Day 2025: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति और संविधान की अहमियत का जिक्र किया। उन्होंने नए आपराधिक कानूनों और डिजिटल भुगतान जैसे सुधारों की प्रशंसा की और विज्ञान और तकनीकी में भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया। साथ ही, उन्होंने जलवायु संरक्षण के प्रयासों पर जोर दिया।

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया और देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने गणतंत्र बनने के बाद पिछले 75 साल में देश की सर्वांगीण प्रगति की तारीफ करते हुए कहा कि आज भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित कर रही है और ऊंची विकास दर के साथ बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। तीन नए आपराधिक कानूनों की जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने 1947 में आजादी हासिल कर ली थी, लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता के कई अवशेष बने रहे जिन्हें बदलने के प्रयास हाल के दौर में दिखे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में भारत ने एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। स्वाधीनता के बाद, जब देश में गरीबी और भुखमरी व्याप्त थी, तब भारतीय नागरिकों ने अपने आत्मविश्वास और कठिन श्रम से देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए। उन्होंने किसानों, मजदूरों और अन्य श्रमिक वर्गों की भूमिका की सराहना की, जिनके संघर्ष और समर्पण से भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व में महत्वपूर्ण स्थान बना चुकी है।

उन्होंने कहा कि भारत का संविधान हमारे नागरिकों की सामूहिक अस्मिता का प्रतीक है, जिसने देश को एकजुट किया है। संविधान के आधार पर ही भारत में समावेशी विकास को प्रोत्साहन मिला है, जिससे गरीब और वंचित वर्गों को भी विकास के अवसर मिले हैं। विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं, जिनसे उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है।

अपने संबोधन के दौरान राष्ट्रपति ने पिछले एक दशक में सरकार द्वारा किए गए सुधारों की सराहना की, जैसे कि डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन के प्रयास, जो व्यापक स्तर पर लोगों को मुख्यधारा में लाने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किए गए ये सुधार भारतीय जनता को बेहतर जीवन स्तर और अवसर प्रदान करने में मदद कर रहे हैं।

'भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का निर्णय...' उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 में हमने स्वाधीनता प्राप्त कर ली थी, लेकिन औपनिवेशिक मानसिकता के कई अवशेष लंबे समय तक विद्यमान रहे। हाल के दौर में, उस मानसिकता को बदलने के ठोस प्रयास हमें दिखाई दे रहे हैं। ऐसे प्रयासों में - इंडियन पीनल कोड, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, और इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने का निर्णय सर्वाधिक उल्लेखनीय है। न्यायशास्त्र की भारतीय परंपराओं पर आधारित इन नए अधिनियमों द्वारा दंड के स्थान पर न्याय प्रदान करने की भावना को आपराधिक न्याय प्रणाली के केंद्र में रखा गया है। इसके अलावा, इन नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों पर काबू पाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

राष्ट्रपति ने भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने अंतरिक्ष अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, और क्वांटम तकनीक जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधारों का उल्लेख किया, जिससे भारतीय युवा अपने देश को तकनीकी, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं।

राष्ट्रपति ने अपनी बातों में खेलों की उपलब्धियों का भी जिक्र किया, जहां भारतीय खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। इसके साथ ही, उन्होंने विदेशों में भारतीय समुदाय की उपलब्धियों को भी सराहा, जो भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और भारत का नाम रोशन करने में योगदान दे रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महात्मा गांधी के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी देशवासियों से अपील की कि वे जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष में अपना योगदान दें और पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट हों।

राष्ट्रपति ने संविधान सभा के उन महान नेताओं को याद किया जिन्होंने हमारे देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव रखी। साथ ही, उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि भारत में महिलाओं को उस समय संविधान सभा के कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर मिला, जब दुनिया के कई हिस्सों में उन्हें समानता का अधिकार नहीं था।

पहली बार मां-बेटे को एक साथ राष्ट्रपति सम्मान मिलेगा: लेफ्टिनेंट जनरल साधना नायर को अति विशिष्ट सेवा मेडल, बेटे तरुण को वायुसेना मेडल से सम्मानित होंगे

नई दिल्ली *लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को जुलाई 2024 को आर्मी की मेडिकल सर्विस का डायरेक्टर जनरल बनाया गया था। भारत के इतिहास में पहली बार एक साथ मां-बेटे को एक साथ राष्ट्रपति सम्मान मिलेगा। आज 26 जनवरी के मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस नायर और उनके बेटे तरुण नायर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी।*

लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस नायर, वीएसएम को एवीएसएम से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, उनके बेटे स्क्वाड्रन लीडर तरुण नायर को शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाएगा। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस. नायर को उनकी सेवा के लिए अति विशिष्ट सेवा मेडल (AVSM) से सम्मानित किया जाएगा, जबकि उनके बेटे स्क्वाड्रन लीडर तरुण नायर को भारतीय वायुसेना में बहादुरी और साहस के लिए वायुसेना मेडल (गैलंट्री) दिया जाएगा। शनिवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर्म्ड फोर्स और सेंट्रल आर्म्ड फोर्स के 93 जवानों को वीरता पुरस्कार देने की मंजूरी दी। इनमें 2 कीर्ति चक्र (1 मरणोपरांत) और 14 शौर्य चक्र (3 मरणोपरांत) शामिल हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस नायरने 13 दिसंबर 2024 को आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल का दौरा किया था। लेफ्टिनेंट जनरल साधना एस नायरने 13 दिसंबर 2024 को आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल का दौरा किया था। ***साधना आर्मी मेडिकल सर्विस की पहली महिला DG हैं*** *लेफ्टिनेंट जनरल साधना सक्सेना नायर को 31 जुलाई 2024 को आर्मी की मेडिकल सर्विस का डायरेक्टर जनरल बनाया गया। वे इस पद पर काम करने वाली पहली महिला हैं।*

साल अक्टूबर 2023 में वायुसेना में एयर मार्शल पद पर प्रमोट किए जाने के बाद साधना को हॉस्पिटल सर्विसेस (आर्म्ड फोर्सेज) की डायरेक्टर जनरल (DG) बनाया गया था। इस पद नियुक्त होने वाली भी वे पहली महिला अधिकारी थीं। साधना वायुसेना की दूसरी महिला मेडिकल ऑफिसर हैं, जो एयर मार्शल रैंक तक पहुंची हैं। इससे पहले साधना को एयर फोर्स ट्रेनिंग कमांड बेंगलुरु हेड क्वार्टर से दिल्ली प्रमोशनल ट्रांसफर किया गया था। वहीं उनके पति केपी नायर 2015 में इंस्पेक्शन एंड फ्लाइट सेफ्टी के DG पद से रिटायर हो चुके हैं। इस तरह साधना और केपी नायर एयर मार्शल रैंक तक पहुंचने वाले देश के पहले कपल हैं।

एयर मार्शल रैंक की दूसरी महिला अफसर

साधना सक्सेना नायर के प्रमोशनल ट्रांसफर के बाद वो दूसरी महिला अधिकारी बनी थीं। जिन्होंने एयर मार्शल रैंक हासिल की है। उनसे पहले ये उपलब्धि एयर मार्शल पद्मा बंदोपाध्याय ने हासिल की। पद्मा ने 2002 में एयर मार्शल रैंक पर तैनात की गईं थीं। इसके अलावा थ्री-स्टार रैंक तक पहुंचने वाली नौसेना की सर्जन वाइस एडमिरल पुनिता अरोड़ा थीं, जो कि रिटायर हो चुकीं हैं।फ्लाइट लेफ्टिनेंट तरुण नायर को 'वायुसेना मेडल' से सम्मानित

फ्लाइट लेफ्टिनेंट तरुण नायर, मिग-29 स्क्वाड्रन के फाइटर पायलट, को उनकी अद्भुत बहादुरी और कुशलता के लिए 'वायुसेना मेडल (शौर्य)' से सम्मानित किया जाएगा। 12 मार्च 2024 को एक कठिन उड़ान के दौरान मिग-29 विमान में कई तकनीकी खराबियों के बावजूद,उन्होंने विमान को सुरक्षित रूप से लैंड कराया। उड़ान के दौरान विमान नियंत्रण में गंभीर समस्याएं आईं, लेकिन तरुण नायर ने धैर्य, कौशल और बेहतरीन निर्णय क्षमता का प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी दुर्घटना टाली।

तीन पीढ़ियों का वायुसेना से संबंध *एयर मार्शल साधना सक्सेना नायर के परिवार का 3 पीढ़ियों से एयर फोर्स से संबंध है। साधना के पिता और भाई भी इंडियन एयर फोर्स में डॉक्टर थे। उनका बेटा वायु सेना में फाइटर पायलट (फ्लाइट लेफ्टिनेंट) पद पर तैनात है।*

निरसा (धनबाद) विधायक अरूप चटर्जी (भाकपा माले) कि और से निरसा वासियों और देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जिले वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

ई रामाकांत
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल
साहिबगंज

जिले वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्यामलाल हांसदा
पुलिस निरीक्षक
राजमहल

संविधान के 75 वर्ष, भारत के ऐतिहासिक दस्तावेज की पूरी कहानी

Republic Day 2025: भारत के संविधान का निर्माण आजादी के बाद बहुत मुश्किल समय में सावधानीपूर्वक किया गया था। इसमें विभिन्न समितियों ने मुख्य बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। संसद और सुप्रीम कोर्ट ने इसका अर्थ और सीमाएं निर्धारित कीं। संविधान को 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया और 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया।

नई दिल्ली: विश्व युद्ध की विभाजनकारी परिस्थितियों, भारत के बंटवारे और अभूतपूर्व जनसंख्या प्रवास के बीच भारतीय का ऐतिहासिक दस्तावेज 'संविधान' तैयार हुआ था। संविधान सभा के सैकड़ों सदस्यों ने लगभग पांच साल के गहन विचार-विमर्श के बाद इसे अंतिम रूप दिया। 9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई, जिसने भारत के भविष्य की नींव रखी। संविधान निर्माण की प्रक्रिया जटिल थी, जिसमें विभिन्न समितियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार वल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता वाली सलाहकार समिति ने मौलिक अधिकारों का प्रारूप तैयार किया। अन्य समितियों ने सरकार की संरचना और केंद्र-राज्य शक्ति विभाजन जैसे पहलुओं पर विचार किया। इन समितियों के प्रस्तावों पर दिसंबर 1946 से अगस्त 1947 तक चर्चा और मतदान हुआ।

अक्टूबर 1947 में, बी.आर. आंबेडकर की अध्यक्षता वाली प्रारूप समिति ने संविधान का विस्तृत प्रारूप तैयार किया, जिसमें सर बी.एन. राउ द्वारा तैयार किए गए प्रारूप संविधान का उपयोग किया गया। प्रारूप समिति की कार्यवाही सार्वजनिक रिकॉर्ड में उपलब्ध है, जो सदस्यों के कौशल और गहन सोच को दर्शाती है।

4 नवंबर, 1948 को संविधान सभा में 'प्रारूप संविधान' पेश किया गया। नवंबर 1949 तक, सभा ने प्रत्येक प्रावधान पर बहस और मतदान किया। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपनाया। 26 जनवरी, 1950 को यह संविधान लागू हुआ, जिससे भारत एक औपनिवेशिक राष्ट्र से स्वतंत्र राष्ट्र बना। भारत आधिकारिक तौर पर एक स्वतंत्र गणराज्य बन गया।

पिछले 75 वर्षों में, भारतीय संविधान ने कई चुनौतियों का सामना किया है। संविधान ने सर्वोच्च न्यायालय को संविधान की व्याख्या का अधिकार दिया। इसका एक महत्वपूर्ण परिणाम 'बेसिक स्ट्रक्चर सिद्धांत' का विकास था। शुरुआती वर्षों में, यह माना जाता था कि संसद को संविधान संशोधन की पूर्ण शक्ति है। लेकिन 1973 में, केशवानंद भारती मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान संशोधन की सीमाएं निर्धारित कीं। इस प्रकार 'बेसिक स्ट्रक्चर सिद्धांत' का जन्म हुआ, जिसके अनुसार संविधान के मूलभूत लक्षणों, जैसे धर्मनिरपेक्षता, संवादवाद, शक्तियों का पृथक्करण, लोकतांत्रिक आधार और मौलिक स्वतंत्रताएं, को बदला नहीं जा सकता।

एक अन्य महत्वपूर्ण लड़ाई जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार, अनुच्छेद 21, की व्याख्या पर लड़ी गई। संविधान सभा में कई सदस्यों ने इसे कमजोर माना, लेकिन न्यायिक व्याख्याओं के माध्यम से यह एक महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार बन गया। जब संविधान लागू हुआ, तो यह दुनिया का सबसे लंबा संविधान था, जिसमें 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं।

9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक एक ऐतिहासिक क्षण था। यह पहली बार था जब भारत के लोग अपने भाग्य के स्वामी बनकर अपने भविष्य का फैसला कर रहे थे। संविधान निर्माण की प्रक्रिया जटिल और बहु-स्तरीय थी। विभिन्न समितियों ने इसके विभिन्न पहलुओं पर काम किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता वाली सलाहकार समिति ने मौलिक अधिकारों का पहला प्रारूप तैयार किया। इससे सभा को यह समझने में मदद मिली कि संविधान को लोगों को कौन से अधिकार देने चाहिए। अन्य समितियों ने सरकार के ढांचे, केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों के विभाजन आदि जैसे विषयों पर विचार किया। दिसंबर 1946 से अगस्त 1947 तक इन समितियों के प्रस्तावों पर चर्चा और मतदान हुआ।

अक्टूबर 1947 में, डॉ. बी.आर. आंबेडकर की अध्यक्षता वाली प्रारूप समिति ने संविधान का विस्तृत प्रारूप तैयार करना शुरू किया। सर बी.एन. राउ द्वारा तैयार किए गए प्रारूप संविधान ने इस कार्य को आसान बना दिया। प्रारूप समिति की कार्यवाही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है, जो सदस्यों के कौशल और उच्च विचारों को दर्शाती है।

संविधान की प्रस्तावना का महत्व समझिए आज, संविधान में 100 से अधिक संशोधन हो चुके हैं, और इसमें कई नए अनुच्छेद, अध्याय और भाग शामिल हैं। सभी प्रावधानों में से, संविधान की प्रस्तावना सबसे अच्छी तरह से दर्शाती है कि संविधान का क्या अर्थ है। यह 'हम, भारत के लोग' शब्दों से शुरू होती है और न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित व्यवस्था की गारंटी देती है। यह दर्शाता है कि भारत के लोग खुद को यह संविधान दे रहे हैं। ये शब्द और उनके आदर्श उन सभी लोगों के संघर्ष का प्रतीक हैं जिन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए लड़ाई लड़ी और अपना बलिदान दिया। यही आदर्श संविधान की नींव हैं।

साहिल बने स्टेट टेनिस चैंपियनशिप 2025 के विजेता

रांचीः झारखंड टेनिस एसोसिएशन के तत्वाधान मे आयोजित झारखण्ड स्टेट रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट के मेंस वर्ग मे झारखण्ड के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रांची के साहिल अमीन ने फाइनल मुक़ाबले मे रांची के ही टेनिस खिलाडी आदित्य सिंह को (8-1) के भारी अंतर स्कोर से हराकर झारखण्ड स्टेट नंबर 1 टेनिस रैंकिंग का ख़िताब अपने नाम कर लिया । अपने ख़िताब की रक्षा करने के लिए उतरे साहिल अमीन ने पुरे टूर्नामेंट मे गजब खेल का प्रदर्शन किया अपने दमदार फोरहैण्ड और शानदार सर्विस के बदौलत सभी विपक्षी खिलाड़ियों पर दबाव बनाये रखा और सभी राऊंड मे भारी अंतर से जीत दर्ज किया । सेमी फाइनल मे धनबाद के टेनिस खिलाडी रोहित कुमार लाला को (8-0) के स्कोर से हराकर साहिल ने फाइनल मे प्रवेश किया था । यह टूर्नामेंट रांची के मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स होटवार मे 23 जनवरी से 25 जनवरी तक आयोजित किया गया।

माननीय राष्ट्रपति ने बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट के राष्ट्रिय सम्मान से झारखंड को नवाजा

नई दिल्ली। माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर पहली बार निर्वाचन में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु झारखंड राज्य को बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट का नेशनल अवार्ड प्राप्त हुआ। माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को इस हेतु नई दिल्ली के जोरावर ऑडिटोरियम, मानेकशॉ सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य के सभी मतदाताओं, निर्वाचन कार्य में लगे सभी बीएलओ, सभी मतदान कर्मी, पुलिस के पदाधिकारी, सुरक्षा बलों के जवानों, राजनीतिक दलों एवं मीडिया के बंधुओं को उनके निर्वाचन के दौरान अपने कर्तव्य के निर्वहन हेतु धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन 2024 एवं विधानसभा निर्वाचन 2024 का स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वहन का श्रेय निर्वाचन कार्य के सभी स्टेकहोल्डर को जाता है। हम सब के सम्मिलित प्रयास से आज राज्य को यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

विदित हो कि पिछले वर्ष हुए लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के नेतृत्व में राज्य में कई नवाचार किए गए थे। जिसमें मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची को एकीकृत एवं समावेशी बनाते हुए इसकी त्रुटियों को शून्य स्तर पर लाने का प्रयास किया गया था। इसके तहत बीएलओ द्वारा कईबार प्रत्येक घरों के मतदाताओं का सत्यापन करते हुए उनके घरों पर स्टिकर चिपकाया गया था। पीवीटीजी मतदाताओं के लिए विशेष अभियान चलाकर मतदाता सूची से जोडने का कार्य किया गया था। वहीं मतदाताओं के लिए मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित

न्यूनतम सेवाओं जैसे बिजली, पानी, शौचालय, दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर एवं रैंप आदि कि व्यवस्था कि गई थी।

सुदूर क्षेत्र के मतदाताओं के लिए उनके गांव में हि मतदान केंद्रों का निर्माण कराने के साथ ही 2 किलोमिटर से अधिक दूर वाले मतदान केन्द्रों के लिए वाहन कि भी व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही ऐसे कई नक्सल प्रभावित क्षेत्र भी थे जहां इस बार पहली बार मतदाताओं ने शांतिपूर्ण मतदान किया।

सुगम मतदान के लिए वाहन प्रबन्धन प्रणाली के माध्यम से कम से कम आम यातायात को बाधित करते हुए वाहनों को मतदान कार्यों के लिए उपयोग में लाया गया था। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की सुगमता के लिए 1 लाख 20 हजार से अधिक वॉलेंटियर को ट्रेनिंग दी गई थी जिन्होंने वृद्धजनों एवं दिव्यांग मतदाताओं एवं क्यू मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभाई।

स्कूल का लॉ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी में मनाया गया मतदान जागरूकता अभियान

रांचीः स्कूल का लॉ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी में सेमिनार का आयोजन किया गया साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस सेमिनार में प्रोफेसर डॉ रविंद्र कुमार, वकील अभय सहाय, सचिन इंदीवर एवं एलएल. एम के विद्यार्थियों शामिल हुए । इस मौके पर डॉ रविन्द्र सर ने कहां के मतदान देना हम अधिकार के साथ साथ हम सभी का दायित्व भी हैं की हम अपने मतदान का प्रयोग जरूर करें। इस मौके पर सहाय सर ने सभी के अपने मतदान के अधिकार को जानने और मतदान हमारे लिए कितना आवश्यक हैं इसको भी हम जाने। इस मौके पर सचिन सर ने कहां के मतदान हमारे लोकतंत्र की ताकत हैं जिससे के हम अपना भविष्य का चुनाव करते हैं और मतदान हमारा कर्त्तव्य हैं इसका प्रयोग करना हमारा धर्म हैं। इस अवसर पर डॉ रविंद्र कुमार, वकील अभय सहाय, सचिन इंदीवर और एलएल. एम के विद्यार्थी निकिता सिंह, आशीष रंजन, निषाद खान, मनीष कुमार, प्रियंका, मीना कुमारी, गोडिनिसियस कंडूलना, राजेंद्र कुमार, अमरदीप,प्रकाश रंजन, अकिल एवं अन्य स्कूल का लॉ विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मतदान दिवस-2025 का आयोजन

रांची। उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा समाहरणालय ब्लॉक-ए सभागार में राष्ट्रीय मतदान दिवस-2025 के अवसर पर जिला के सभी वरीय पदाधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मतदाता प्रतिज्ञा लिया। "हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।"

लोकसभा चुनाव 2024 एवं विधानसभा सभा चुनाव 2024 में बेहतरीन कार्य करने वालें अधिकारियों/कर्मियों को जिला प्रशासन, रांची द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

उपायुक्त ने विशेष रूप से सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से कहा की आपका मतदान सिर्फ मतदान नही ये राष्ट्र और राज्य निर्माण की अहम जिम्मेदारी है। मतदान जरूर करें साथ में लोगों को भी जागरूक करें।

खेल,शिक्षा और समाजसेवा का अद्भुत संगमः

रांची। केआइआइटी, केआइएसएस एवं आर्ट ऑफ गिविंग के प्रणेता प्रो. अच्युता सामंत की सोच को अमली जामा पहनाने की दिशा में आर्ट ऑफ गिविंग की रांची इकाई द्वारा आयोजित मैराथन का समापन शनिवार (25जनवरी) को हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने मैराथन का उद्घाटन कर इसे ऐतिहासिक बनाने में अहम भूमिका निभाई।

इस दौड़ की शुरुआत एचईसी क्षेत्र के सेक्टर 3 मैदान से हुई और धुर्वा गोलचक्कर, विधानसभा मार्ग होते हुए सेक्टर 3 मैदान के पास ही संपन्न हुई। इस मैराथन के आयोजन का उद्देश्य न सिर्फ खेल भावना को बढ़ावा देना, बल्कि समाज में एकजुटता और जागरूकता का संदेश देना भी था। इस दौरान प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ दौड़ में भाग लिया। इसमें रांची वासियों का भरपूर समर्थन और उत्साह देखा गया।

प्रो.अच्युत सामंत के प्रति सम्मानःकार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने प्रतिष्ठित शिक्षाविद और समाजसेवी प्रो. अच्युत सामंत के उल्लेखनीय कार्यों पर प्रकाश डाला।

माननीय राज्यपाल ने झारखंड प्रौद्योगिकी विव (JUT), रांची के प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दिया

रांची। माननीय राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (JUT), रांची के प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह समारोह उनके परिश्रम, समर्पण और सफलता का प्रतीक है तथा उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से कहा कि अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग न केवल अपनी प्रगति के लिए, बल्कि समाज को प्रेरित और सशक्त बनाने के लिए करें। उन्होंने आशा प्रकट की कि "विकसित भारत@2047" के विजन को साकार करने में यह विश्वविद्यालय और यहाँ के विद्यार्थी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग न केवल व्यक्तिगत प्रगति के लिए, बल्कि समाज के सशक्तिकरण और प्रेरणा के लिए भी करें। उन्होंने वर्तमान युग में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रही अभूतपूर्व प्रगति पर प्रकाश डालते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की उपलब्धियों का उल्लेख किया। चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग और आदित्य-एल1 के सूर्य अध्ययन हेतु प्रक्षेपण ने भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया है। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और डिजिटल समावेशन जैसे क्षेत्रों में योगदान देकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संघर्षों व चुनौतियों का सामना धैर्य और आत्मविश्वास से करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा।

एच. ई. सी. की वर्तमान स्तिथि से अवगत कराया

रांची। एच. ई. सी. के तीनों यूनियन के पदाधिकारीगण ने झारखण्ड सरकार के मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह से मिलकर एच. ई. सी. की वर्तमान स्तिथि से अवगत कराया एवं कहा कि झारखण्ड सरकार मदद के लिए आगे आए। HMTP बिल्डिंग की जो noc राज्य सरकार के पास रुका हुआ है उसे जल्द से जल्द देने की कोशिश करे। जिस पर मंत्रीने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को सुना एवं उच्च स्तर पर उनकी मांगों को रखने हेतु आश्वस्त किया । मंत्री से मिलने वालों में एच. ई. सी. लि० श्रमिक कर्मचारी यूनियन के महामंत्री प्रकाश कुमार, एच. ई. सी. श्रमिक संघ के अध्यक्ष शनि सिंह, जनता मजदूर यूनियन के महामंत्री एस जे मुखर्जी, रामलाल सिंह, राजेश सिंह आदि शामिल थे।

सीएम ने दुमका जिला अंतर्गत मयूराक्षी नदी पर स्थित मसानजोर डैम परिसर में रिसोर्ट का किया उद्घाटन

दुमका। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा पर्यटकों को बेहतर से बेहतर सुविधा देने की दिशा में आज एक और सौगात राज्य वासियों को दी। उन्होंने दुमका जिला अंतर्गत मयूराक्षी नदी पर स्थित मसानजोर डैम परिसर में नवनिर्मित इको फ्रेंडली रिसोर्ट का विधिवत पूजा-अर्चना कर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। ऐसे में पर्यटक स्थलों के विकास को लेकर हमारी सरकार लगातार आगे बढ़ रही है। इस दिशा में सभी महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों के ब्यूटीफिकेशन के साथ पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को झारखंड के प्रति आकर्षित कर सकें।

पर्यटन के साथ पर्यावरण का भी विशेष ख्याल

राज्य में पर्यटन के साथ पर्यावरण का विशेष ख्याल रखने हेतु इको टूरिज्म को भी बढ़ावा देने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यहां इको फ्रेंडली रिजॉर्ट बनाया गया है। वहीं, इको फ्रेंडली रिजॉर्ट के उद्घाटन समारोह में सांसद नलिन सोरेन, विधायक बसंत सोरेन विधायक लुईस मरांडी, दुमका जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा और पूर्व मंत्री बादल मौजूद थे।

क्या है खासियतें विदित हो कि मसानजोर बांध परिसर में बने इको फ्रेंडली रिसॉर्ट में 25 कॉटेज हैं, जिनमें 10 प्रीमियम और 15 डीलक्स शामिल हैं। यह

एसपीएफ लकड़ी से निर्मित है, जो टिकाऊ होने के साथ कॉटेज को काफी आकर्षक लुक देता है। यहां कैफेटेरिया के साथ जिम और पार्किंग की व्यवस्था है। पर्यटक यहां स्पीड बोटिंग का भी पूरा लुत्फ उठा सकेंगे। इको रिसॉर्ट के निर्माण से मसानजोर डैम को एक पर्यटक स्थल के रूप में जहां विशेष पहचान और बढ़ावा मिलेगा। वहीं, पर्यटकों को भी काफी सुविधा एवं सहूलियत होगी।

वरीय पदाधिकारियों के नाम से फर्जी कॉल करनेवाले साइबर अपराधियों से सावधान!

उपायुक्त, रांची एवं अन्य वरीय पदाधिकारी के नाम से फर्जी कॉल कर महत्वपूर्ण डेटा की जानकारी मांगने वाले साइबर अपराधियों से सावधान !साइबर अपराधी द्वारा कॉल कर महत्वपूर्ण डेटा जैसे- वरीय पदाधिकारियों के मोबाइल नंबर, बैंक डिटेल, लाभुकों की सूची आदि की जानकारी मांगी जा रही है।

शिकायत मिलने के बाद उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।7259314100, 9178526133 एवं अन्य मोबाइल नंबर से साइबर अपराधी कर रहे हैं कॉल

रांची।साइबर अपराधियों द्वारा 7259314100, 9178526133 एवं अन्य मोबाइल नंबर से कॉल किया जा रहा है। साइबर अपराधी खुद को वरीय पदाधिकारी बताकर पदाधिकारियों/कर्मचारियों से महत्वपूर्ण डेटा जैसे- वरीय पदाधिकारियों के मोबाइल नंबर, बैंक डिटेल, लाभुकों की सूची आदि की जानकारी मांग कर रहे हैं।नजदीकी थाने में दर्ज कराएं शिकायत-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री

उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने लोगों से ऐसे फर्जी कॉल से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे साइबर अपराधियों को किसी भी प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी साझा ना करें। उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजंत्री ने ऐसे फर्जी कॉलर के खिलाफ नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

राँची// जिले के पुंदाग ओपी क्षेत्र के साहू चौक के पास सड़क किनारे खड़ी कार में रखें रुपयों से भरे बैग को लेकर भागे बाइक सवार तीन अपराधी, पूरी घटना सीसीटीवी में कैद। बताया जा रहा है कि बैग में 3.33 लाख रुपए थे, जिसे जमा करने के लिए एलआईसी एजेंट विंध्याचल महतो कार के मेन रोड कार्यालय जा रहे थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी।

झारखंड ऊर्जा विभाग के खाते से 109 करोड़ की फर्जी निकासी मामले में झारखंड एटीएस की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। एसपी ऋषभ झा के नेतृत्व में एटीएस की टीम ने अब तक अबतक 1.83 करोड़ रुपये बरामद किये हैं। साथ ही 47.96 करोड़ रूपये फ्रीज कराये हैं। साथ ही इस मामले में सात से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

झारखण्ड के मत्स्य कृषक गणतंत्र दिवस में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना

रांचीः नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी, 2025 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में झारखण्ड के मत्स्य कृषक भी लागातार दूसरी बार शामिल होंगे। इसके लिए मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड की ओर से प्रदेश के 06 मत्स्य कृषक दम्पतियों का चयन किया गया हैं। केंद्र सरकार की ओर से इन मत्स्य कृषकों दम्पतियों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया हैं। इन्हे हवाई मार्ग से नई दिल्ली ले जाया जा रहा है। दिल्ली आने-जाने, उनके रहने व खाने की व्यवस्था राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) के सौजन्य से मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड के माध्यम से की गई है। इस संबंध में मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड के निदेशक मत्स्य डॉ एचएन द्विवेदी ने बताया कि मत्स्य कृषकों दम्पतियों को भारत सरकार की मात्स्यिकी, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय द्वारा विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में मनोनीत किया गया है। टीम का नेतृत्व संजय कुमार गुप्ता, उप मत्स्य निदेशक, मत्स्य निदेशालय एवं रेवती हांसदा, सहायक मत्स्य निदेशक करेंगे। सबसे महत्तपूर्ण यह है

कि लागातार दूसरी बार राज्य के विभिन्न जिलों से मत्स्य कृषकों दम्पतियॉ दिल्ली के कर्तव्य पथ पर झॉकी में भाग लेने हेतु जा रहे है। मत्स्य कृषकों दम्पतियॉ 25 जनवरी को नई दिल्ली के लिए रवाना हुए तथा यात्रा सम्पन्न करने के बाद 27 जनवरी को वापस लौटेंगे। हवाई जहाज से दिल्ली यात्रा को लेकर सभी मत्स्य कृषक सपरिवार उत्साहित है। गौरतलब है कि मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और प्रधानमंत्री मत्स्य सपंदा योजना के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि करने वाले मत्स्य कृषकों कों गणतत्र दिवस में शामिल करने हेतु आमंत्रित किया गया है।

डॉ एचएन द्विवेदी, निदेशक मत्स्य द्वारा नई दिल्ली रवाना करने के क्रम में उपस्थित मत्स्य दम्पतियों को संबोधित किया एवं शुभकामना दी गई। मत्स्य कृषकों में विनोद तिग्गा,रांची, रोबोय मुर्मू, दुमका, श्रीमती रेखा कैवर्त, सरायकेला खरसावं, सुरेश भुईयाँ, रामगढ़, श्री स्वपन कैवर्त, पूर्वी सिंहभूम, प्रेमचांद निषाद, पश्चिमी सिंहभूम सपरिवार दिल्ली जाने के लिये शनिवार को 2:50 अपराह्न की फ्लाईट से बिरसा मुण्डा एयपोर्ट, रांची से रवाना हुए।

स्टेट टेनिस टूर्नामेंट में रांची की आयशा को मिला प्रथम पुरस्कार

रांची : स्टेट टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन राजधानी रांची के खेल गांव में पहली बार आयोजन किया गया। यहां 4 दिनों तक चलने वाली इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से खिलाड़ी शामिल हुए। इसमें सैयद आयशा अहमद जो झारखंड की रांची की रहने वाली हैं, इन्होंने विमेंस सिंगल में और mixed डबल में प्रथम पुरस्कार हासिल कर नाम रोशन किया। पहली बार आयोजित राज्य स्तरीय टेनिस प्रतियोगिता में इस टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार हासिल कर सैयद आयशा अहमद ने झारखंड ही नहीं पूरे देश का नाम रोशन किया है। इन्होंने बताया कि अब राज्य में टेनिस के लिए खिलाड़ियों की भविष्य की संभावना है। खिलाड़ी इच्छुक हैं और उम्मीद है कि राज्य में प्रत्येक वर्ष टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

झारखंड की बेटियों की बड़ी उपलब्धि!!

#NationalSchoolBandCompetition में #KGBV पटमदा, पूर्वी सिंहभूम की बेटियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। #RepublicDay202 5 पर इनके द्वारा पाइप बैंड का प्रदर्शन नई दिल्ली में किया जाएगा। अपनी बेटियों की इस उपलब्धि पर हम सब गौरवान्वित हैं। यह सफलता इनके दृढ़ संकल्प और अनथक परिश्रम का परिणाम है, जो इनकी प्रेरक यात्रा को दर्शाने वाला है। यह लंबे समय से चल रहे प्रयास का ही प्रतिफल है कि लगभग एक दशक के बाद झारखंड को इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। इन सभी बेटियों को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं दी.!

बापू और बाबा साहब का अपमान अब नही सहेगा हिन्दुस्तान

हजारीबाग : कटकम दाग प्रखंड कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में जय बापु, जय भीम, जय संविधान अभियान के तहत अम्बेडकर सम्मान मार्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया । मार्च सलगांवा चौक से चल कर सलगांवा पंचायत भवन स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर जी प्रतिमा पर माल्यार्पण की गई । कार्यक्रम के पश्चात गरीब व असहाय के बीच कम्बल का वितरण किया गया । मार्च का नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष गोवर्धन गंझू ने की । सभा को संबोधित करते हुए प्रखंड के पर्यवेक्षक सह जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत भाजपा संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया और भाजपा को बैसाखी की सरकार बनाने पर मजबूर होने पड़ा । लेकिन भाजपा ने खीज अब संविधान के निर्माता पर निकाल रही है और बाबासाहेब का अपमान कर रही है ।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रतिनिधि शारदा रंजन दुबे ने कहा कि बाबा साहब ने हमें संविधान दिया और गृहमंत्री ने उनका अपमान किया । 18 वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है । अमित शाह ने कहा " अभी एक फैशन हो गया है " अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर । इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता ।

कार्यक्रम में प्रदेश प्रतिनिधि विरेन्द्र कुमार सिंह 20 सुत्री के अध्यक्ष सुनील कुमार ओझा ओबीसी के प्रदेश सचिव रेणू कुमारी पंचायत सदस्य लक्ष्मी देवी, असगर अली, सरयु यादव, अजित सिंह, विनय सिंह, मो. जमाल, रंजीत यादव, प्रभू गोप, मनोहर शर्मा, गोपाल भुईयां, विकास गंझू, महादेव महतो, जगन्नाथ उरांव, जानकी प्रसाद, राकेश कुमार वर्मा, रोशन जोशी, नवीन सिंह, मो .रूमानी, मुकेश ओझा, राजेश कुमार सिंह, प्रशांत मिश्रा, आफताब आलम, पप्पू भुईयां, अवध गंझू, प्रदीप गंझू, गणेश कुमार, रंजीत भुईयां, ओमप्रकाश पाण्डेय, उत्तम भुईयां, चम्पा देवी, प्रतिमा देवी, मीना कुमारी, कामेश्वर लाल, सोहर हजाम, राम विचार ठाकुर, उगन महतो, नारो महतो, धनेश्वरी देवी, सीता देवी, जितनी देवी, सोरिल मोसेमात, शांति मोसेमात।

नागपुरी गायक महावीर नायक को पद्मश्री सम्मान, 'भिनसरिया राग' के राजा को राष्ट्रीय पहचान

झारखंड के प्रतिष्ठित ठेठ नागपुरी गायक महावीर नायक को पद्मश्री पुरस्कार मिलेगा। भिनसरिया राग के राजा महावीर ने झारखंड आंदोलन में भाग लिया और 50 वर्षों से अधिक समय तक नागपुरी गीत गाए। महावीर नायक को देश-विदेश में कई सम्मान मिल चुके हैं और उनकी विशेष गायन शैली जनप्रिय रही है।

रांचीः झारखंड के जाने-माने नागपुरी गायक महावीर नायक को पद्मश्री सम्मान से नवाजा जाएगा। वे भिनसरिया राग के लिए प्रसिद्ध हैं और उन्हें 'भिनसरिया का राजा' कहा जाता है। 1962 से नागपुरी गीतों से संगीत जगत को समृद्ध करते आ रहे महावीर नायक ने झारखंड के अलग राज्य के आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई। यह सम्मान उन्हें उनके संगीत और सामाजिक योगदान के लिए दिया जा रहा है। वे मुकुंद नायक और मधु मंसूरी हंसमुख के बाद झारखंड से पद्मश्री पाने वाले तीसरे कलाकार होंगे। हालांकि छऊ नृत्य के भी कई कलाकारों को पद्म पुरस्कार मिल चुका है। महावीर नायक, झारखंड के लोक संगीत की एक धरोहर हैं। उनका जन्म 1942 में, आजादी से पांच साल पहले, रांची के पास उरुगुटु (पिठोरिया, गिंजो ठाकुरगांव के पास) में हुआ था। उनके पिता खुदू नायक भी कला प्रेमी थे। इसीलिए बचपन से ही महावीर जी का रुझान नागपुरी गीतों की ओर रहा। उनका जन्म रामनवमी के दिन हुआ था, इसलिए उनका नाम महावीर रखा गया। महावीर नायक की सात बेटियां हैं। उनका एक बेटा भी था, जिसका दुर्भाग्यवश निधन हो गया। उनकी बड़ी बेटी ने उनकी संगीत विरासत को आगे बढ़ाया है। वर्तमान में वे हटिया (चांदनी चौक) में रहते हैं। कहा जाता है कि ठेठ नागपुरी गीतों की धारा महावीर नायक से होकर बहती है। महावीर नायक अपनी अनूठी गायकी के लिए जाने जाते हैं। सभी रागों में पारंगत होने के साथ-साथ उन्हें प्रगतिशील गायन शैली के लिए विशेष रूप से पहचाना जाता है। यही वजह है कि वे जनता के दिलों में राज करते हैं। उनके गीतों में समाज की झलक दिखाई देती है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से समाज में बदलाव लाने की कोशिश की। महावीर नायक को 'भिनसरिया का राजा' की उपाधि महावीर नायक को 'भिनसरिया का राजा' कहा जाता है। यह उपाधि उन्हें सिमडेगा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सिमडेगा वासियों ने दी थी। उनकी पहचान ठेठ नागपुरी गायक के रूप में हटिया आने के बाद बनी। 1963 में उन्होंने एचईसी में काम करना शुरू किया। यहीं से उन्होंने शिष्ट नागपुरी गीत लिखना और गाना शुरू किया। उन्होंने नागपुरी संगीत को एक नई दिशा दी। **देश-विदेश में कार्यक्रम प्रस्तुत किए** महावीर नायक ने न सिर्फ झारखंड और देश के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। पद्मश्री मुकुंद नायक और डॉ. रामदयाल मुंडा के साथ उन्हें ताइवान जाने का अवसर मिला। उन्हें देश-विदेश में कई सम्मान मिले हैं। 2014 में भारत लोकरंग महोत्सव में उन्हें 'लोककला रत्न अवॉर्ड; से सम्मानित किया गया। 2019 में उनके स्वर्ण जयंती समारोह में भी उन्हें सम्मान मिला।

पांच दशक से भी अधिक संगीत का सफर महावीर नायक का संगीत सफर पांच दशकों से भी ज्यादा लंबा रहा है। उन्होंने नागपुरी गीत-संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। पद्मश्री सम्मान उनके योगदान का एक सुंदर प्रमाण है। यह सम्मान न सिर्फ महावीर नायक के लिए बल्कि पूरे झारखंड और नागपुरी संगीत के लिए गर्व की बात है। उनकी संगीत साधना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। यह सम्मान उन सभी कलाकारों के लिए प्रेरणादायक है जो अपनी मातृभाषा और संस्कृति को जीवित रखने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर 912 पुलिस पदाधिकारियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक से नवाजा

रांची।झारखण्ड राज्य में उग्रवादी संगठन/संगठित अपराधिक गिरोह / अन्य अपराध पर झारखण्ड पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। झारखण्ड पुलिस द्वारा किए गये सराहनीय कार्य के लिए गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा झारखण्ड पुलिस के कुल 12 पुलिस पदाधिकारी/ कर्मियों को सम्मानित किया गया है, विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है- सराहनीय सेवा के लिए जिन पुलिस पदाधिकारी/कर्मी को पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है उनमें- 01. डॉ० मईकलराज एस० पुलिस महानिरीक्षक बोकारो प्रक्षेत्र, 02. अन्नेपु विजयालक्ष्मी पुलिस महानिरीक्षक प्रशिक्षण, 03. नीरज कुमार पुलिस उपाधीक्षक तकनीकी शाखा (एस०आई०बी०), 04. अरुण कुमार, पुलिस निरीक्षक 05. अरविन्द कुमार पालित, पुलिस अवर निरीक्षक 06. वशिष्ठ ुवर, सहायक अवर निरीक्षक 07. संजीव कुमार झा, सहायक अवर निरीक्षक 08. विजय कुमार, सहायक अवर निरीक्षक 09 मो. इकबाल, हवलदार 10. बिन्दरे मुंडरी, हवलदार 11. मानती खलखो, महिला आरक्षी एवं 12 प्रभा देवी, महिला आरक्षी शामिल है।

इन सभी का गिरफ्तारी हेतु छापामारी

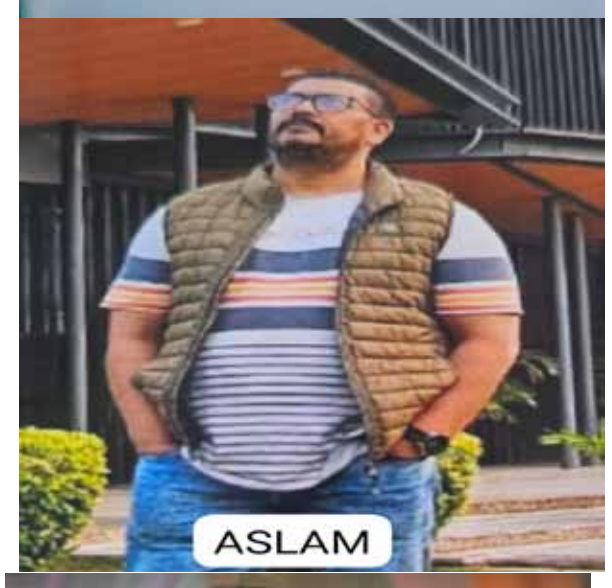

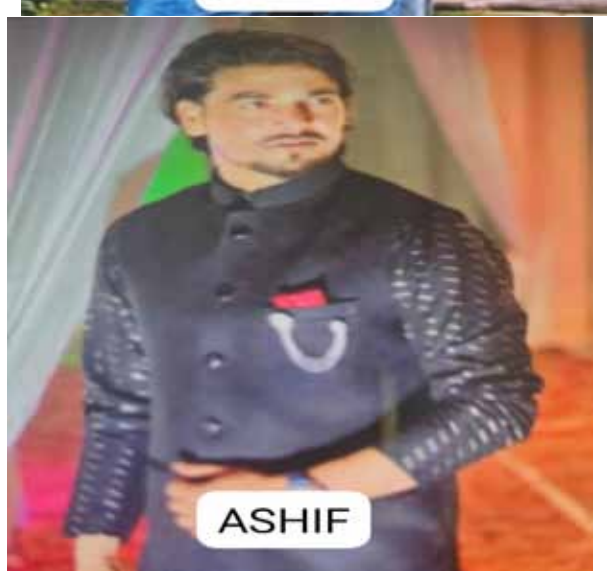

राँची के हिंदपीढ़ी में दिनांक 22/1/25 को अप्पू नामक व्यक्ति को घर के सामने सेकेंड स्ट्रीट से पूर्व पार्षद असलम, आशीफ, दिलावर, मुन्ना,राजू एंव अन्य के द्वारा उठा कर मक्का मस्जिद, खेत मोहल्ला गली में ले गया। इसके बाद उसको हॉकी एंव बेंत से बुरी तरह मारकर बुरी तरह घायल कर दिया । इसके बाद घायल को पुलिस के द्वारा उचित इलाज हेतु रिम्स में भर्ती कराया गया है । इस घटना में शामिल चार अभियुक्तों का पहचान कर लिया गया है । सभी का गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है । इन सभी अपराधियों को पुलिस तलाश रहा है । अभियुक्त :- 1.पूर्व पार्षद असलम 2.आशीफ उर्फ आरिफ 3.दिलावर मुन्ना 4.मुन्ना 5.राजू सभी का पिता - लाल मोहम्मद, सा० - राईन बिल्ला यारब लेन, मोजाहिद नगर, थाना- हिन्दपीढ़ी, जिला - राँची के बारे में सूचना देने वाले को 10000 रूपया का उचित ईनाम दिया जायेगा। नोट :- सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जायेगा। l सूचना इस न०पर दें। 1.एस० पी० सिटी, राँची मो० - 9431706137 2.डी० एस० पी० कोतवाली, राँची मो० - 9431770077 3.हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी, मो० - 9431706164 नोट -इन सभी अपराधियों का संरक्षण/ पनाह देने व्यक्ति के विरूद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

झारखण्ड के पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया

रांची। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर वर्ष 2024 में झारखण्ड राज्य अन्तर्गत लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव को स्वच्छ/निष्पक्ष/ शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न किये जाने को लेकर झारखण्ड के कुल-08 पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया l राँची महाविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में महामहिम राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार महोदय के कर कमलो द्वारा निम्नांकित पुलिस पदाधिकारियों को पुरस्कृत किया गया :- 1. साकेत कुमार सिंह पुलिस महानिरीक्षक , सीआरपीएफ , झारखण्ड सेक्टर 2 अमोल विनुकांत होमकर पुलिस महानिरीक्षक, अभियान 3. माईकलराज एस0, पुलिस महानिरीक्षक बोकारो zone 4. अनुप बिरथरे, पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड जगुवार 5. इन्द्रजीत माहथा, पुलिस उप-महानिरीक्षक , झारखंड जगुवार6. धनंजय कुमार सिंह, पुलिस उप-महानिरीक्षक , JWTS नेतरहाट7. अश्वनी कुमार सिन्हा, पुलिस उप- महानिरीक्षक, **संचार एवं तकनीकी सेवाएं** 8. रेश्मा रमेशन पुलिस अधीक्षक, पलामू एवं 9. मिथिलेश कुमार, उप-समादेष्टा शामिल हैं।

क्वार्टर के लीजधारीयो के समस्याओ के निष्पादन के लिए अखिल भारतीय एसटी एससी और

सिन्दरीः- भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड के विशेष कार्य पदाधिकारी शेखावत को अखिल भारतीय अनुसूचित जन जाति, अनुसूचित जाति और पिछडा वर्ग समन्वय काउंसिल के पदाधिकारी मदन प्रसाद, सुरेश प्रसाद, केशव पासवान, सुभाष पासवान ने निम्न बिन्दुओ पर विचार करने का अनुरोध किया । शेखावत जी स्पष्ट शब्दो मे अपना विचार रखे और यथासंभव आपके मांग पर पुरा करने का प्रयास करूँगा जो जनहित मे हैः- 1 प्रतिवर्ष 5% की लीज रेन्ट मे वढोतरी कॉमर्शियल रेन्टधारीयो को बोझ बन जायगा। 2 कॉमर्शियल रेन्ट जीवन यापन करनेवालो के लिए कठिन दौर से गुजरना पडेगा। 3 क्वार्टर का मेंटेनेंस प्रबंधन को करना चाहिए। 4लीज की अवधी तैंतीस साल करना जनहित मे जरूरी है।

मौनी अमावस्या 29 को, महाकुंभ में अमृत स्नान-दान फलदायी

रांची | हिंदू धर्म में मौनी अमावस्या का बहुत महत्व है। मौनी अमावस्या मुख्य रूप से पूर्वजों को समर्पित है। इस दिन महाकुंभ मेला में अमृत स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि कुंभ मेला में अमृत स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इस बार महाकुंभ प्रयागराज में लगा है। पौष पूर्णिमा के दिन महाकुंभ की शुरुआत हुई है और समापन 26 फरवरी को होगा। माघ माह में होने वाली मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी। मान्यता के अनुसार महाकुंभ के अमृत स्नान के समय में गंगा और अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना शुभ होता है । अमावस्या की तिथि 28 जनवरी को रात 7.35 बजे शुरू होगी। इसका समापन 29 जनवरी को शाम 6 बजे होगा, ऐसे में मौनी अमावस्या का पर्व 29 जनवरी को मनाया जाएगा। आचार्य पंडित श्याम सुंदर भारद्वाज ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार मौनी अमावस्या के दिन भगवान विष्णु और पितरों की पूजा करने से जीवन में हमेशा खुशियां मिलती है।

सिटी रिपोर्टर | रांची वर्ष में चार नवरात्र में दो नवरात्र गुप्त होते हैं। दो नवरात्रों में एक शारदीय और एक चैत्र के होते हैं। माघ गुप्त नवरात्र की शुरुआत 30 जनवरी से हो रही है और इसका समापन छह फरवरी को होगा। ज्योतिष प्रणव मिश्रा ने बताया कि ऋषिकेश पंचांग के अनुसार 30 जनवरी को सूर्योदय से संध्या 5.21 बजे तक माघ प्रतिपदा तिथि होने से दिन भर कलश स्थापना की जाएगी, पर सुबह 8.21 से संध्या 5.21 तक यायी जय योग होने से इस समय कलश स्थापना का विशेष योग रहेगा। गुप्त नवरात्र धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष प्रदान करने वाला माना गया है। इस नवरात्र में 10 महाविद्याओं की साधना गुप्त रूप से की जाती है। इनमें मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, मां छिन्नमस्तिका, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की आराधना की जाती है। तांत्रिक व अघोरियों के लिए गुप्त नवरात्र बहुत महत्वपूर्ण होता है। वहीं गृहस्थ जीवन वालों को इस दौरान देवी दुर्गा की सामान्य रूप से पूजा करनी चाहिए, इससे जीवन में होने वाली सभी कठिनाइयों और संकटों का नाश होता है। ज्योतिष शालिनी वैद्य ने कहा कि तंत्र साधना के लिए गुप्त नवरात्र को एक अच्छा अवसर माना जाता है। माघ गुप्त नवरात्रि में गृहस्थ जीवन में रहने वालों को देवी शक्ति के 32 अलग-अलग नामों का जाप करना चाहिए। साथ ही धार्मिक ग्रंथों का पाठ करना चाहिए। यह सभी समस्याओं को समाप्त करता है। साथ ही इस दौरान की गई साधना जन्मकुंडली के समस्त दोषों को दूर करने वाली मानी गई है। गुप्त नवरात्र में विद्या की देवी मां सरस्वती की वसंत पंचमी की पूजा 3 फरवरी को मनाई जाएगी और भगवान सूर्य की अचला सप्तमी, छयवती सप्तमी का व्रत 4 फरवरी, भीमष्टमी 5 फरवरी और महानंदा नवमी 6 फरवरी को रखा जाएगा।

क्या भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत् किसी को कुछ भी बोलने का अधिकार देता है?

26 जनवरी 1950 को भारत में संविधान लागू किया गया। तभी से हर साल इस दिवस को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे लंबे लिखित संविधान के रूप में देखा जाता है।यह संविधान जहां एक ओर कठोर होने का परिचय देता है वहीं दूसरी ओर लचीला होने का संकेत भी देता है। इसके अनुसार भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है और इसमें कानून संप्रभु है। भारत के संविधान की सबसे अच्छी बात जो मुझे लगती है वह है, इसका एक ओर अपने नागरिकों को कुछ अधिकार प्रदान करना, वहीं दूसरी ओर कर्तव्यों के प्रति सजग भी करता है। भारत में संवैधानिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19(1)(a)) प्रत्येक नागरिक को अपने विचारों और अभिमतों को व्यक्त करने का अधिकार देती है, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। किन्तु इस अधिकार का उपयोग करते समय नागरिकों को यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि इसका अनुच्छेद 19(2) अपने नागरिकों को ऐसा कुछ भी बोलने की आजादी नहीं देता जिससे देश की सुरक्षा, अखंडता को नुकसान पहुंचता हो, अन्य देशों के साथ भारत के संबंध खराब होते हों, समाज में अशांति, दंगे, अराजकता फैलती हो, न्यायालय की अवमानना होती हो, किसी व्यक्ति के मान-सम्मान को नुकसान पहुंचता हो, हिंसा और अपराध के लिए उकसाता हो, सरकारी गोपनीय जानकारी का खुलासा करता हो अथार्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग वहां प्रतिबंधित है जहां व्यक्ति,समाज और राष्ट्र के व्यापक हितों का नुकसान होता है। ऐसा देखने, सुनने, पढ़ने में आता है कि भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कभी जानबूझकर, कभी अज्ञानता वश किया जाता रहा है - जैसे नफरत फैलाने, सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न करने या समाज में वैमनस्य पैदा करने, सोशल मीडिया पर गलत जानकारी प्रसारित करने,असंवैधानिक गतिविधियों(आतंकवाद या हिंसा आदि) को प्रोत्साहित करने, दूसरों की मान-प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने आदि। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के दुरुपयोग के लिए जहां एक ओर सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स पर निगरानी की कमी,झूठे या आपत्तिजनक बयानों पर कार्रवाई में समय लगना या नहीं होना आदि विभिन्न कारण हो सकते हैं,वहीं लोगों का संवैधानिक अधिकारों और उनकी सीमाओं के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक नहीं होना भी हो सकता है। अतः प्रशासन को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का दुरुपयोग करने वालों के साथ कठोर कानूनी कार्यवाही के साथ प्रत्येक नागरिक को उनके अधिकारों और उनकी सीमाओं के बारे में शिक्षित करना भी जरूरी है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि 'दुरुपयोग' के नाम पर स्वतंत्रता को सीमित करना या दबाना, स्वयं लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए खतरनाक हो सकता है। अतः संतुलन बना कर चलना ही देश हित में है। भारत में चुनावों के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कुछ ज्यादा ही होता नजर आता है जैसे भड़काऊ और नफरत फ़ैलाने वाले भाषण, धार्मिक, जातीय या सांप्रदायिक भावनाओं को उकसाने वाले विचार,फेक न्यूज और नरेटिव, मतदाताओं को डराना-धमकाना, प्रत्याशियों को बदनाम करना और उन पर बिना प्रमाण के झूठे आरोप लगाना, उनके व्यक्तित्व और छवि को नुकसान पहुंचाना,उन पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के आरोप लगाना,मतदाताओं से भ्रमित करने वाले झूठे और अव्यावहारिक वादे करना आदि । भारत का चुनाव आयोग इन पर कार्रवाई करने के लिए सक्षम है और समय-समय पर करता भी है।वह और अधिक सख्त हो , इसके स्थान पर क्या राजनेताओं की यह नैतिक जिम्मेदारी नहीं है कि वे तथ्यों के आधार पर, नीतियों के आधार पर,सच के आधार पर, काम के आधार पर, योजनाओं के आधार पर मतदाताओं से मत याचना करें?क्योंकि आज की अधिकांश युवा पीढ़ी और मतदाता नेताओं को अपने आदर्श के रूप में भी देखते हैं, देश को उन्नति की राह पर ले जाने वाला समझते हैं और सुरक्षित और राष्ट्र हितैषी हाथों में राज्य और देश की बागडोर सौंपना चाहते हैं। यहां यह भी देखना आवश्यक हो जाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का चुनावों में दुरुपयोग लोकतंत्र की ताकत को कमजोर कर सकता है। अतः नागरिकों को स्वयं इस अधिकार का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि कोई रोके-टोके, कानूनी कार्रवाई करे उससे बेहतर है कि वह स्वयं सुनिश्चित करें कि क्या बोलना सही है, कानून सम्मत है और क्या ग़लत है।

JAC बोर्ड की कक्षा 8वीं और 9वीं की परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है

Ranchi. JAC बोर्ड की कक्षा 8वीं और 9वीं की परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। दरअसल कक्षा 8वीं की परीक्षा 28 जनवरी 2025 और 9वीं की परीक्षा 29 जनवरी और 30 जनवरी 2025 को निर्धारित थी। लेकिन अब इन परीक्षाओं को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। परीक्षा की अगली तारीख के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं आई है। कुल 4.77 लाख अभियर्थी परीक्षा देने वाले थे, जिन्हे अब अगली तारीख की इंतजार करना होगा।

वृद्धा एवं आय से कमजोर वर्ग के लोगों का निवास है और ये आवास 1955 के बने हुए हैं

हमारी अनुरोध है कि यहां वृद्धा एवं आय से कमजोर वर्ग के लोगों का निवास है और ये आवास 1955 के बने हुए हैं जो काफी जर्जर अवस्था में है, छत से पानी टपकता है दिवाकर आर-पार दिखाई देता है यहां के नागरिक छत्त के उपर शेड डाल कर रहते हैं रहने वाले लोग 70 साल 80 साल के लोग रहते हैं इनकी मजबूरी है आर्थिक स्थिति कमजोर है, इस लिए हम सिंदरी वासी का अनुरोध है कि लीज को बढ़ा कर 31 साल के लिए लीज की प्रक्रिया शुरू किया जाए, 11 महिने के लीज में अनिश्चिता कि स्थिति में आवास का मरम्मत कार्य लोग नहीं करा पा रहे हैं। अतः महाशय से अनुरोध है कि आवासीय समस्या से निजात दिलाने की कृपा किया जाए हम सिंदरी वासी हमेशा आपके आभारी Kanti Singh

गायत्री मंदिर में जग का उद्घाटन

शक्ति संवर्धन महायज्ञ १ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ मार्गदर्शकः अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुंज, हरिद्वार दिनांक 25 जनवरी 2025 से 26 जनवरी 2025 स्थान : गायत्री ज्ञान मंदिर, सिन्दरी देवी स्वरूपा माताओं, बहनों एवं देवतुल्य भाईयों, अपार हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में वेदमुर्त्ति तपोनिष्ट पंडित श्री राम शर्मा आचार्य एवं परमवन्दनीया माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में दिनांक 25.01.2025 से दिनांक 26.01.2025 तक दो दिवसीय 9 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं भव्य दीप महायज्ञ का आयोजन गायत्री ज्ञान मंदिर, सिन्दरी में होने जा रहा है। सम्बन्धित कार्यक्रम की रूप रेखा निम्नलिखित 8 बजे से 12 बजे तक देवपूजन, गायत्री महायज्ञ अपराहन् 3 से 4 बजे तक कार्यकर्त्ता गोष्ठी (संगठनात्मक स्वरूप) 6 से 8 बजे तक - संगीत, प्रवचन (सर्व सुलभ गायत्री साधना) दिनांक 26.01.2025 (रविवार): प्रातः 8 बजे राष्ट्रीय झंडा तोलन 8:30 बजे से 12 बजे तक गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार। सांय 6 से 8 बजे तक - युग संगीत, प्रवचन (ऋषि परम्परा का पुनर्जागरण एवं दीप महायज्ञ) नोट :- सभी परिजन यथासंभव पीले वस्त्र में आने की कृपा करें। सभी श्रद्धालुगण यन्न स्थल से कुछ न कुछ युग साहित्य प्रसाद के रूप में अवश्य ग्रहण करें। इस महायज्ञ में आप सभी का सहयोग हर प्रकार से अपेक्षित है।

क्वार्टर के लीजधारीयो के समस्याओ के निष्पादन के लिए अखिल भारतीय एसटी एससी और पिछडा वर्ग समन्वय काउंसिल ने मांग पत्र सौपा

सिन्दरीः- भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड के विशेष कार्य पदाधिकारी शेखावत को अखिल भारतीय अनुसूचित जन जाति, अनुसूचित जाति और पिछडा वर्ग समन्वय काउंसिल के पदाधिकारी मदन प्रसाद, सुरेश प्रसाद, केशव पासवान, सुभाष पासवान ने निम्न बिन्दुओ पर विचार करने का अनुरोध किया । शेखावत जी स्पष्ट शब्दो मे अपना विचार रखे और यथासंभव आपके मांग पर पुरा करने का प्रयास करूँगा जो जनहित मे हैः- 1 प्रतिवर्ष 5% की लीज रेन्ट मे वढोतरी कॉमर्शियल रेन्टधारीयो को बोझ बन जायगा। 2 कॉमर्शियल रेन्ट जीवन यापन करनेवालो के लिए कठिन दौर से गुजरना पडेगा। 3 क्वार्टर का मेंटेनेंस प्रबंधन को करना चाहिए। 4लीज की अवधी तैंतीस साल करना जनहित मे जरूरी है।

कृषि टैक्स, लेबल लॉ, बिल्डिंग रेगुलराइजेशन और मास्टर प्लान कमेटी गठित होगी

रांची | चैंबर के कार्यकारिणी समिति की 5वीं बैठक शनिवार को अध्यक्ष परेश गट्टानी की अध्यक्षता में हुई। इसमें औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने में भूमि की अनुपलब्धता पर चिंता जताई गई। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने देश के अन्य राज्यों की भांति झारखंड में भी आवासीय और कमर्शियल उपयोग के लिए आसानी से भूमि मिल सके इसके लिए सरकार के स्तर से पहल होनी चाहिए। चैंबर अध्यक्ष ने एक कमेटी का गठन करते हुए कहा कि यह कमेटी विशेषज्ञों की राय लेकर अपना प्रस्ताव विभाग को सौंपेगी। झारखंड चैंबर द्वारा जीएस मार्केटिंग एसोसिएट्स के संयुक्त तत्वावधान में 7 से 17 फरवरी तक मोरहाबादी मैदान में इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। रांची मास्टर प्लान 2037 में लैंड यूज में संशोधन के लिए भू-मालिकों द्वारा पूर्व में दिए गए आवेदन पर अब तक कार्रवाई शुरू नहीं होने पर सदस्यों ने चिंता जताई। महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने भवन नियमितीकरण योजना को जल्द प्रभावी करने की मांग की। चैंबर अध्यक्ष ने कृषि टैक्स कमेटी, लेबल लॉ कमेटी और बिल्डिंग रेगुलराइजेशन और मास्टर प्लान कमेटी का गठन करने की घोषणा की। राज्य में बनने वाली पॉलिसी का क्रियान्वयन करने में होने वाली कठिनाई पर चिंता जताते हुए सदस्यों ने कहा कि वर्ष 2016 में समाप्त हुई टेक्सटाइल पॉलिसी को एक-एक वर्ष के लिए एक्सटेंशन दिया जा रहा है।

नागरिक सुविधाओं को किया जाएगा सुदृढ़

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने शनिवार की

पीसी एंड पीएनडीटी का उल्लंघन करने वाले अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर की जाएगी सख्त कार्रवाई - उपायुक्त

रांची। उपायुक्त सह जिला समुचित प्राधिकारी, पीसी एंड पीएनडीटी, धनबाद माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शनिवार को पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। इस क्रम में उपायुक्त ने समिति के सदस्यों से कहा कि वे कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए उचित कदम उठाएं। साथ ही कहा कि सरकार के निर्देशानुसार प्रसव पूर्व लिंग जांच करवाना कानूनी अपराध है। इसमें किसी अल्ट्रासाउंड केंद्र की संलिप्तता सामने आने पर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें। पीएनडीटी एक्ट के तहत कोई भी चिकित्सक लिंग जांच नहीं कर सकता। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर अल्ट्रासाउंड केंद्रों का टीम बनाकर निरीक्षण करने, रिन्यूअल समय पर करने, बायो मेडिकल वेस्ट का निकास कहां किया जा रहा है, की जांच करने का भी निर्देश दिया। बैठक में नए रजिस्ट्रेशन हेतु समर्पित दो आवेदनों और रिन्यूअल के लिए आये 4 संस्थानों द्वारा समर्पित आवेदनों पर विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि किसी भी अल्ट्रासाउंड सेन्टर के नए रजिस्ट्रेशन और रिन्यूअल के आवेदन में फायर सेफ्टी अनापत्ति प्रमाणपत्र आवश्यक रहेगा। रेडियोलोजिस्ट या सोनोलॉजिस्ट को अल्ट्रासाउंड केंद्रों में उपस्थित रहने के समय की लिखित सूचना देनी होगी तथा सेंटर पर अल्ट्रासाउंड करने का निर्धारित समय प्रदर्शित करना होगा। मौके पर सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन, डॉ विकाश कुमार राणा, डॉ सुनील वर्मा, डॉ राकेश इंदर, डॉ नीतू सहाय, डॉ गायत्री सिंह, डॉ शम्स तबरेज़ आलम, समित प्रकाश, कार्यपालक दंडाधिकारी रविंद्र नाथ ठाकुर, नीता सहाय, पूजा रत्नाकर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 10 फरवरी से 25 फरवरी तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा

धनबाद । फाइलेरिया उन्मूलन के लिए 10 फरवरी से 25 फरवरी तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा। 10 फरवरी को जिले के 2248 बूथ पर 4496 दवा प्रशासक द्वारा 26 लाख से अधिक लोगों को अपने सामने दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित है। अभियान को सफल बनाने के लिए 428 सुपरवाइजर भी क्रियाशील रहेंगे। वहीं छूटे हुए लोगों को 11 से 25 फरवरी तक दवा प्रशासक द्वारा घर-घर जाकर लोगों को अपने सामने डीईसी एवं एल्बेंडाजोल की खुराक खलाई जाएगी। अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर आज उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के दौरान शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करें। मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है। अधिक से अधिक लोगों को दवा का सेवन कराने के लिए सभी पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, सरकारी भवन, स्कूल इत्यादि में पोस्टर बैनर लगाकर लोगों को जागरूक करें। लोगों को बीमारी की गंभीरता समझाएं और दवा खाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने फाइलेरिया उन्मूलन के लिए जिले के सभी लोगों से दवा लेने की अपील की। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानू प्रतापन ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर जिले के 1150 गांव में 2248 बूथ पर 4496 दवा प्रशंसकों द्वारा 428 पर्यवेक्षकों की देखरेख में 26 लाख 67 हजार 026 लोगों को दवा खिलाई जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि अभियान के दौरान सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा हेल्थ सब सेंटर, सदर अस्पताल, शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल व धनबाद रेलवे स्टेशन पर लोगों को दवा खिलाई जाएगी। इस तरह दी जाएगी दवा की खुराक 1 से 2 साल तक के बच्चे को एल्बेंडाजोल की आधी गोली (200 एमजी) पानी में घोलकर। 2 से 5 वर्ष तक को डीईसी की एक गोली (100 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली (400 एमजी), 6 वर्ष से 14 वर्ष तक डीईसी की 2 गोली (200 एमजी), एल्बेंडाजोल की एक गोली, 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को डीईसी की तीन गोली 300 (एमजी) एवं एल्बेंडाजोल की एक गोली। इन्हें नहीं दी जाएगी दवा एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं अत्यंत वृद्ध एवं गंभीर बीमार व्यक्तियों को दवा की खुराक नहीं दी जाएगी। किसी को भी यह दवा खाली पेट सेवन नहीं करनी है। वीबीडी पदाधिकारी डॉ सुनिल कुमार ने कहा कि फाइलेरिया एक वेक्टर जनित लाइलाज तथा दूसरी सबसे बड़ी दिव्यांगता पैदा करने वाली बीमारी है। यह गंदे पानी में पनपने वाले संक्रमित मादा क्युलेक्स मच्छर के द्वारा काटने से फैलती है। यह जानलेवा बीमारी नहीं है लेकिन इसकी वजह से शरीर में विकृति पैदा होती है। इसलिए इस रोग के बचाव के लिए एमडीएम कार्यक्रम के दौरान सभी व्यक्तियों को दवा का सेवन करना आवश्यक है।

मंत्री, उपायुक्त एवं एसएसपी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को किया रवाना

धनबाद। मंत्री संजय प्रसाद यादव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा उद्योग विभाग, झारखण्ड सरकार धनबाद जिला पहुँचे। सर्किट हाउस पहुँचने पर उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं एसएसपी एच.पी.जनार्दनन ने पुष्पगुच्छ देकर मंत्री का स्वागत किया।इस दौरान मंत्री संजय प्रसाद यादव, उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं एसएसपी एच.पी.जनार्दनन ने सर्किट हाउस परिसर से हरी झंडी दिखाकर श्रम विभाग के कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु जागरूकता रथ को रवाना किया। मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि यह प्रचार रथ धनबाद जिला के सभी प्रखंडों के गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी। उन्होंने अपील किया गया कि जो भी मजदुर अपने राज्य से दूसरे राज्य में कार्य करने जाते है वे अपना निबंधन प्रवासी मजदूर के रुप में श्रम विभाग में जरुर करवायें। उन्होंने कहा कि श्रम विभाग द्वारा संचालित प्रवासी श्रमिक पुनर्वास योजना, बाल श्रमिक, झारखंड असंगठित सामाजिक सुरक्षा योजना, झारखंड भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में लाभुक जागरूक हों और योजनाओं का लाभ ले सके। मौके पर सहायक श्रम आयुक्त प्रवीण कुमार, सहायक श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार

मतदाताओं को दिलाई निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने नए मतदाताओं से की लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करने की अपील उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर सम्मानित राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर समाहरणालय के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने मतदाताओं को निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान के दौरान लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को बनाए रखने, निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की प्रतिज्ञा दिलाई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 75 वर्ष के बाद भी हमारे देश ने लोकतांत्रिक मूल्य को सहेज कर रखा है।

रन फॉर रोड सेफ्टी के लिए दौड़ा बोकारो, हरी झंडी दिखाकर एलईडी जागरूकता रथ को किया रवाना

बोकारो।उपायुक्त विजया जाधव, उप विकास आयुक्त श्री गिरजा शंकर प्रसाद, डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, डीटीओ वंदना शेजवलकर समेत जिला स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारी हुए शामिल सड़क सुरक्षा माह के तहत शनिवार को रन फॉर रोड सेफ्टी का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत बोकारो परिसदन से - राम मंदिर चौक - पत्थरकट्टा चौक होते हुए पुस्तकालय मैदान पहुंच समाप्त हुई। रन फॉर रोड सेफ्टी में उपायुक्त विजया जाधव, उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, डीटीओ वंदना शेजवलकर समेत जिला स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारी, आम जन आदि शामिल हुए। मौके पर उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के प्रति आमजनों को जागरूक करने के लिए सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज रन फॉर रोड सेफ्टी का आयोजन किया गया है। कई बार दुर्घटनाएं होने पर स्थितियां नियंत्रण में नहीं रहती हैं,ऐसे में सड़क पर वाहन चलाने/सड़क पर चलने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति लोगों को अवगत कराया जा रहा है। वहीं, 02 पहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय हेलमेट का एवं 04 पहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का जरूर इस्तेमाल करें एवं यातायात नियमों का अनुपालन करें, इसके लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने आमजनों को संदेश दिया कि वह " हर दिन, सुरक्षा दिवस के रूप में मनाएं, क्योंकि हमें है आपकी परवाह " । सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन की आगे की योजना, किए जाने वाले कार्यों के संबंध में भी अपनी बात रखीं।

मदरसा महमूदिया के दो तालिबे इल्म (छात्र) को सम्मानित किया

मांडर : प्रखंड अंजुमन कमेटी और विधायक प्रतिनिधि रशीद अंसारी ने मांडर प्रखंड के मुड़मा स्थित मदरसा महमूदिया के दो तालिबे इल्म (छात्र) को सम्मानित किया। यह दोनों बच्चे हाफिज ए कुरान हैं। पिछले दिनों दोनों ने सिर्फ सिर्फ 9 घंटे में पूरी कुरान को सुनाया। ये दोनों तालिब ए इल्म बच्चे मोहम्मद उजैफा ग्राम परहेपाठ और आफताब आलम देशवाली बीजूपाड़ा के रहने वाले हैं। दोनों ने एक बैठक में पूरी कुरान शरीफ कारी ताल्हा मुजाहिद के समक्ष सुनाया। दोनों बच्चों की हौसला अफजाई करने हेतु मांडर प्रखंड अंजुमन कमेटी के सदर जनाब नुरूल्लाह नदवी , सेक्रेटरी अफरोज हुसैन, अमानत अंसारी, एनामुल नदवी समेत शिक्षक और छात्र मौजूद थे।

जिला प्रशासन द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या जिला प्रशासन द्वारा न्यू टाउन हॉल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के एक से बढ़कर एक प्रस्तुति व नृत्य नाटिका ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त सादात अनवर, एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा, डायरेक्टर डीआरडीए राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एसडीएम राजेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह व अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों ने देशभक्ति पर आधारित ग्रुप सॉन्ग व ग्रुप डांस प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर श्यामडीह, डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा, के जी बी वी झरिया, के जी बी वी निरसा, के जी बी वी बलियापुर, के जी बी वी तोपचांची, साथी फाउंडेशन, एसएसएलएनटी गर्ल्स हाई स्कूल समेत कई अन्य विभिन्न स्कूल ने अपने अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के समापन पर सरस्वती विद्या मंदिर श्यामडीह को प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा को द्वितीय, के जी बी वी झरिया को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया। इसके अलावा सभी प्रतिभागी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं बेहतरीन एंकरिंग के लिए श्री घनश्याम दुबे एवं एमिली बसु को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

'गणतंत्र' का जश्न देखेगी दुनिया, कर्तव्य पथ पर भारत करेगा अपनी सैन्य शक्ति और विरासत का प्रदर्शन

भारत अपने 76वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करेगा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो मुख्य अतिथि होंगे। झांकियों का विषय 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' होगा। आधुनिक रक्षा प्रणालियों समेत अनेक सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन किया जाएगा।

नई दिल्ली: भारत 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आज कर्तव्य पथ पर अपनी सैन्य शक्ति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करने के अलावा विरासत और विकास का प्रतीकात्मक संगम प्रदर्शित करेगा। राष्ट्र संविधान के लागू होने की 'प्लेटिनम जुबली' भी आज मनाएगा।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। परेड में इंडोनेशिया का एक मार्चिंग दस्ता और बैंड का एक दल भी भाग लेगा। सुबियांतो गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने वाले इंडोनेशिया के चौथे राष्ट्रपति होंगे। इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में, भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे।

इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय संविधान की 75वीं वर्षगांठ है, लेकिन झांकियों का विषय 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' है। रविवार को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 16 झांकियां और केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की 15 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। देश अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन ब्रह्मोस, पिनाक और आकाश सहित कुछ अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों का प्रदर्शन करेगा। साथ ही, सेना की युद्ध निगरानी प्रणाली 'संजय' और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की सतह से सतह पर मार करने वाली सामरिक मिसाइल 'प्रलय' पहली बार परेड में शामिल की जाएगी।

अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि टी-90 'भीष्म' टैंक, सारथ (पैदल सेना ले जाने वाला वाहन बीएमपी-2), 'शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम' 10 मीटर, नाग मिसाइल सिस्टम, मल्टी बैरल रॉकेट लांचर सिस्टम 'अग्निबाण' और 'बजरंग' (हल्का विशिष्ट वाहन) भी परेड का हिस्सा होंगे। परेड में कई अन्य चीजें भी पहली बार देखने को मिलेंगी, जैसे तीनों सेनाओं (थलसेना, वायुसेना, नौसेना) की झांकी, जो सशस्त्र बलों के बीच 'तालमेल' को दर्शाएगी।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, झांकी में युद्ध के मैदान का परिदृश्य दिखाया जाएगा, जिसमें स्वदेशी अर्जुन युद्धक टैंक, तेजस लड़ाकू विमान और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर के साथ थल, जल और वायु में समन्वित अभियान का प्रदर्शन किया जाएगा। तीनों सेनाओं की झांकी का विषय 'सशक्त और सुरक्षित भारत' होगा। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा, डीआरडीओ 'रक्षा कवच -बहु-क्षेत्रीय खतरों के खिलाफ बहु-स्तरीय सुरक्षा' विषय पर एक झांकी पेश करेगा।

देश के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे पीएम मोदी परेड से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। परेड सुबह राष्ट्रीय सलामी के साथ शुरू होगी और 90 मिनट तक जारी रहेगी, जो भारत की विरासत और विकास यात्रा को दर्शाएगी। सी-130जे सुपर हरक्यूलिस, सी-295, सी-17 ग्लोबमास्टर, पी-8आई, मिग-29 और एसयू-30 सहित अन्य विमान भी समारोह का हिस्सा होंगे। **'सारे जहां से अच्छा' की धुन में झूमेगा देश** रक्षा मंत्रालय के अनुसार, औपचारिक परेड की शुरुआत 300 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले वाद्ययंत्रों पर 'सारे जहां से अच्छा' की धुन बजाकर की जाएगी। दिल्ली क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल भवनीश कुमार परेड कमांडर होंगे, जबकि परेड सेकेंड-इन-कमान, दिल्ली क्षेत्र के चीफ ऑफ स्टाफ (सीओएस) मेजर जनरल सुमित मेहता होंगे।

सेना दिखाएगी पूरी ताकत मेजर जनरल मेहता ने कहा कि इस कार्यक्रम में कई अत्याधुनिक सैन्य साजोसामान और देश की विरासत को दर्शाती जीवंत झांकियों के साथ भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दो परमवीर चक्र विजेता- दोनों ही कारगिल युद्ध के नायक- और एक अशोक चक्र विजेता परेड का हिस्सा होंगे। फ्लाईपास्ट में भारतीय वायुसेना के 40 विमान और भारतीय तटरक्षक बल के तीन डोर्नियर विमान शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व घुड़सवार टुकड़ी, आठ मशीनीकृत टुकड़ियां और छह मार्चिंग दस्ता करेंगे। **और क्या रहेगा खास**? मार्चिंग दल में ब्रिगेड ऑफ़ द गार्ड्स की टुकड़ियां, जाट रेजिमेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट, जेएंडके (जम्मू कश्मीर) लाइट इन्फैंट्री (जेएकेएलआई) रेजिमेंट और इंजीनियर्स कोर की टुकड़ियां शामिल होंगी। कैप्टन रितिका खरेता सेना की सिग्नल कोर की मार्चिंग टुकड़ी की कमांडर होंगी। वह अपनी टुकड़ी की एकमात्र महिला सदस्य हैं और बाकी पुरुष हैं। सिग्नल कोर के जांबाजों द्वारा मोटरसाइकिल पर प्रदर्शन भी किया जाएगा। कैप्टन आशीष राणा इसका नेतृत्व करेंगे और कैप्टन डिंपल सिंह भाटी दूसरी पंक्ति में होंगी। बृहस्पतिवार को 'फुल ड्रेस रिहर्सल' के तुरंत बाद भाटी ने कहा था, 'मैं परेड के दौरान राष्ट्रपति को सलामी दूंगी।' गणतंत्र दिवस परेड के दौरान जिन राज्यों की झांकियां प्रदर्शित होंगी, उनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, बिहार, झारखंड, गुजरात, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली और चंडीगढ़ शामिल हैं।

कनाडाई PM बनने की रेस में रूबी ढल्ला भी उतरीं, भारतीय मूल और कितने नेता लड़ रहे चुनाव

भारतीय मूल की पूर्व कनाडाई सांसद रूबी ढल्ला लिबरल पार्टी की नेता और कनाडा की अगली प्रधानमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रही हैं। वह तीन बार संसद सदस्य चुनी जा चुकी हैं। वह एक व्यवसायी और मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं और करियर के शुरुआती दिनों में मॉडल भी रह चुकी हैं। उनके अलावा कई नेता लिबरल लीडरशिप रेस में शामिल हैं। लिबरल पार्टी का नया नेता नौ मार्च को चुना जाना है।

ओटावा: भारतीय मूल की पूर्व कनाडाई सांसद रूबी ढल्ला ने घोषणा की है कि वह लिबरल पार्टी का नेता और कनाडा की अगली प्रधानमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रही हैं। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''पेपर जमा हो गए हैं। डिपॉजिट भर दिया है। मैं जीतने और लिबरल पार्टी का अगला नेता और कनाडा की प्रधानमंत्री बनने के लिए मैदान में हूं। कनाडा की वापसी अब शुरू होती है।'' रूबी ढल्ला ने बुधवार को सीटीवी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हम इतिहास रचेंगे और कनाडा की प्रधानमंत्री के रूप में निर्वाचित होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला बनकर इतिहास रचेंगे।''

तीन बार सांसद रह चुकी हैं रूबी ढल्ला रूबी ढल्ला पहली बार 2004 में ब्रैम्पटन-स्प्रिंगडेल सीट से हाउस ऑफ कॉमन्स के लिए चुनी गई थीं। वह 2006 और 2008 में फिर से चुनी गईं, लेकिन 2011 में हार गईं और 2015 में जब लिबरल बहुमत के साथ सत्ता में आए, तो उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। 2004 के संघीय चुनाव में उनकी जीत ने उन्हें ब्रिटिश कोलंबिया की कंजर्वेटिव सांसद नीना ग्रेवाल के साथ सदन में निर्वाचित होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला बना दिया। राजनीति में आने के अलावा, ढल्ला एक मॉडल भी रही हैं और वर्तमान में एक होटल व्यवसायी हैं। वह एक मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं।

भारतीय मूल और कितने नेता लड़ रहे चुनाव? भारतीय मूल की कनाडा की परिवहन मंत्री अनीता आनंद ने कहा है कि वह प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जगह लेने के लिए लिबरल पार्टी की चल रही नेतृत्व की दौड़ में भाग नहीं लेंगी, न ही फिर से चुनाव लड़ेंगी। पहले उनका नाम भी इस रेस में शामिल माना जा रहा था। वहीं, भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य अगले कनाडाई प्रधानमंत्री बनने की रेस में शामिल हैं। 17 जनवरी को उन्होंने अपना नामांकन दाखिल कर दिया था। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''मैं कनाडा के प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव लड़ रहा हूं। हमारा देश संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनके लिए ठोस समाधान की आवश्यकता है। हमें अपने बच्चों और भावी पीढ़ी की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए साहसिक राजनीतिक निर्णय लेने होंगे।'' आर्य पहली बार 2015 के संघीय चुनाव में नेपियन सांसद सदस्य चुने गए थे और 2019 और 2021 के चुनावों में फिर से चुने गए। चंद्र आर्य एमबीए करने के बाद 2006 में भारत से कनाडा चले गए थे। **लिबरल लीडरशिप रेस में और कौन-कौन शामिल**? इसके अलावा, कनाडा के प्रधानमंत्री पद की रेस में पूर्व उप प्रधानमंत्री और टोरंटो की सांसद क्रिस्टिया फ्रीलैंड, पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी, लिबरल हाउस की नेता करीना गोल्ड, कनाडाई सांसद जैमे बैटिस्ट और पूर्व लिबरल सांसद और व्यवसायी फ्रैंक बेलिस शामिल हैं। कनाडा की लिबरल पार्टी नौ मार्च को अपना नया नेता चुनेगी। वहीं, कनाडा में आम चुनाव इस साल अक्टूबर या उससे पहले होना है।

पद्म पुरस्कार पाने वालों को पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा ने दी बधाई, जानिए प्रधानमंत्री ने क्या कहा

Parma Awards 2025 पद्म अवॉर्ड 2025 का ऐलान कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने शनिवार को पूरी लिस्ट जारी की। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिएक्ट किया। उन्होंने ये सम्मान पाने वाले हस्तियों को बधाई दी। अमित शाह और जेपी नड्डा ने भी रिएक्ट किया है।

नई दिल्ली: *केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म पुरस्कार पाने वाले लोगों की लिस्ट जारी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने सभी पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। जारी लिस्ट में बिहार की दिवंगत लोक गायिका शारदा सिन्हा समेत सात लोगों को पद्म विभूषण, 19 को पद्म भूषण और 113 को पद्म श्री देने की घोषणा की गई है।*

पद्म पुरस्कार विजेताओं को बधाई- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रत्येक पुरस्कार प्राप्तकर्ता मेहनत, जोश और नवाचार का प्रतीक हैं, जिन्होंने अनगिनत जिंदगियों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, 'पद्म पुरस्कार विजेताओं को बधाई! भारत को उनकी असाधारण उपलब्धियों का सम्मान करने और उनका जश्न मनाने पर गर्व है। उनका समर्पण और दृढ़ता वास्तव में प्रेरणादायक है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता कड़ी मेहनत, जुनून और नवाचार का पर्याय है, जिसने अनगिनत जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। वह हमें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने का मूल्य सिखाते हैं।'

अमित शाह ने क्या कहा जानिए *गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'माननीय राष्ट्रपति द्वारा आज पद्म पुरस्कारों के लिए चुने गए दिग्गजों को बधाई। प्रधानमंत्री मोदी ने पद्म पुरस्कारों को ऐसे मंच के रूप में फिर से परिभाषित किया है, जहां उन प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया जा सके, जिन्होंने समुदायों को सशक्त बनाया है और उन्हें प्रगति की ओर अग्रसर किया है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह सम्मान हमारे समाज को राष्ट्र निर्माण के लिए एक नए उत्साह से भर देगा।'* ***जेपी नड्डा ने भी विजेताओं को दी बधाई*** *बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा, 'सभी पद्म पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई। यह सम्मान आपकी असाधारण उपलब्धियों और सकारात्मक बदलाव लाने की अटूट प्रतिबद्धता का सम्मान करता है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पद्म पुरस्कार एक ऐसा मंच बन गया है जो समाज की बेहतरी के लिए निःस्वार्थ सेवा का सम्मान करता है। आप दुनिया में सार्थक बदलाव लाते रहें, यही कामना है।'*

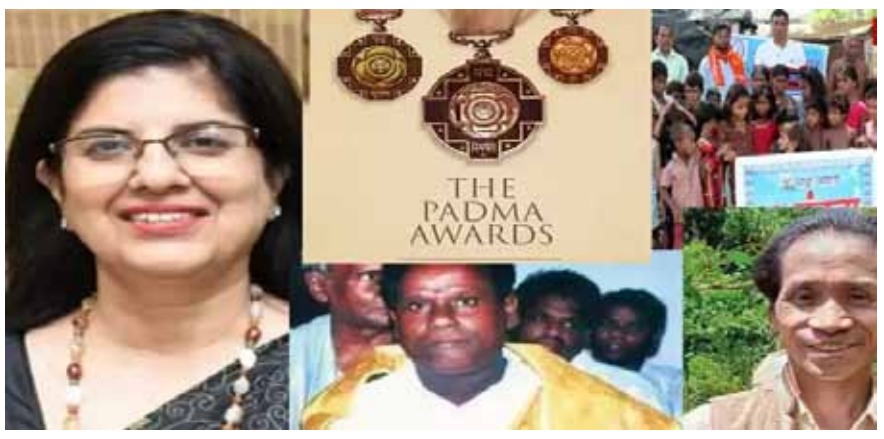

वैसे तो जीवन में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत और लगन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। लेकिन इसके साथ ही कुछ व्यक्तिगत गुण और आदतें भी बहुत मायने रखती हैं। इनके बारे में कई विद्वानों और मनोवैज्ञानिकों ने अपनी किताबों में जिक्र किया है। इनमें से कुछ बेस्ट सेलर किताबों और उसमें छिपे सक्सेस सीक्रेट के बारे में जानिए।

ये किताबें बताती हैं सक्सेस के ईजी सीक्रेट

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

कहा जाता है कि किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। हताशा के क्षणों में किताबें उम्मीद जगाती हैं, सफल होने की राह सुझाती हैं। हम आपको यहां दुनिया की कुछ ऐसी प्रसिद्ध किताबों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने अनेक लोगों के जीवन को बदल दिया और उन्हें सफल बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

समस्याओं का खोजें रचनात्मक हल

मनोवैज्ञानिक डेनियल काह्नमैन लिखित 2011 में प्रकाशित 'थिंकिंग, फास्ट एंड स्लो' एक लोकप्रिय प्रेरक पुस्तक है। इस किताब के मुताबिक अगर आप अकसर किसी भी समस्या के सामने आते ही बेहद चिंतित हो जाते हैं तो आपको यह समझ लेना चाहिए कि समस्या के एक ही हिस्से पर आपका नियंत्रण होता है, वह है आपकी प्रतिक्रिया। समस्याएं हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ गुणों को बाहर निकालती हैं, क्योंकि मुसीबत में ही हम अपनी क्षमताओं के बारे में सही ढंग से चिंतन कर पाते हैं। इसलिए जब आप चिंतित होने की बजाय किसी समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करने की कोशिश करेंगे, तो ज्यादा प्रभावशाली बनेंगे। परिणामस्वरूप आप खुद को पहले से ज्यादा बड़ी और कहीं ज्यादा समस्याएं हल करने के लायक बना लेंगे।

स्वतंत्रता में निहित हो आत्मसंयम

स्वामी चिन्मयानंद द्वारा लिखित किताब 'किंडल लाइफ' के अनुसार मनुष्य का मूल स्वभाव पूर्ण स्वतंत्रता है। लेकिन उसकी स्वतंत्रता अनिवार्य रूप से बुद्धिमत्तापूर्ण, आत्मसंयम और अनुशासनयुक्त होनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप सीमा में रहकर अपनी क्षमता से जीवन को उत्कृष्ट बनाएं या उसकी उपेक्षा करके अपने लिए दुख आमंत्रित करें। स्वच्छंदता वास्तव में स्वतंत्रता नहीं है। इसका परिणाम है, विनाश। प्रकृति के नियम के अंतर्गत रहकर जीने से ही व्यक्ति सफल हो सकता है।

सफलता में सहायक अच्छी आदतें

जेम्स क्लियर की प्रसिद्ध किताब 'एटॉमिक हैबिट्स' बताती है कि सभी बड़ी चीजों की शुरुआत छोटे प्रयासों से होती है। एक छोटा निर्णय ही आदत का वह बीज होता है, जो आपको आगे बढ़ाता है। जब आप एक सही निर्णय को बार-बार दोहराते हैं तो आदत के रूप में वह ज्यादा शक्तिशाली बनने लगता है। क्या आप आमदनी से कम खर्च करते हैं? क्या आप नियमित जिम जाते हैं या एक्सरसाइज करते हैं? क्या आप रोज पुस्तक पढ़ते हैं? क्या आप रोज कोई नई चीज सीखते हैं? ये ऐसी छोटी-छोटी बातें हैं, जो आपकी सफलता और असफलता के बीच के अंतर को प्रभावित करती हैं। अच्छी आदतों के महत्व को समझें, आपकी सफलता की पहली सीढ़ी यही है।

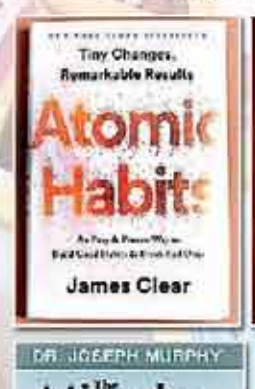

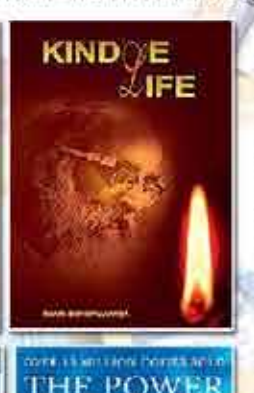

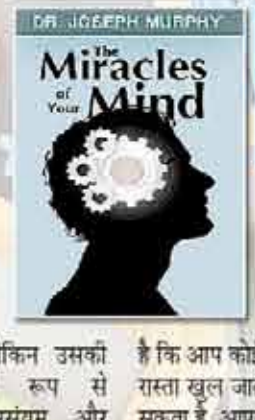

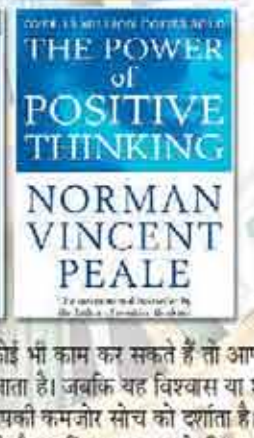

प्रगति के लिए दूर करें डर

किताब 'करेज एंड कॉन्फिडेंस' को एक अमेरिकी प्रोटेस्टेंट पादरी और लेखक नॉर्मन विंसेंट पील ने लिखा था। उनकी किताब के अनुसार डर लोगों को शारीरिक रूप से बेहद कमजोर बना देता है। जब आप बोलना चाहते हैं तो डर आपको बोलने नहीं देता। कुछ करना चाहते हैं तो ये आपको कुछ करने नहीं देता। देखा जाए तो किसी ना किसी रूप में डर लोगों को वह हासिल करने से रोकता है, जो वे जीवन में वाकई हासिल करना चाहते हैं। इसलिए डर का असली कारण क्या है, यह पता करें। देखें कि आप किस चीज से डर रहे हैं, फिर अपने काम व मेहनत से इस डर को दूर करें।

पॉजिटिव थिंकिंग की पावर समझें-अपनाएं

नॉर्मन विंसेंट पील की प्रसिद्ध किताब 'द पॉवर ऑफ पॉजिटिव थिंकिंग' भी सफलता के उपाय बताती है। किताब के मुताबिक अगर आपके मन में यह विश्वास है कि आप कोई भी काम कर सकते हैं तो आपके लिए रचनात्मक समाधानों का रास्ता खुल जाता है। जबकि यह विश्वास या शंका कि कोई काम नहीं किया जा सकता है, आपकी कमजोर सोच को दर्शाता है। यह सोच आपको असफलता की ओर ले जाती है। वहीं अगर आपको विश्वास है कि आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का हल ढूंढ सकते हैं और खुद पर विश्वास करेंगे, तो आप रचनात्मक रूप से सोचना शुरू करेंगे और सफलता की राह पर चल पड़ेंगे।

चमत्कारी होती हैं मन की शक्तियां

आयरिश लेखक जोसेफ मर्फी की किताब 'द मिरेकल्स ऑफ योर माइंड' बताती है कि हमारे मन के दो पहलू होते हैं। चेतन मन बाहरी चीजों की जानकारी रखता है, जबकि अवचेतन मन आंतरिक चीजों की। मानव जीवन में अवचेतन मन का महत्व सबसे ज्यादा होता है। अवचेतन मन मिट्टी की तरह होता है। आप इसमें जो भी बीज डालेंगे, यह उसे स्वीकार कर लेगा। चाहे, बीज अच्छा हो या बुरा। आप जिस भी चीज को सच मानते हैं और जिसमें विश्वास करते हैं, उसे आपका अवचेतन मन स्वीकार कर लेगा। अवचेतन शक्तियों के सदुपयोग की योग्यता से ही सारे महान वैज्ञानिक और शोधकर्ता सफल हुए हैं। अपने भीतर अवचेतन शक्तियों के उपयोग से आप भी सफल हो सकते हैं।

इस तरह ये मोटिवेशनल किताबें आपको सक्सेसफुल बनाने में बहुत मददगार हो सकती हैं, बशर्ते आप इनमें बताए गए सूत्रों को अपने जीवन में अपना लें। *

{ लाइफस्टाइल / अंजू जैन }

बेहतर, सुकून भरी और ऊर्जावान जिंदगी के लिए आपके व्यक्तित्व में कुछ गुणों का होना जरूरी है। ये सभी गुण आपके ई क्यू, आई क्यू और एस क्यू से निर्धारित होते हैं। इनके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

ई क्यू+आई क्यू+एस क्यू बढ़ाए कॉन्फिडेंस-एनर्जी

जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, चाहे वो आर्थिक हो या सामाजिक, पारिवारिक हो या फिर मानसिक-शारीरिक सेहत से संबंधित, अगर आप अपने भीतर ईक्यू, आईक्यू और एसक्यू की त्रिशक्ति को जागृत कर लें और इनका संतुलन साध लें तो आपमें एनर्जी और कॉन्फिडेंस की कमी नहीं रहेगी। इस तरह आपका हर क्षेत्र में कामयाब होना तय हो जाएगा। यहां हम जिस त्रिशक्ति की बात कर रहे हैं, वे भावनाओं, बौद्धिकता और आध्यात्मिक जागृति की शक्तियां हैं। इनका संतुलन आपको अद्भुत आत्मविश्वास, ऊर्जा और क्षमता की शक्ति दे सकता है। जाहिर है, इनकी वजह से आपकी कहीं हार नहीं होगी, ना ही कभी हताशा और निराशा का सामना करना पड़ेगा।

ई क्यू यानी इमोशनल कोशेंट : लोगों से संपर्क करना हो या रोजमर्रा के जीवन से जुड़ा छोटा-बड़ा कोई निर्णय लेना हो, हमारा आचरण और हमारी कोई भी एक्टिविटी, इमोशंस यानी भावनाओं से ही नियंत्रित होती है। इमोशनल कोशेंट बहुआयामी होता है। इसके तहत समानुभूति यानी दूसरों की संवेदनाओं और उनके मन को समझना, सामाजिक कौशल यानी किस वक्त, किसी व्यक्ति से कैसा व्यवहार करना चाहिए, स्व-नियंत्रण यानी अपनी अच्छी-बुरी भावनाओं को काबू में रखना, आत्म जागरूकता यानी अपनी क्षमताओं की सही-सही जानकारी और स्वप्रेरणा यानी कभी भी हतोत्साहित या निराश ना होना और खुद को सदैव ऊर्जावान रखना आदि गुण समाहित होते हैं। इन गुणों को बढ़ाने के साथ-साथ बुरी या कहें नकारात्मक भावनाओं जैसे-क्रोध, भय, ईर्ष्या आदि से दूरी रखने से ई क्यू बढ़ती है।

आई क्यू यानी इंटेलिजेंस कोशेंट : यह बात जग जाहिर है कि बौद्धिक क्षमता का अच्छा स्तर हमें किसी भी कार्य को सही तरीके से करने की युक्ति सुझा सकता है। बुद्धिमत्ता यानी अच्छी बौद्धिक क्षमता का यह मतलब कतई नहीं कि आप दुनिया की हर स्किल को सीख लें या हर फील्ड, भाषा या तकनीक आदि पर आपकी पकड़ मजबूत हो जाए। इसका सीधा अर्थ यह है कि आप में प्रेजेंस आफ माइंड होना चाहिए। आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस काम के लिए आप किसे हायर कर सकते हैं या किसकी मदद ले सकते हैं? किस व्यक्ति को कैसे अपने फेवर में लाया जा सकता है या अपने प्रस्ताव को मनवाया जा सकता है? कहां आपको बोलना चाहिए और कहां चुप रहना चाहिए? अपने अच्छे बौद्धिक स्तर से आप अपने लिए अच्छे-बुरे का निर्णय ले सकते हैं। नेगेटिव लोगों से दूरी बना सकते हैं और अनावश्यक कामों और व्यवधानों से बच सकते हैं। जाहिर है, ये सारे गुण आगे बढ़ाने और सफलता पाने में मदद करेंगे।

एस क्यू यानी स्पिरिचुअल कोशेंट : आध्यात्मिक शक्ति की मदद से आप अपनी क्षमताओं को सर्वोच्च स्तर पर ले जा सकते हैं। इसकी मदद से आप मन को शांत रख सकते हैं। साथ ही मस्तिष्क को ऊर्जावान और सकारात्मक रूप से सक्रिय भी रख सकते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि इस विशेषता की वजह से आप सबके प्रिय बनेंगे और प्रगतिपथ पर अग्रसर रहेंगे।

तीनों का है गहरा संबंध : यहां जिक्र किए गए तीनों गुणों के बारे में यह समझना जरूरी है कि ई क्यू और आई क्यू का परस्पर गहरा संबंध है। आपका कमजोर इमोशनल कोशेंट आपके इंटेलिजेंस कोशेंट का लेवल कम कर सकता है। इसी प्रकार कमजोर इंटेलिजेंट कोशेंट, आपके इमोशनल कोशेंट का लेवल कमजोर कर सकता है। इन दोनों को संतुलित रखने और इनका स्तर ऊंचा रखने में आपकी मदद करता है एस क्यू। आध्यात्मिक गतिविधियों का अभ्यास और इसका सहारा आपको मूल्य आधारित, ईमानदार, सात्विक, निष्ठावान और सच्चा जीवन जीने की प्रेरणा देता है। जाहिर है, इससे आपके मन को शांति-सुकून तो मिलता ही है, सामाजिक और व्यापारिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। *

{ एडवाइस / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश' }

बोर्ड एग्जाम के नाम से ही कुछ छात्रों के मन में तनाव होने लगता है। इस डर से वे अच्छी तैयारी भी नहीं कर पाते हैं। इससे बचने के लिए क्या करें, छात्रों के लिए यूजफुल सजेशंस।

बिना डरे करें एग्जाम की तैयारी

फरवरी से सीबीएसई सहित कई अन्य बोर्डों की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। बोर्ड परीक्षा के नाम से ही किशोर छात्रों में तनाव पैदा होना नई बात नहीं है। घबराहट और बेचैनी से रात की नींद और दिन का चैन गायब हो जाता है। इस मनोदशा के लिए एग्जाम फीवर और एग्जामिनोफोबिया जैसे शब्द प्रचलन में हैं। जबकि चिकित्सकीय शब्दकोश में इन दोनों शब्दों का नामों निशान नहीं है। बहरहाल, परीक्षा के तनाव को नियंत्रित किया जाना जरूरी है, समय रहते इस पर काबू ना पाया गया तो कभी-कभी छात्र अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आजकल किशोरों में अवसाद की स्थिति आत्महत्या का कारण तक बनने लगी है, जोकि अत्यंत चिंताजनक बात है।

पैरेंट्स से करते रहें बातचीत: एग्जाम के तनाव से बचने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि स्टूडेंट्स अपने पैरेंट्स से संवाद बनाए रखें। खुलकर बात करें। अपनी रुचि-अभिरुचि से उन्हें अवगत कराएं। यहां तक कि अपने कमजोर पक्षों को भी पैरेंट से शेयर करने में ना झिझकें। बोर्ड की परीक्षाएं डरावनी लगें, तनाव का कारण बन रही हों तो स्वयं अपने भीतर उन कारणों को खोजें, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। निश्चित रूप से इसकी मूल वजह मिल जाएगी। पैरेंट्स की बड़ी अपेक्षाएं, अपने को औरों की तुलना में कमतर आंकना, आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, मित्रों-अभिभावकों से अपनी समस्या शेयर ना करना और टीनएज मानसिकता जैसे कुछ कारण इस समस्या के लिए उत्तरदायी होते हैं। इसके लिए पैरेंट्स भी अपने बच्चों से बातचीत करके उनकी मदद कर सकते हैं।

समस्या का खोजें समाधान: जब समस्या का पता चल जाए तो समाधान खोजना मुश्किल नहीं होगा। अगर आपकी चिंता और तनाव का कारण माता-पिता की लंबी-चौड़ी उम्मीदें हैं तो उनसे बात करें। बेझिझक अपनी स्थिति से उन्हें अवगत कराएं। वे सहानुभूति के साथ आपको जरूर समझेंगे और समाधान तलाशने का रास्ता भी दिखाएंगे। बच्चों के जीवन में पैरेंट से महत्वपूर्ण भूमिका किसी और की नहीं होती है। किसी भी दशा में समस्या को अपने अंदर पालकर घुटन का कारण ना बनने दें।

तुलना करने से बचें: कभी-कभी बच्चे अपने उन क्लासमेट्स से अपनी पढ़ाई-लिखाई की तुलना करने लगते हैं, जो विद्यालय में अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं। यह तुलना ठीक नहीं है। हर बच्चे की अपनी क्षमता और लर्निंग स्टाइल होती है। इसलिए दूसरे से अपनी तुलना करके अनावश्यक तनाव को नहीं बढ़ाना चाहिए।

आत्मविश्वास बनाए रखें : किसी भी परीक्षा में अच्छे अंक लाने और परीक्षा पास कराने का सबसे सफल सूत्र है कि आत्मविश्वास बनाए रखें। पढ़ाई के समय मन को तनाव, बेचैनी और दुश्चिंता से बचाएं। एकाग्र होकर पढ़ें। फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ के साथ हिंदी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान सब्जेक्ट्स भी पढ़ते रहें, उन्हें इग्नोर ना करें। अच्छा स्कोर लाने में सभी सब्जेक्ट्स के नंबर्स जुड़ते हैं।

इनका भी रखें ध्यान: एग्जाम के डर से हमेशा पढ़ते रहना अच्छी बात नहीं है। परीक्षा की तैयारी के दिनों में भी पर्याप्त नींद लेना जरूरी होता है। तली-भुनी चीजों और फास्ट फूड से परहेज रखें, इससे आलस महसूस होती है। एक बार में ज्यादा ना खाएं, इससे भी नींद और आलस्य बढ़ता है। लेकिन भूखे रहकर भी ना पढ़ते रहें। थोड़ा-थोड़ा तीन-चार बार में खाएं। कुछ समय खेलकूद और मनोरंजन के लिए भी निकालना अच्छा रहता है। जब पढ़ाई से थकान आ जाए तो कुछ देर घूम-टहल लें। यहां बताई गई बातों के अलावा परीक्षा के परिणाम के बारे में अभी से सोचना शुरू ना कर दें। इससे अनावश्यक तनाव होगा। फिलहाल केवल तैयारी पर ही फोकस करें। *

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

नेम प्लेट

सोमदत्त जी ने अपने दोनों बेटों में अपनी संपत्ति का बंटवारा बराबर-बराबर कर दिया था। दोनों बेटे और बहुएं बहुत खुश थे।

एक दिन सोमदत्त जी सुबह की सैर करके घर लौटे तो बड़े हैरान रह गए। उन्होंने घर में प्रवेश करते ही बड़े बेटे से पूछा, 'अरे बड़के, तुमने घर की नेम प्लेट कब बदल दी और क्यों बदली?' 'वो क्या है बाबू जी... जब यह घर आपने हमारे नाम कर दिया है तो नेम प्लेट इन्होंने खुद के नाम की लगवा ली...।' बड़का कुछ जवाब देता उससे पहले ही बहू बोल पड़ी।

'क्या मेरी नेम प्लेट लगी रहने से तुम्हारा घर नहीं रहता यह?' सोमदत्त जी ने दुखी स्वर में पूछा। 'बाबूजी... कोई दूसरे का नाम थोड़ी लिखा है नेम प्लेट पर, है तो आपके बेटे का ही नाम...।' बहू ने पलट कर जवाब दिया। 'तो इससे पहले भी तो किसी दूसरे का नाम थोड़ी लिखा था नेम प्लेट पर...। लिखा था तो पापा के पिताजी जी का ही ना...।' सोमदत्त जी के इकलौते पोते ने तपाक से अपनी मम्मी से कहा।

यह सुन सोमदत्त जी ने पोते को सीने से लगा लिया। उनकी आंखों में आंसू आ गए। *

{ व्यंग्य / केदार शर्मा 'निरीह' }

जमाना बहुत बदल चुका है, अब अधिकांश लड़कियां जॉब में हैं, वे अपने पति का चयन बहुत जांच-पड़ताल के बाद कर रही हैं। मिस मलिका की जैसे ही सरकारी नौकरी लगी, उन्होंने अपना पति चुनने के लिए साक्षात्कार लेना शुरू किया, साक्षात्कार में जो प्रश्न पूछे, आप जरूर जानिए।

पति चुनने के लिए एक साक्षात्कार

भारतीय संस्कृति में स्त्री के जीवन में पति का स्थान अधिक संवेदनशील और उसके भाग्य का निर्णायक माना जाता है। अगर वह जो का जंजाल मिल गया तो फिर ऊपर वाला ही मालिक है। अगर वह बेरोजगार है तो पत्नी की जिंदगी एक आफत सी हो जाती है। केवल पत्नी नौकरी में हो तो उस बेचारी की और आफत हो जाती है। पहले जॉब में दिन भर खटो, फिर घर आकर घरेलू कामों में जुटो। अगर वह नौकरी वाले से विवाह करती है तो भी दो पाटन (घर और ऑफिस) के बीच में पति-पत्नी संग बच्चे भी पिसते हैं। इसीलिए मिस मलिका की ज्यों ही सरकारी नौकरी लगी, उसने उसी समय तय कर लिया कि जब पति इतना महत्वपूर्ण जीव होता है तो वह ऐसे जीव का चयन साक्षात्कार के माध्यम से ठोक-बजाकर ही करेगी। वह दो पाटों के बीच नहीं फंसेगी। अगर वह कमाएगी तो उस पति नामक जीव को घर संभालना ही होगा। साक्षात्कार में कई बेरोजगार युवकों ने भाग लिया। यह एक तरह से स्वयंवर का ही आधुनिक वर्जन था। जिस बंदे का पति के रूप में मिस मलिका ने चयन किया, उसका साक्षात्कार इच्छुक बेरोजगारों के लिए जनहित में प्रस्तुत किया जा रहा है।

मिस मलिका : मि. चरणदास आप हाउस हसबैंड ही क्यों बनना चाहते हैं?

चरणदास : जी, पहले तो केवल हसबैंड ही बनने का सपना था, पर इस कमबख्त बेरोजगारी ने ऐसा बैंड बजाया कि शादी के बैंड के बजने की नौबत ही नहीं आ रही है। कई परीक्षाओं की तैयारी के बाद भी सफलता नहीं मिली और जब अब स्वयंवर की तर्ज पर साक्षात्कार के माध्यम से पति चुने जाने लगे हैं तो अब आशा बंधती है कि हो सकता है ईश्वर ने मुझे इस काम के लिए ही पैदा किया हो?

मिस मलिका : आपको कोई हीन भावना तो अनुभव नहीं होगी, कुछ लोग आपको 'जोरू का गुलाम' जैसे तमगों से सम्मानित भी कर सकते हैं।

चरणदास: जब मैं बेरोजगार हूं तब भी लोग निखट्टू, रोडपति, निकम्मा जैसी पदवियों से नवाजते रहते हैं। हाउस हसबैंड कोई बुरा काम नहीं है। एक तो लाइफ टाइम है, दूसरी बात कमाने का झंझट खत्म। जीने के लिए कोई न कोई काम तो करना ही था। जब महिलाएं हाउस वाइफ के साथ-साथ परंपरागत रूप से पुरुषों के माने-जाने काम भी कर रही हैं तो पुरुष हाउस हसबैंड का काम क्यों नहीं कर सकता है?

मिस मलिका : इस पद के जॉब चार्ट के मुताबिक खाना बनाने और स्पेशल डाइट के लिए तरह-तरह के व्यंजन बनाने में निपुण होना अनिवार्य है। क्या आप यह सब कर लेंगे?

चरणदास : जी, एक बार पिताजी ने डांट पिलाई थी तो नाराज होकर शहर चला गया था, जहां एक होटल के मेस में ही काम सीख-सीख कर शेफ तक का काम कर चुका हूं। ये लीजिए अनुभव प्रमाण-पत्र। (सौंपता है और मिस मलिका अवलोकन करती हैं)

मिस मलिका : फर्श पर पोंछा लगाना, जाले साफ करना, घर में पूरी तरह साफ-सफाई रखना दूसरा महत्वपूर्ण काम है। इस बारे में आपका क्या अनुभव है?

चरणदास : जी, कभी किया तो नहीं पर पोंछा लगाती हुई, सफाई करती हुई महिलाओं के काम का अवलोकन बचपन से करते आए हैं, सोचा भी न था कि उस सूक्ष्म निरीक्षण का यह अनुभव भी कभी जीवन में काम आ सकता है।

मिस मलिका : वाशिंग मशीन चलाना और कपड़ों पर प्रेस करने का काम भी आता है या नहीं?

चरणदास: जी, मैं शीघ्र ही सीख लूंगा, बस यही काम सीखने से रह गया था। यह लीजिए, भविष्य में सीख लेने का अग्रिम शपथपत्र। (सौंपता है)

मिस मलिका : यदि आपका हाउस हसबैंड के लिए चयन हो जाता है तो आपकी कोई विशेष अपेक्षा?

चरणदास : जी, यदि कोई काम गलती से गलत हो जाए तो प्यार से समझा दीजिएगा, बस।

मिस मलिका : (मुस्कराकर) अरे! इतना भी डरने की जरूरत नहीं है। वैसे डरने वाला पति ही मेरी पहली पसंद है, लेकिन याद रखना सबके सामने डर जाहिर नहीं होना चाहिए। दिखने में हसबैंड जैसे नहीं लगे तो तीन नोटिस देकर बर्खास्त करने का अधिकार भी मेरे पास सुरक्षित रहेगा। वैसे आप स्मार्ट तो लगते हैं वो बात अलग है, पर ज्यादा स्मार्ट बनने की कोशिश मत करिएगा। आखिरकार आप एक हसबैंड बनने जा रहे हैं, हसबैंड प्लस हाउस हसबैंड! *

आंखों के इशारे पर चलने वाली व्हील चेयर आंख बंद करते ही रुक जाएगी; भोपाल के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने इसे बनाया

'मैं अक्सर देखता था कि सेना के जवान युद्ध, आतंकी हमले या प्रैक्टिस के दौरान घायल होने पर चलने-फिरने में भी मोहताज हो जाते थे। मैं इनके लिए कुछ करना चाहता था। जब मैंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (IISER) में एडमिशन लिया तो मुझे उनके लिए ऐसी व्हील चेयर बनाने का ख्याल आया जो आंखों के इशारे पर चले।' IISER भोपाल के इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग के फोर्थ ईयर के स्टूडेंट मेहर ने अपने दोस्त अभिषेक दास के साथ मिलकर ऐसी व्हील चेयर बना भी दी है। पिछले दो साल से दोनों इस स्मार्ट व्हील चेयर पर रिसर्च कर रहे हैं। उनके इस प्रोजेक्ट का नाम है आई-गेज कंट्रोल व्हील चेयर। पढ़िए कैसी है ये व्हील चेयर जो आंखों के इशारे पर काम करती है। अभिषेक दास का कहना है कि व्हील चेयर एक साल बाद मार्केट में उपलब्ध हो जाएगी।

दिमागी तरंगों से चलने वाली व्हील चेयर का था आइडिया

मेहर बताते हैं, पहले हम ऐसी व्हील चेयर तैयार करना चाहते थे, जिसमें व्यक्ति के सिर्फ सोचने पर व्हील चेयर कंट्रोल हो सके। इस प्रोजेक्ट पर काम भी शुरू कर दिया था, लेकिन सेंसर दिमाग की कई तरह की तरंगों का पकड़ रहा था। इससे AI सॉफ्टवेयर को वह सटीक जानकारी नहीं पहुंच पा रही थी, जो इसे कमांड देने के लिए जरूरी थी। दरअसल, दिमागी तरंगों को पकड़ने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक चिप को सिर के ऊपरी हिस्से में बाहर से लगाया गया था, लेकिन बाहरी तरंगों की वजह से सटीक जानकारी नहीं मिली। तीन महीने की रिसर्च के बाद हमने इस आइडिया को ड्रॉप कर दिया।

आंखों की पुतली के इशारे से काम करेगी व्हील चेयर

अभिषेक और मेहर की रिसर्च को गाइड कर रहे असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुरैश रैना बताते हैं, पैरों से दिव्यांग लोग सामान्य व्हील चेयर पर हाथों से धक्का देकर आगे बढ़ाते हैं, इससे उनके कंधे की मांसपेशियों पर जोर पड़ता है। पैरालिसिस के शिकार लोग तो ऐसा भी नहीं कर सकते। उन्हें घर में भी दूसरों पर ही निर्भर रहना पड़ता है, इस कारण उनके साथ परिवार के सदस्य भी परेशान होते हैं।

हमने तय किया कि ऐसा मॉडल तैयार किया जाए, जिसमें आंखों की पुतली के इशारे से व्हील चेयर को कहीं भी चलाकर ले जाया जा सके। डॉ. रैना बताते हैं, इस प्रोजेक्ट पर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों स्तर पर काम शुरू किया। ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार किया जो आंखों की पुतली के इशारे की कमांड पर चलना, रुकना, दाएं-बाएं होना, 360 डिग्री घूमना, पीछे जाना जैसे काम कर सके।

व्हील चेयर सामने आने वाली बाधाओं का भी पता कर सकती है

डॉ. रैना बताते हैं कि इस व्हील चेयर में सेंसर के जरिए एक ऐसा सिस्टम भी डेवलप किया है जो बाधाओं को भी डिटेक्ट कर लेता है। मसलन, सामने सीढ़ियां, गड्ढा, व्यक्ति या घर का अन्य कोई सामान आ जाता है, तो ये सिस्टम खुद-ब-खुद व्हील चेयर को सुरक्षित दूरी पर रोक देता है। इससे दिव्यांग व्यक्ति किसी हादसे का शिकार नहीं होता। डॉ. रैना बताते हैं कि व्हील चेयर को ढलान पर रोकना भी एक बड़ा चैलेंज है, हमने इस समस्या का भी समाधान तलाश लिया है। इसमें व्हील चेयर की गति तेज नहीं होगी और कोई हादसा नहीं होगा।

वॉयस कंट्रोल-मोबाइल एप से भी कर सकेंगे कंट्रोल

डॉ. रैना बताते हैं, इसे वॉयस कमांड कंट्रोल भी होगा। हालांकि, इस तकनीक पर कई आंत्रप्रेन्योर काम चुके हैं, इसे तैयार करना अपेक्षाकृत आसान होता है। इस फीचर की मदद से बोल कर भी दिव्यांग इसे चला सकते हैं।

व्हील चेयर को मोबाइल एप के माध्यम से भी कंट्रोल किया जा सकेगा। यानी परिवार का सदस्य दूर रहकर भी ऐप के जरिए अपने परिजन की मदद कर सकता है। इससे रियल टाइम डेटा भी देखा जा सकता है।

एक बार चार्ज करने पर 15 किलोमीटर चलेगी

अभिषेक बताते हैं, इस व्हील चेयर में हमने 250 वॉट की मोटर इस्तेमाल की है। इससे दिव्यांग के वजन और जरूरत के अनुसार 500 वॉट तक किया जा सकता है। एक बार चार्ज करने पर इसे 15 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। ऐसे में यह काफी सस्ती होगी। व्हील चेयर पर बैठने वाले व्यक्ति को एक टोपी पहनाना होगी, जिसके जरिए वह व्हील चेयर को कमांड दे सकेगा। आगे चलकर हम इसे चश्मे में भी लेकर आएंगे।

जॉय स्टिक वाली व्हील चेयर महंगी

अभिषेक बताते हैं, अभी मार्केट में जॉय स्टिक वाली एडवांस व्हील चेयर आती हैं, ये 45 हजार से 3 लाख रुपए तक कीमत की हैं। ज्यादा फीचर वाली व्हील चेयर की कीमत 5 लाख रुपए तक है। इतनी महंगी व्हील चेयर खरीदना आम व्यक्ति के बजट के बाहर होता है, ऐसे में वे सामान्य पहियों वाली व्हील चेयर इस्तेमाल करने को मजबूर हैं। हमारा उद्देश्य ऐसी स्मार्ट व्हील चेयर तैयार करना था जो दिव्यांगों की जिंदगी को आसान करें।

2011 की जनगणना के मुताबिक 50 लाख लोग चल-फिर नहीं सकते

2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 121 करोड़ की आबादी में से 2.68 करोड़ व्यक्ति दिव्यांग हैं, ये कुल जनसंख्या का 2.21% है। इसमें 20 प्रतिशत यानी करीब 50 लाख से ज्यादा लोग चलने-फिरने में अक्षम हैं। दिव्यांगों में करीब 70 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती हैं, यानी एक बड़े तबके के लोगों को इससे फायदा मिलेगा।

लंबी उम्र के लिए खुद का मूत्र पीते थे:मोरारजी देसाई ने PM बनते ही इंदिरा का टाइम कैप्सूल क्यों खुदवा दिया

मैं भारत का पीएम

15 अगस्त 1973 की सुबह। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी लाल किले के सामने पहुंचीं। उनके पास क्रेन के जरिए एक टाइम कैप्सूल लाया गया और एक 32 फीट गहरे गड्ढे में दबा दिया गया। इंदिरा का कहना था कि इसमें आजादी के बाद देश की 25 साल की उपलब्धियां लिखी हैं। वहीं, विरोधियों ने कहा इसमें सिर्फ नेहरू-इंदिरा परिवार का महिमामंडन है।

लालकिले के सामने टाइम कैप्सूल दफन करने की सेरेमनी में मौजूद इंदिरा गांधी और अन्य कांग्रेसी नेता। हजारों सालों के लिए दफनाया गया ये टाइम कैप्सूल महज 4 साल बाद ही खोदकर बाहर निकलवा लिया गया। इसे बाहर निकालने का आदेश दिया था भारत के चौथे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने।

मैं भारत का पीएम सीरीज के चौथे एपिसोड में मोरारजी देसाई के किस्से। दो बार मात खाने के बाद आखिरकार वो प्रधानमंत्री की कुर्सी तक कैसे पहुंचे...

आपातकाल के बाद इंदिरा की हार, PM के लिए एक अनार सौ बीमार

करीब 2 साल के आपातकाल के बाद PM इंदिरा गांधी ने 1977 में आम चुनाव कराए। इंदिरा को सत्ता से हटाने के लिए जल्दबाजी में एक हुए विपक्षी नेताओं वाले जनता पार्टी गठबंधन को कुल 345 सीटें मिली थीं। देश में पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार बनने जा रही थी। उस समय रिपोर्टिंग करने वाले वरिष्ठ पत्रकार अखिल राज बताते हैं कि ये एक सामूहिक जीत थी। हर पार्टी का नेता प्रधानमंत्री बनना चाहता था। हालात एक अनार सौ बीमार जैसी हो गई थी। PM पद के लिए मुख्य रूप से मोरारजी देसाई, बाबू जगजीवन राम, चौधरी चरण सिंह और चन्द्रशेखर ने दावा किया था।

मोरारजी देसाई तीसरी बार PM बनने का ख्वाब देख रहे थे। उन्होंने नेहरू और शास्त्री के निधन के बाद भी दावा किया था, लेकिन हर बार कांग्रेस सिंडिकेट के हाथों उनकी हार हुई थी। जनता पार्टी में भले ही सिंडिकेट नहीं था, लेकिन वहां से टूटकर आए नेता जरूर थे।

जगजीवन का दावा मेरे इस्तीफे से कांग्रेस हारी, इसलिए मैं PM बनूंगा

तत्कालीन भारतीय जनसंघ गुट को जनता गठबंधन में 345 में से 102 सांसद मिले थे, लेकिन उसने प्रधानमंत्री पद के लिए दावा नहीं किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वेट एंड वॉच की रणनीति अपनाई थी। 'कांग्रेस फॉर डेमोक्रेसी' ने केवल 28 सीटें जीती थीं। जगजीवन राम को भारतीय जनसंघ के 102 सांसदों के साथ सोशलिस्ट ब्लॉक के 35 सांसदों का समर्थन था। जगजीवन राम का कहना था कि उन्हें पूरे देश में हरिजनों और दलितों का समर्थन प्राप्त है। जब उन्होंने इंदिरा सरकार से इस्तीफा देकर कांग्रेस छोड़ी तो कांग्रेस हारी है। यही कारण है कि उन्हें मौका दिया जाना चाहिए। जगजीवन राम ने अटल बिहारी वाजपेयी से वादा किया कि यदि वो उन्हें समर्थन देंगे तो जगजीवन राम, वाजपेयी को उपप्रधानमंत्री बना देंगे। सभी नेता PM बनने के लिए अपना-अपना जुगाड़ लगा रहे थे। चौधरी चरण सिंह ने आचार्य जेबी कृपलानी को बुलाया। उस समय जयप्रकाश नारायण व जेबी कृपलानी मार्गदर्शक और निर्णायक की भूमिका में थे। सरकार और PM बनाने का सारा काम चार गांधीवादी सर्वोदयी नेता केएस राधाकृष्ण, नारायणभाई देसाई, सिद्धराज ढड्ढा और गोविंद राव देशपांडे कर रहे थे।

जीत के बाद जनता पार्टी के नेता। यहां हर कोई प्रधानमंत्री बनना चाहता था। चरण सिंह ने कहा कि जनता गठबंधन की राजनीति पूरी तरह से उनके दिमाग की उपज है। उत्तर भारत में जनता पार्टी को क्लीन स्वीप उनकी वजह से मिला है। इसीलिए उन्हें PM होना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषक लेखक रवि विश्वेश्वरैया शारदा प्रसाद बताते हैं, 'मेरे मामा केएस राधाकृष्ण गांधी शांति प्रतिष्ठान के प्रमुख थे। वे दशकों तक जय प्रकाश नारायण के सबसे करीबी सलाहकार थे। उन्होंने अपने सर्वोदय साथियों नारायणभाई देसाई, सिद्धराज ढड्ढा और गोविंद राव देशपांडे के साथ मिलकर सोचा कि जगजीवन राम या चरण सिंह में से कोई भी प्रधान मंत्री के रूप में देश के लिए विनाशकारी हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि चरण सिंह और जगजीवन राम एक-दूसरे से नफरत करते थे। यदि दोनों में से किस एक को PM बनाया जाता तो दूसरा उसे सत्ता से हटाने के लिए खूब षडयंत्र रचता रहेगा। यही कारण था कि आचार्य जेबी कृपलानी और जेपी ने इनके नाम पर सोचना बंद कर दिया था। इस कारण जेपी और सर्वोदय टीम ने मोरारजी देसाई के नाम पर विचार करना शुरू किया।

मोरारजी के साथ भी कुछ दिक्कतें थीं, लेकिन उन्हें दरकिनार किया गया

मोरारजी और जेपी के बीच दशकों से व्यक्तित्व को लेकर टकराव चल रहा था। मोरारजी जेपी से छह साल बड़े थे। मोरारजी का जन्म 1896 में और जेपी का 1902 में हुआ था। चरण सिंह का जन्म भी 1902 में और जगजीवन राम का 1908 में हुआ था। मोरारजी खुद को जवाहरलाल नेहरू का असली उत्तराधिकारी मानते थे। हालांकि, फरवरी 1974 के बाद से मोरारजी और जेपी ने इंदिरा गांधी को हराने के लिए कड़वाहट को किनारे रख दिया था। राजनीतिक विश्लेषक और लेखक रवि विश्वेश्वरैया शारदा प्रसाद बताते हैं कि सर्वोदय गांधीवादी चौकड़ी ने ये भी तय किया कि नानाजी देशमुख को उपप्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। यह नानाजी ही थे जिन्होंने समाजवादियों, कांग्रेस ओ, बीएलडी लोक दल, जनसंघ और कई आजाद गुटों को जनता गठबंधन बनाने के लिए एकजुट किया था। नानाजी बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, से स्नातक होने के साथ-साथ उनका आधुनिक तकनीकी दृष्टिकोण भी था। वे ये सोचते थे कि मिलनसार और एकजुट करने वाले नानाजी घमंडी, अहंकारी, कठोर मोरारजी की कमियों को दूर करने में सहायक होंगे।

जगजीवन राम और मोरारजी में हुई आखिरी टक्कर जगजीवन को भरोसा था कि उन्हें 345 में से कम से कम 165 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। जगजीवन राम ने कहा कि PM पद के लिए खुला चुनाव होना चाहिए। जिसके पास ज्यादा सांसद होंगे वो PM बन जाएगा। सर्वोदय गांधीवादियों की टीम ने जगजीवन राम को समझाया कि यदि PM पद के लिए आंतरिक चुनाव हुआ तो जनता पार्टी गठबंधन में दरार आ जाएगी और ये टूट जाएगा। रवि विश्वेश्वरैया शारदा प्रसाद बताते हैं, 'समय समाप्त हो रहा था, क्योंकि 24 मार्च 1977 तक नई सरकार का गठन होना था। 23 मार्च की शाम को मेरे मामा केएस राधाकृष्ण ने मीडिया को बताया कि कोई आंतरिक चुनाव नहीं होगा। आचार्य जेबी कृपलानी और जेपी नए PM और कैबिनेट का ऐलान करेंगे।' सर्वोदय गांधीवादियों की टीम ने मोरारजी देसाई के पक्ष में सर्वसम्मति सुनिश्चित करने के लिए पूरी रात काम किया। शांति भूषण जो इंदिरा गांधी के खिलाफ अपनी चुनाव याचिका में राज नारायण के वकील थे; कांग्रेस ओ के कोषाध्यक्ष भी थे, उन्होंने भी जगजीवन राम का कड़ा विरोध किया। चौधरी चरण सिंह ने बयान दिया कि यदि जगजीवन राम को प्रधानमंत्री बनाया, तो वह तुरंत जनता गठबंधन छोड़ देंगे।

शहजादा और प्रतीक्षा को रातोंरात रिप्लेस करने वाले आखिर वो 2 चेहरे हैं कौन? अब बदलेगी किस्मत!

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में दो लोगों को निकाला गया तो दो लोगों की रातोंरात किस्मत चमक गई। गर्विता साधवानी और रोहित पुरोहित को राजन शाही ने मौका दिया और शहजादा और प्रतीक्षा की जगह पर कास्ट किया। 19 मार्च से दोनों शूटिंग शुरू कर देंगे, जिसकी पहली झलक एक्टर ने इंस्टाग्राम पर शेयर भी की है। आइए जानते हैं कि आखिर ये हैं कौन।

ये रिश्ता क्या कहलाता है के नए अरमान और रूही टीवी टीआरपी लिस्ट में पिछले 15 सालों से अपनी जगह टॉप 5 में कायम करने वाला शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सुर्खियों में हैं क्योंकि इसके प्रोड्यूसर राजन शाही ने पहली बार किसी को बाहर निकाला है। अरमान का किरदार निभा रहे शहजादा धामी और रूही का कैरेक्टर प्ले कर रहीं प्रतिक्षा होनमुखे के खराब बर्ताव के कारण उन्हें टर्मिनेट कर दिया गया। हालांकि नए लोगों को कास्ट भी कर लिया गया है। कौन हैं वो आइए बताते हैं। **ये निभाएंगी रूही का किरदार** शहजादा और प्रतिक्षा के नखरे दिनों-दिन बढ़ रहे थे। शो के शुरुआत से ही दोनों का प्रोडक्शन के साथ मनमुटाव चल रहा था और ये बात को-एक्टर्स ने ही मीडिया को बताई है। ऐसे में राजन शाही ने अरमान के लिए रोहित पुरोहित और रूही के लिए गर्विता साधवानी को कास्ट किया है। **दो शोज के बाद लगा जैकपॉट**! गर्विता साधवानी ने 'बातें कुछ अनकही' में मृणाल सूद के रोल में दिखाई दी थीं। और 'मैं हूं अपराजिता' में वह निया के रोल में नजर आई थीं। हालांकि दोनों ही शोज ने टीआरपी लिस्ट में अपनी कोई खास जगह नहीं बना पाए थे। इन्होंने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद इन्होंने कई नामी ब्रांड्स के लिए मॉडल के तौर पर काम किया था। ये कई म्यूजिक वीडियोज में भी फीचर हो चुकी हैं। बताया ये भी जाता है कि इन्होंने कुछ कंपनीज में नौकरी भी की है। **भयंकर पढ़ी लिखी हैं गर्विता साधवानी**

गर्विता साथ ने चंडीगढ़ से कॉलेज किया है। बिजनेसमें एमिटी यूनिवर्सिटी से डिप्लोमा और डीएवी कॉलेज से बीकॉम की डिग्री हासिल की है। इसके अलावा इन्होंने एमिटी से एमबीए भी किया हुआ है।

शहजादा धामी को रोहित पुरोहित ने किया रिप्लेस टीवी एक्टर रोहित पुरोहित अब अरमान बनकर पर्दे पर नजर आएंगे। ये राजस्थान के जयपुर के रहने वाले हैं। इन्होंने एक्ट्रेस शीना बजाज से 2019 में शादी की थी। **2009 से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं रोहित** रोहित पुरोहित ने 'शौर्य और सुहानी' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद इन्होंने 'ऐसे ना करो विदा', 'संस्कार लक्ष्मी', 'अर्जुन' जैसे तमाम शोज किए हैं।

'उडारियां' में भी आ चुके हैं नजर रोहित पुरोहित ने ईशा मालवीय और समर्थ जुरैल के साथ सालभर 'उडारियां' में भी अद्वैत कपूर का रोल निभाया था। अब यह 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में दिखाई देंगे।

नए रूही और अरमान क्या दर्शकों को पसंद आएंगे? अब ये दोनों ही कलाकार रूही और अरमान बनकर दर्शकों के दिलों में कितनी जल्दी अपनी जगह बना पाएंगे, ये तो आने वाले वक्त में साफ हो जाएगा और इनके आने से टीआरपी पर कितना असर पड़ेगा। वह भी मालूम चल जाएगा।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल के सेट से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर शहजादा धामी और एक्ट्रेस प्रतीक्षा हॉनमुखे को शो से अचानक बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल के सेट से एक शॉकिंग खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि एक्टर शहजादा धामी और एक्ट्रेस प्रतीक्षा होनमुखे को अचानक ही शो से बाहर निकाल दिया गया है। इसके पीछे क्या वजह है, आइये आपको बताते हैं, लेकिन इससे पहले जान लीजिए कि सीरियल में 15 साल का लीप आया था, जिसके बाद नई स्टार कास्ट आई थी। शहजादा, अरमान पोद्दार का किरदार निभा रहे थे और रूही के रोल में प्रतीक्षा थीं।

भारत आज 26 जनवरी को अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह भारत के गणतंत्र की सफल यात्रा है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त हो रहा है। गुलामी के प्रतीकों से बाहर आ रहा है। भारतीय दंड संहिता में बदलाव इसी दिशा में कदम है। राष्ट्र अमृतकाल में है और वर्ष 2047 तक विकसित बनने के प्रति कृतसंकल्पित है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने संबंधी सरकार की पहल दूरदर्शिता का एक प्रयास है। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने अब तक 76 वर्ष में भारत ने कृषि, उद्योग, इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, अंतरिक्ष, डिजिटल, सेवा आदि समेत सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हालांकि गरीबी उन्मूलन, आर्थिक असमानता, जातिवाद व महिला सशक्तिकरण समेत अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इस बार इंडोनेशिया के राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि हैं, पहले गणतंत्र दिवस पर भी इंडोनेशिया के तत्कालीन राष्ट्रपति मुख्य अतिथि थे। भारत गणतंत्र दिवस पर किसी एक विदेशी राष्ट्र प्रमुख को मुख्य अतिथि बनाता रहा है। इस दिन राजधानी दिल्ली में भारत अपने सामरिक सामर्थ्य का प्रदर्शन भी करता है। गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालता आजकल का यह अंक...

प्रगति पथ पर हमारा गणतंत्र

गणतंत्र दिवस
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। देश की आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया।

आज भारत राष्ट्र अपना 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को भारत राष्ट्र ने संसार को एक नए गणराज्य के गठन की सूचना दी। अपने संविधान को अमल में लाया। उस संविधान की भावना के अनुरूप ही भारत एक प्रभुता संपन्न गणतंत्रात्मक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी राज्य बना। देश में संविधान का शासन है और संसद सर्वोच्च है। आजादी के उपरांत हमारा उद्देश्य एक शक्तिशाली, स्वतंत्र और जनतांत्रिक भारत का निर्माण करना था। ऐसा भारत जिसमें सभी नागरिकों को विकास और सेवा का समान अवसर मिले। ऐसा भारत जिसमें जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, आतंकवाद, नक्सलवाद, छुआछूत, हठधर्मिता और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण के लिए स्थान न हो। इसीलिए हमारे संविधानविदों ने संविधान गढ़ते वक्त दुनिया के बेहतरीन संविधानों से अच्छे प्रावधानों को ग्रहण किया। मसलन ब्रिटेन से संसदीय प्रणाली ग्रहण की। यूएस के संविधान से मौलिक अधिकार, सर्वोच्च न्यायालय, कनाडा के संविधान से राज्यों का संघ होना, आयरलैंड के संविधान से राज्य-नीति के निर्देशक सिद्धांत, आस्ट्रेलिया के संविधान से समवर्ती सूची, जर्मनी के संविधान से राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्तिं स्रोत तथा दक्षिण अफ्रीका के संविधान से संवैधानिक संशोधन की प्रक्रिया जैसी महत्वपूर्ण बातें ग्रहण की। गौर करें तो भारतीय संविधान की यह सभी विशेषताएं भारतीय संविधान को उदारवादी और विकासवादी बनाती हैं।

सभी नागरिकों को समान अधिकार

भारतीय संविधान भारत में सभी नागरिकों को ढेरों अधिकार देता है जिससे उन्हें अपने व्यक्तित्व को संवारने की आजादी मिली हुई है। भारतीय संविधान में जाति, धर्म, रंग, लिंग, कुल, गरीब व अमीर आदि के आधार सभी समान है। जनमत पर आधारित भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। संविधान ने राज्य के लोगों की स्वतंत्रता व उनके अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप करने का अधिकार केंद्र या राज्य सरकारों को नहीं दिया है।

संविधान के तहत राजनीतिक दल सभाओं, भाषणों, समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा अन्य संचार माध्यमों से जनता को अपनी नीतियों और सिद्धांतों से अवगत कराते हैं। विरोधी दल संसद में मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, काम रोको प्रस्ताव रखकर तथा वाद-विवाद द्वारा सरकार के भूलों को प्रकाश में लाते हैं। सरकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए उसकी नीतियों और कार्यों की आलोचना करते हैं। भारतीय संविधान के मुताबिक संघीय शासन की स्थापना के बावजूद भी प्रत्येक नागरिक को इकहरी या एकल नागरिकता प्राप्त है और इससे राष्ट्र की भावनात्मक एकता की पुष्टि होती है। भारत का प्रत्येक नागरिक चाहे वह देश के किसी भी भाग में रहे भारत का ही नागरिक है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका की तरह राज्यों की कोई पृथक नागरिकता नहीं है।

नागरिकों को सूचना प्राप्ति का अधिकार

धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी इच्छानुसार शिक्षण संस्थाएं स्थापित करने तथा धन का प्रबंध करने का अधिकार है। संविधान में सुनिश्चित किया है कि शिक्षण-संस्थाओं को सहायता देते समय राज्य किसी शिक्षण संस्था के साथ इस आधार पर भेदभाव नहीं करता है कि वह संस्था धर्म या भाषा पर आधारित किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबंध में है। इसी तरह भारतीय नागरिकों को सूचना प्राप्त करने का अधिकार हासिल है। इस व्यवस्था ने भारतीय नागरिकों को शासन-प्रशासन से सीधे सवाल-जवाब करने की नई लोकतांत्रिक धारणा को जन्म दी है। इस व्यवस्था से सरकारी कामकाज में सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ा है जिससे आर्थिक विकास को तीव्र करने, लोकतंत्र की गुणवत्ता बढ़ाने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। सूचना के अधिकार से सत्ता की निरंकुशता पर भी अंकुश लगा है। भारत का तीव्र गति से विकास हो रहा है और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता भी बनी हुई है। आज भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है। आज भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश बन चुका है।

देश हर क्षेत्र में कर रहा प्रगति

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर्स के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इनोवशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग लगातार सुधर रही है। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए लेन-देन बढ़ा है। एसबीआई के इकॉनोमिक रिसर्च डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई लेन-देन की मात्रा वित्त वर्ष 2024 में 247 लाख करोड़ के पार पहुंच गयी है। विनिर्माण क्षेत्र में ग्रोथ से भारत के निर्यात में भी लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। बीते दस वर्षों में 120 अरब डॉलर से ज्यादा की नई कंपनियां अस्तित्व में आई हैं। आज इनका मूल्य 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। गत वर्ष पहले नीति आयोग के डिस्कशन पेपर 'मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इन इंडिया सिंस की रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि 2013-14 से 2022-23 के बीच 24.82 करोड़ लोग मल्टीडाइमेंशनल गरीबी से बाहर निकले हैं। केंद्र सरकार भूख की गरीबी को खत्म करने के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना संचालित कर रही है जिसके जरिए देश के 81.44 करोड़ लोगों को पांच किलोग्राम खाद्यान्न दिया जा रहा है। उज्जवला योजना के अंतर्गत दस करोड़ लोगों को लाभ पहुंचा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक लोगों को आवास दिया जा चुका है। साढ़े पांच करोड़ से अधिक लोग आयुष्मान कार्ड हासिल कर चुके हैं। जनधन खाताधारकों की संख्या 53.1 करोड़ के पार पहुंच चुकी है जिसमें 80 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इन खातों में 2.3 लाख करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है और 35 करोड़ रुपे कार्ड जारी किया गया है। भारतीय गणतंत्र ने अपने क्षेत्र में प्रगति की है, लेकिन अभी भी अनेक क्षेत्र में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। असमानता मिटाना बड़ा लक्ष्य है।

ब्रिगेडियर सावंत थे गणतंत्र दिवस परेड की आवाज

यादें
गीता शुक्ला
स्वतंत्र पत्रकार

आज गणतंत्र दिवस परेड को लाखों लोग राजधानी में कर्तव्यपथ से गुजरते हुए देखेंगे। इसी तरह से करोड़ों भारतीय परेड को अपने टीवी सेटों पर देखेंगे। पर इस बार टीवी पर परेड को देखने वालों को परेड का आंखों देखा हाल ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत से सुनने को नहीं मिलेगा। उन्होंने 1980 से लेकर 2023 तक गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया था। ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत जब रेडियो या टीवी पर गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाते हुए भारतीय सेना के तीन अंगों और अर्धसैनिक बलों की शौर्य गाथाओं को दर्शकों तक पहुंचाते थे, तो रोंगटे खड़े हो जाते थे। ब्रिगेडियर सावंत का पिछले साल निधन हो गया था। ब्रिगेडियर सावंत अपनी आवाज से दृश्यों को रचने में माहिर थे। वे जब सारे वातावरण को सुनने वालों के सामने पेश करते थे तब सुनने वालों को लगता था कि वह भी गणतंत्र दिवस को राजपथ या लाल किले से देख रहे हैं। उनकी कमेंट्री कभी नीरस या बोझिल नहीं होती थी। माफ कीजिए, ब्रिगेडियर सावंत उन कमेंटेटरों में से नहीं थे जो यही बताते हैं कि राजपथ पर अब सेना के किस रेजीमेंट की टुकड़ी आ रही है या इसकी कमान किसके पास है। वे इससे कहीं आगे जाया करते थे। उन्हें सुनने के बाद श्रोता उनसे हमेशा के लिए जुड़ते थे। प्रख्यात समाचार वाचक देवकीनंदन पांडे कहते थे कि श्रेष्ठ कमेंटेटर की भाषा ऐसी होनी चाहिए जो दर्शकों को आसानी से समझ में आए। उन्हें जटिल शब्दों और वाक्यों से बचना चाहिए। उन्हें शब्दों का सही उच्चारण करना चाहिए ताकि सुनने वालों को समझने में कोई दिक्कत न हो। इस लिहाज से ब्रिगेडियर सावंत बेजोड़ थे। वे एक ही तरह की भाषा का प्रयोग करने से बचते थे।

भाषा में लाते थे विविधता

वे आंखों देखा हाल सुनाते हुए अपनी भाषा में विविधता लाते थे और मुहावरों का प्रयोग करते थे। जब गणतंत्र दिवस परेड में सेना की टुकड़ियां कर्तव्यपथ (पहले राजपथ) पर आनी शुरू होती थीं तब कमेंट्री की कमान ब्रिगेडियर सावंत के पास हुआ करती थीं। उसके बाद वे अपनी धीर-गंभीर आवाज में सेना की टुकड़ियों की उपलब्धियों, इतिहास, नायकों वगैरह पर बोला करते थे। सेना और देश की समरनीति पर उनकी जानकारी का कोई सानी नहीं था। याद नहीं आता कि ब्रिगेडियर सावंत ने कमेंट्री सुनाते नुक्ते के प्रयोग से लेकर शब्दों के उच्चारण में कभी कोई चूक की हो। उन्हें पता था कि कमेंटेटर को परेड को एक कहानी की तरह प्रस्तुत करना चाहिए, जिससे दर्शकों को खेल में रुचि बनी रहे। उनकी कमेंटरी सुनकर उनका दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बन जाता था।

चीनी भाषा के भी रहे विद्वान

वे भारत के स्वाधीनता आंदोलन के गहरे जानकार भी थे। उन्होंने कई बार स्वाधीनता समारोह की भी कमेंट्री की। वे चीनी भाषा के भी विद्वान थे। भारतीय सेना ने उन्हें 1962 में चीन से युद्ध के बाद चीनी भाषा को सीखने के लिए अमेरिका भेजा था। उनकी आवाज का उतार-चढ़ाव सर्वोत्तम हुआ करता था। ब्रिगेडियर सावंत ने ख्वाबों में भी कभी नहीं सोचा था कि वे एक दिन-रेडियो कमेंट्री करेंगे। दरअसल सन 1934 में अयोध्या में जन्में ब्रिगेडियर सावंत इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटलेचर में एम.ए करने के बाद शिक्षक बन गए थे। दो साल तक पढ़ाया भी। पर उनका लक्ष्य तो सेना में नौकरी करने का था। सेना के अनुशासन और सैनिक की ड्रेस उन्हें बहुत प्रभावित करती थी। उन्हें शिक्षक रहते हुए इंडियन मिलिट्री एकाडमी (आईएमए) की परीक्षा को पास करने के बाद भारतीय सेना को ज्वाइन कर लिया। इस तरह उनका जीवन का जीवन का एक बड़ा सपना साकार हो गया। तीन साल के बाद वे 1962 में चीन के खिलाफ बहादुरी से लड़ रहे थे। उसके बाद वे 1965 और 1971 के युद्ध में भी रणभूमि में दुश्मन के दांत खट्टे कर रहे थे। ब्रिगेडियर सावंत सेना में रहते हुए अपनी यूनिट के कार्यक्रमों का इंग्लिश और हिंदी में संचालन करते थे। उनका दोनों भाषाओं पर नियंत्रण दर्शकों को प्रभावित भी करता था। पर उन्होंने कभी कमेंटेटर के रूप में ख्याति पाने के बारे में सोचा नहीं था।

फौजी भाइयों का कार्यक्रम

हालांकि 1971 में आकाशवाणी ने भारतीय सेना पर एक कार्यक्रम शुरू किया। उसका नाम था ' फौजी भाइयों का कार्यक्रम'। उस कार्यक्रम को पेश करने के लिए सेना ने उनका नाम आकाशवाणी में भेजा। वहां पर रहते हुए वे मंजे हुए ब्राडकास्टर बन गए। दूरदर्शन शुरू हुआ तो उन्हें वहां भी सेना के कार्यक्रमों को संचान के लिए बुलाया जाने लगा। ब्रिगेडियर सावंत ने 1980 से 1997 तक लगातार दूरदर्शन के लिए गणतंत्र दिवस परेड का आंखों देखा हाल सुनाया। बाद में कई प्राइवेट खबरिया चैनलों के लिए गणतंत्र दिवस की कमेंट्री सुनाते रहे। ब्रिगेडियर सावंत ने भारत छोड़ो आंदोलन और सेना से जुड़ी दर्जनों फिल्मों के लिए भी कमेंट्री की। बेशक, हरेक गणतंत्र दिवस पर ब्रिगेडियर चितरंजन सावंत की समृद्ध करने वाली कमेंट्री याद आती रहेगी।

प्रेरणापुंज चौधरी मित्रसेन आर्य : एक जीवंत आदर्श

पुण्यतिथि
सहदेव समर्पित

देश-दुनिया में ऐसे और भी ऐसे व्यक्तित्व हमें मिल जाएंगे, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में अपना एक विशेष स्थान बनाया, लेकिन ऐसे बहुत कम मिलेंगे, जिन्होंने ख्याति से दूर रहकर अपनी पूंजी का एक अहम हिस्सा समाज की भलाई के लिए खर्च किया। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के संस्थापक चौधरी मित्रसेन आर्य चौधरी मित्रसेन ने उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़ समेत देश के कई राज्यों में अपने उधम स्थापित किए और आदिवासी क्षेत्रों में अनेक गुरुकुलों की स्थापना की ताकि गरीब परिवार के बच्चों को वहां निशुल्क शिक्षा, आवास और भोजन उपलब्ध करवाया जा सके। ऐसा शायद ही कोई गुरुकुल, कोई आर्य संन्यासी, आर्य विद्वान और उपदेशक रहा होगा, जिसका उन्होंने आर्थिक सहयोग न किया हो। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब उन्होंने अपने साथ काम करने वाले व्यक्ति को मित्र मानते हुए निस्वार्थ भाव से जरूरत पड़ने पर मदद की।

चौधरी मित्रसेन आर्य का जीवन एक दृढ़ ईश्वर विश्वासी व्यक्ति के सफल संघर्ष की एक पौराणिक आख्यान जैसी कथा है, जिनके जीवन का सूत्र रहा- ईश्वर विश्वास, शुभ संकल्प और पुरुषार्थ। आपने जीवन में संघर्ष किया तो हंसते हंसते, जीवन में कठिनाइयों का सामना किया तो माथे पर शिकन तक न आई, जीवन में सफलताएं मिलीं तो उनको ईश्वर का प्रसाद समझकर ग्रहण किया। सफलता की ऊँचाइयों को छूकर भी न तो आपकी जीवन शैली बदली और न ही व्यवहार। देश के धनी, सम्मानित व्यक्तियों ने आपकी प्रतिभा को देखकर आपको सम्मान दिया, पर ऊँची श्रेणी के नेताओं, बुद्धिजीवियों, उद्योगपतियों, नेताओं में बैठकर भी मित्रसेन के अन्दर के इंसान को अहंकार छू भी नहीं पाया। वो एक मेहनतकश वेदप्रचारक का बेटा होकर समाज के छोटे से छोटे, असहाय, दीन, निर्बल व्यक्ति को सहारा देने के लिए सदैव तत्पर रहे। वे महान पिता और एक श्रद्धालु पुत्र थे। गृहस्थों के लिए आदर्श थे। संन्यासियों के प्रतिष्ठापात्र थे। चौ. मित्रसेन का आशीर्वाद पाने के लिए जहां स्थान-स्थान पर युवक और वृद्ध लालायित रहते थे, उन्हीं मित्रसेन की संन्यासियों, विद्वानों और महात्माओं के प्रति विनम्रता भी देखते ही बनती थी।

संसार में उद्योगपतियों की और धनिकों की कोई कमी नहीं है। ऐसे लोग भी मिल जाएँगे जिन्होंने अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर बहुत सफलताएं प्राप्त की हैं, पर ऐसे लोग अवश्य ही इस संसार में बहुत कम हैं, जिन्होंने सफलता प्राप्त करने के लिए अपने आदर्शों को नहीं छोड़ा। यही चौधरी मित्रसेन के जीवन की अन्यतम विशेषता है कि उन्हें केवल एक सफल उद्योगपति के रूप में ही नहीं जाना जाता अपितु एक सद्गृहस्थ, दानवीर, आदर्शवादी, आर्यसमाजी नेता और एक संवेदनशील इंसान के रूप में जाना जाता है।

चौधरी मित्रसेन हरियाणा के प्रमुख परिवार से संबंध रखते थे। हिसार जिले के खांडाखेड़ी गांव में जन्म हुआ। वे सतरावल खाप के मुखिया कल्ली के खानदान में उत्पन्न हुए। आपके परदादा चौधरी राजमल जैलदार हरियाणा के आर्यसमाज के नेता, स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी, ग्राम उत्थान के प्रणेता और महान समाज सुधारक वीर पुरुष थे। जिन्होंने महात्मा हंसराज, लाला लाजपतराय, स्वामी श्रद्धानन्द, पं. लखपतराय, डॉ. रामजीलाल हुड्डा, लाला चन्दूलाल, सरदार किशनसिंह व सरदार अजितसिंह, भाई परमानन्द, भगतसिंह, बलराज आदि देशभक्तों के साथ मिलकर राष्ट्रीय उत्थान के कार्य किए। आपके चाचा चौधरी मामनसिंह हरियाणा के महात्मा हंसराज कहलाए जाने वाले मास्टर बलदेव सिंह जी के साथी थे। उन्होंने अनेक शिक्षण संस्थाओं में निःशुल्क अध्यापन कार्य किया। आपके पिता चौधरी शीशराम आर्य कृषि के द्वारा आजीविका उपार्जन करते हुए भी आर्यसमाज का आर्य प्रतिनिधि सभा सिंध बिलोचिस्तान के माध्यम से निःशुल्क प्रचार करते थे।

चौधरी मित्रसेन का जन्म विशुद्ध आर्यसमाजी वातावरण में हुआ। अपने पूज्य पिताजी की प्रेरणा से आपकी जीवन शैली प्रारम्भ से ही गुरुकुलीय रही। ईश्वरोपासना, सम्मिलित पारिवारिक यज्ञ, अतिथि सत्कार, परोपकार और प्राणिमात्र के हित की भावना आपके स्वभाव में सम्मिलित थी। 1948 में आपका विवाह हुआ। आपकी सहधर्मिणी श्रीमती परमेश्वरी देवी जी ने आपके यज्ञमय जीवन में समिधा बनकर काम किया। यह सद् गृहस्थ संघर्ष में रहा हो या सफलता में- कभी भी इन्होंने ईश्वर विश्वास और यज्ञीय भावना को नहीं छोड़ा।

जीवन में कई बार ऐसे अवसर आए जब किसी के थोड़े से नुकसान से आपको बहुत लाभ हो सकता था। हिसार के एक वर्कशॉप में काम करते हुए एक बार 250 रुपये मासिक की नौकरी को लात मार दी क्योंकि वहां नौकरी करने से एक सरदार जी को नौकरी से निकाला जा रहा था। आपकी परोपकार की भावना के कारण ही आज परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से देश के अनेक भागों मंत विशेषकर वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा और सेवा के महान कार्य सम्पन्न हो रहे हैं। चौधरी मित्रसेन कहते थे, 'हमने जीने का ये तरीका अपनाया कि जो कमजोर हैं और सहायता के पात्र हैं, उनको सहयोग देना है। किसी का बुरा नहीं सोचना है। कमजोर के दोष नहीं देखने हैं। उसके लिए अच्छा सोचना है। यह अपेक्षा करनी है कि उसके परिवार का हित हो जाए।

शुभ संकल्प और पुरुषार्थ आपके जीवन का

मूल मंत्र रहा। व्यवसाय के प्रारम्भिक दिनों में, जहां भी काम किया अपने सद्व्यवहार और कार्यनिष्ठा की छाप छोड़ी। आपने प्रत्येक कार्य को एक चुनौती के रूप में लिया और पूरा किया। उड़ीसा में तो व्यावसायिक क्षेत्र में एक किंवदन्ती ही बन गई कि जो काम कोई और नहीं कर सकता उसे हरियाणा वाले चौधरी कर सकते हैं। चौधरी मित्रसेन आर्य के अनुसार सफलता का मूलमंत्र है- उस ईश्वरीय सत्ता को स्वीकार करते हुए सच्चे मन से हँसते हँसते पुरुषार्थ करना। कर्महीनता और आलस्य को आप सबसे बड़ा अपराध मानते थे।

वेद में कहा है, कृषिमित कृषस्व अक्षैर्मा दिव्य। कृषि कर, जुआ मत खेल। चौ. मित्रसेन चाहे उड़ीसा में रहे, चाहे बिहार, झारखण्ड में, चाहे व्यवसाय की बुलंदियों पर, पर अपनी जड़ों को नहीं भूले। इसी भावना का परिणाम सिंधु फार्म है, जो इस बात का प्रतीक है कि पुरुषार्थ के बल पर बंजर को भी गुलजार बनाया जा सकता है। योजनापूर्ण वैज्ञानिक कृषि के लिए मित्रसेन आर्य को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित 'कृषि विशारद' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हरियाणा सरकार भी इस विषय में आपको सम्मानित कर चुकी है।

एक देशभक्त समाजसेवी परिवार में जन्म लेने के कारण स्वभावतः ही चौ. मित्रसेन आर्य का सामाजिक क्षेत्र अति विस्तृत था। रोहतक में औपचारिक रूप से आर्यसमाज से जुड़ने के बाद जहाँ भी रहे आर्यसमाज की गतिविधियों में पूरे मन के साथ भाग लिया और अनेक उच्च पदों को सुशोभित किया। 1957 में आर्यसमाज द्वारा हिन्दी रक्षा आन्दोलन छेड़ा गया। अपने बढ़िया चलते व्यवसाय को छोडक़र आन्दोलन भाग लेते हुए जेलयात्रा की। उड़ीसा में रहे तो आर्यसमाज भुवनेश्वर के प्रधान पद पर रहे। यहीं पर आर्यसमाज के महान संन्यासी स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती की प्रेरणा से गुरुकुल आमसेना की ओर विशेष ध्यान दिया। आपका वरदहस्त पाने के बाद यह गुरुकुल भारतवर्ष की गिनी चुनी संस्थाओं में से एक बन गया जो वनवासी क्षेत्र में शिक्षा और धर्मरक्षा के क्षेत्र में अतुल कार्य कर रहा है। स्वामी धर्मानन्द जी के सान्निध्य में यहाँ अनेक सेवा प्रकल्प चल रहे हैं। चौधरी मित्रसेन महर्षि दयानन्द द्वारा स्थापित परोपकारिणी सभा अजमेर के उपप्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा के संरक्षक, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष व अंतरंग सदस्य आदि पदों पर कार्य करते रहे। स्वामी रामदेव जी के भारत स्वाभिमान के आन्दोलन के प्रमुख मार्गदर्शकों में चौधरी मित्रसेन आर्य थे। आर्यसमाज के महान नेताओं स्वामी स्वतंत्रानन्द, स्वामी सर्वदानन्द, स्वामी सर्वानन्द, स्वामी ओमानन्द, स्वामी जगदीश्वरानन्द, स्वामी इन्द्रवेश आदि के अत्यंत निकट संपर्क में रहे। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से देश की अनेक बड़ी संस्थाओं का संचालन किया। व्यावसायिक दायित्त्व यद्यपि अपने सुपुत्रों को सौंप चुके थे, तथापि आपके मार्गदर्शन में व्यावसायिक क्षेत्र ने भारत से बाहर मलयेशिया और यूरेशिया आदि देशों में भी विस्तार प्राप्त किया।

चौधरी मित्रसेन द्वारा स्थापित, संचालित और संपोषित संस्थाएँ देश भर में सामाजिक उत्थान के कार्य कर रही हैं। उड़ीसा में आमसेना गुरुकुल के अलावा कन्या गुरुकुल आमसेना, गुरुकुल योगाश्रम नरसिंहनाथपुर, आदिम गुरुकुल आश्रम कुन्दली, माता परमेश्वरी देवी कन्या छात्रावास एवं विद्यालय सुनाबेड़ा, शांतिवन आश्रम टांगरपाली बरगड़, वैदिक गुरुकुल आश्रम, पिंछाबणियां, स्वामी ओमानन्द वैदिक छात्रावास कनुआंगा, फुलवाणी, गुरुकुल वेदव्यास राऊरकेला, छत्तीसगढ़ में उच्चतर प्राथमिक विद्यालय, तोलमा, रायगढ़, श्री जगन्नाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दमऊधारा, परम मित्र आर्ष विद्यापीठ एवं योग शिक्षण संस्थान, गेरवानी, रायगढ़, आर्ष ज्योति गुरुकुल आश्रम, कोसरंगी, महासमुन्द आदि संस्थाएँ आर्ष विद्या का प्रचार कर रही हैं। इनके अतिरिक्त शांति आश्रम लोहरदगा, झारखण्ड, आर्ष ज्योतिर्मठ गुरुकुल, पौंधा, देहरादून, श्रीमद्दयानन्द वेद विद्यालय, नई दिल्ली, गुरुकुल यमुनातट, मंझावली फरीदाबाद में आपका विशेष योगदान रहा है। परममित्र मानव निर्माण संस्थान के तत्त्वावधान में आधुनिक शिक्षा के लिए हरियाणा में इण्डस शिक्षण संस्थानों के अतिरिक्त दिल्ली पब्लिक स्कूल बिलासपुर, दिल्ली पब्लिक स्कूल, दुर्ग (छत्तीसगढ़) डिफेंस पब्लिक स्कूल, दिल्ली, परममित्र आर्य कन्या विद्या निकेतन खांडाखेड़ी, हिसार आदि अनेकानेक संस्थाएँ शिक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण योगदान कर रही हैं। इन संस्थाओं के उच्च स्तर और कार्य से चौधरी मित्रसेन के सामाजिक कद और चिन्तन का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

चौधरी मित्रसेन को जानने वाले उन्हें अनेक रूपों में जानते हैं लेकिन चौधरी मित्रसेन को समझने के लिए एक विशाल दृष्टि चाहिए। सामान्य रूप से एक सफल व्यवसायी के रूप में प्रसिद्ध चौधरी साहब के सम्पूर्ण व्यक्तित्त्व को समझ पाना सरल नहीं है। उनके अन्दर एक समाज का सुधारक छुपा हुआ था, जो प्रचार के लिए तड़प रखता था और प्रचार की नई नई योजनाएँ बनाता था। उनके अन्दर एक धुरन्धर विद्वान छुपा हुआ था जो बातों बातों में यज्ञ योग वेद की ऐसी व्याख्याएँ करने लगता कि आपका बड़े विद्वानों को सुनने का गर्व चूर चूर हो जाता, और सबसे बढक़र उनके अन्दर एक संवेदनशील इंसान था जो समृद्धि की बुलंदियों को छूकर भी अपने गांव में, अपने बचपन के मित्रों में बैठकर हर्ष अनुभव करता था। जो गिरते हुओं को उठाता था, उठे हुए को चलाता था और चलते हुए का हाथ पकडक़र आगे बढऩे की प्रेरणा देता था। जो अपने आसपास अभाव को देखकर द्रवित हो उठता था। उनके अन्दर एक दार्शनिक और सामाजिक विचारक छुपा हुआ था जो उनके साथ अनौपचारिक बातचीत में मुखर होता था। उनके अन्दर एक ऐसा विचित्र उपदेशक विराजमान था जिसने अपने जीवन में कभी मंच पर एक शब्द भी नहीं बोला लेकिन सैंकड़ों हजारों लोगों ने मात्र आपके जीवन को देखकर एक नया बल प्राप्त किया। निस्सन्देह मित्रसेन आर्य एक जीवंत आदर्श थे। 27 फरवरी 2011 को चौधरी मित्रसेन आर्य का संक्षिप्त बिमारी के बाद देहान्त हो गया। आपका कथन था- 'प्रकृति का नियम है- शरीर घटता है विचार बढ़ते हैं-' आपका चिन्तन और संकल्प ही आपसे आशीर्वाद पाने वालों की शक्ति है। परमात्मा से प्रार्थना है कि आपके चाहने वालों को आपके निश्छल जीवन से मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त करने की शक्ति प्रदान करे।

इबारत लिखने वालों को भुला नहीं पाएंगे

यह विश्व के किसी भी देश का सबसे बड़ा हस्तलिखित संविधान था। गणतंत्र-दिवस एवं संविधान की चर्चा के बीच उस शख्स की चर्चा भी होनी चाहिए, जिसने समूचा भारतीय संविधान अपने हाथ से लिखा और इसके लिए केवल कलमों, पैन व 'होल्डर' और 'निबों' की लागत के अलावा उसने एक पैसा भी परिश्रमिक नहीं लिया। इस शख्स रायजादा प्रेमबिहारी नारायण ने कांस्टीट्यूशन हाल (अब कांस्टीट्यूशन क्लब) के एक कमरे में बैठकर 'कैलिग्राफी' में हमारे करोड़ों देशवासियों के 'मुकद्दर' एवं अधिकारों की इबारत लिखी। इस काम के लिए उसने छह माह का समय लगाया। उसके लिए बरकिंघम से 'निब' मंगाए गए थे और कुल 251 पृष्ठों की इबारत 'कैलिग्राफी' के माध्यम से उकेरी गई थी। उसके साथ ही शांति निकेतन से प्रख्यात कलाकार नंदलाल बोस और उसके कला-विषय के मेधावी छात्रों की मदद भी ली गई।

संविधान
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

इनकी रही अहम भूमिका: उन कलाकरों ने इस जीवंत दस्तावेज के हर पृष्ठ की साज-सज्जा कलात्मक ढंग से प्रस्तुत की। कलाकार नंदलाल बोस को आधुनिक चित्रकला व प्राचीन संस्कृति से जुड़ी इबारत के अनुसार, कला पक्ष उकेरने में पूरी दक्षता हासिल थी। उसने वेदों, महाभारत और रामायण सरीखे प्राचीन ग्रंथों की छवि भी उभारी, साथ ही साथ महात्मा गांधी व नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवनवृत्त से जुड़ी कुछ कलात्मक चित्रों/छवियों को भी उभारा। नेताजी, राष्ट्रध्वज को सैल्यूट की मुद्रा में दिखाए गए, जबकि 19वें अनुच्छेद में दांडी-मार्च के भी रेखाचित्र उकेरे गए। टीपू सुल्तान को भी एक पृष्ठ की सज्जा में स्थान मिला और सम्राट अशोक को भी एक महत्वपूर्ण पृष्ठ के कोनों पर चित्रात्मक स्थान दिया गया। एक ही समय में दो भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने दोनों हाथों से दोनों कलमों के द्वारा लिखने वाले डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे। महाराष्ट्र के मूलनिवासी बैरिस्टर डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष थे। भारतीय संविधान के ड्राफ्टमैन डॉ. वीएन राय, हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश थे और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भी रहे। वह भारतीय संविधान निर्माण के संवैधानिक सलाहकार थे। भारतीय संविधान का ड्राफ्ट तैयार करवाने की जिम्मेदारी जवाहर लाल नेहरू ने इन्हीं डॉ. वीएन राय को सौंपी थी। डॉ. वीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना की तर्ज पर ड्राफ्ट की थी। जैसे-अमेरिकन संविधान की प्रस्तावना में 'हम अमेरिका के लोग' दर्ज हैं, वैसे ही डॉ. वीएन राय ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'हम भारत के नागरिक' के स्थान पर 'हम भारत के लोग' दर्ज किया।

पूना से मंगवाया गया कागज : इस सारे कार्य के लिए सरकार ने डॉ. वीएन राय को 25 हजार रुपये पारिश्रमिक के रूप में दिए। भारतीय संविधान को लिखने के लिए हस्तनिर्मित कागज पूना से मंगवाया गया था। उस समय भारतवर्ष में टाइपराइटिंग मशीन नहीं थी। उस समय भारत में प्रेमबिहारी नारायण रायजादा से अधिक योग्य विद्वान एवं स्वविवेकशील कैलीग्राफिस्ट कोई अन्य नहीं था। प्रेमबिहारी नारायण रायजादा ने भारतीय संविधान को हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में लिखने में 303 निब होल्डर कलम और 254 स्याही दवात का इस्तेमाल किया। भारतीय संविधान की 'मूलप्रति' के प्रत्येक पेज पर इनके कॉपीराइट के तहत इनका नाम तथा अंतिम पृष्ठ पर इनके नाम के साथ इनके दादाजी का नाम आज भी दर्ज हैं। ऐसा ही विलक्षण योगदान चित्रकार नन्दलाल बोस का था जो अजंता गुफाओं के भित्तिचित्रों से बहुत प्रभावित थे। वे शास्त्रीय भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने की चाह रखने वाले कलाकारों और लेखकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह का हिस्सा बन गए थे।

39 की उम्र में 19 वाली फुर्ती... SA20 में विकेट के पीछे 'सुपरमैन' बने दिनेश कार्तिक, लिया एक हाथ से अद्भुत कैच

39 वर्षीय दिनेश कार्तिक ने साउथ अफ्रीका के एसए20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हुए शानदार फिटनेस का प्रदर्शन किया। एमआई केपटाउन के खिलाफ डीके ने एक गजब का कैच लपका, जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

नई दिल्लीः आईपीएल की तरह साउथ अफ्रीका में एसए20 खेला जा रहा है। इसके तीसरे सीजन में टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी खेल रहे हैं। डीके पार्ल रॉयल्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टूर्नामेंट का 9वां मैच एमआई केपटाउन और पार्ल रॉयल्स के बीच खेला गया। इस मैच में भारतीय खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने गजब की फिटनेस दिखाई और 39 की उम्र में एक लाजवाब कैच विकेट के पीछे पकड़ा। उनकी इस कैच की वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आई है। दरअसल, एमआई केपटाउन की पारी का 5वां ओवर दय्यान गलीम डाल रहे थे। उनके ओवर की पहली गेंद पर अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई स्ट्राइक पर थे। गलीम की छोटी गेंद पर ओमरजई फ्लिक करना चाहते थे। लेकिन वह सही से टाइम नहीं कर पाए और उन्होंने बैट का फेस जल्दी बंद कर दिया। ऐसे में गेंद ने उनके बैट का एज लिया और कैच का मौका बना। कार्तिक ने फुर्ती के साथ अपने सीधे हाथ की ओर शानदार डाइव मारी और एक हाथ से गजब कैच पकड़ लिया। अजमतुल्लाह ओमरजई 11 गेंद में 13 रन बनाकर आउट हो गए। **पार्ल रॉयल्स ने 6 विकेट से जीता मैच** पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने टॉस जीतकर एमआई केपटाउन को पहले बल्लेबाजी करने के लिए बुलाया। केपटाउन बल्लेबाजी में इतना प्रभाव नहीं छोड़ पाई और 4 विकेट पर 158 रन ही 20 ओवर में बना पाई। उनके लिए सर्वाधिक 91 रन रासी वैन डर डुसेन ने बनाए। पार्ल रॉयल्स के लिए सबसे सफल गेंदबाज मुजीब उर रहमान रहे, जिन्होंने 27 रन देकर 2 विकेट लिए। 159 रन का टारगेट पार्ल रॉयल्स ने 19 ओवर में 6 विकेट रहते हासिल कर लिया। लुआन ड्रे प्रीटोरियस ने रॉयल्स के लिए सर्वाधिक 83 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान मिलर 24 रन बनाकर नाबाद रहे। दिनेश कार्तिक ने भी बल्ले से 10 रन का योगदान दिया।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 5 बाएं हाथ के गेंदबाज, पाकिस्तानी दिग्गज टॉप पर

बाएं हाथ के गेंदबाज इंटरनेशनल क्रिकेट में काफी कम देखने को मिलते हैं। यह स्किल काफी रेयर है और ये अपनी छाप भी छोड़ते हैं।

क्रिकेट के खेल में ज्यादातर खिलाड़ी दाएं हाथ के ही देखने को मिलते हैं। बाएं हाथ के काफी कम खिलाड़ी होते हैं लेकिन उन्हें देखने का आकर्षण अलग होता है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की अंदर आती गेंद खेलने दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होता। वहीं बाएं हाथ के चाईनामैन गेंदबाज को समझने में की कई बल्लेबाजों का करियर खत्म हो जाता है। हम आपको आज इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों के बारे में बताते हैं। **वसीम अकरम- 916 विकेट** वसीम अकरम इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। 1984 में वसीम ने पाकिस्तान के लिए डेब्यू किया था। वनडे में उन्होंने 502 जबकि टेस्ट में 414 विकेट लिए हैं। 2003 में संन्यास के बाद भी उनका रिकॉर्ड आज तक नहीं टूटा। **चमिंडा वास- 761 विकेट** नंबर एक और नंबर दो में 150 से ज्यादा विकेट का अंतर है। श्रीलंका के चमिंडा वास दूसरे नंबर पर हैं। 439 मैच खेलने वाले वास ने अपने करियर में 761 विकेट लिए हैं। वनडे में बेस्ट स्पेल डालने का रिकॉर्ड वास के नाम ही दर्ज है। **शाकिब अल हसन- 712 विकेट** बांग्लादेश के शाकिब अल हसन इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। शाकिब ने 447 मैचों की 488 पारियों में गेंदबाजी की है। इसमें उन्होंने 712 बल्लेबाजों को आउट किया है। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के एक्टिव गेंदबाज भी हैं। डेनियल विटोरी- 705 विकेट न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी का भी इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। टेस्ट में 362 विकेट लेने के अलावा वनडे में भी उन्होंने 305 विकेट चटकाए। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी उनके नाम 38 विकेट दर्ज हैं। **मिचेल स्टार्क- 699 विकेट** ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 699 विकेट हैं। 2010 में डेब्यू करने वाले स्टार्क ने अभी तक 286 मुकाबले खेले हैं। इसमें उन्होंने 25.89 की औसत से ये विकेट लिए हैं। उनके नाम टेस्ट में 376, वनडे में 244 और टी20 इंटरनेशनल में 79 शिकार हैं।

गौतम गंभीर नहीं, राहुल द्रविड़ से ट्रेनिंग ले रहे हैं संजू सैमसन, इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज की गजब तैयारी

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत 22 जनवरी से हो रही है। इस मुकाबले के लिए टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। संजू सैमसन भी राहुल द्रविड़ की देखरेख में बल्लेबाजी की प्रैक्टिस करते हुए दिखे हैं।

नई दिल्लीः *भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में धूम मचाने के लिए तैयार हैं। संजू के लिए यह सीरीज काफी महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि वे टीम इंडिया के कैंप में शामिल होने से पहले ही अपनी तैयारियों को शुरू कर दिया है। दरअसल संजू सैमसन टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ की देखरेख में राजस्थान रॉयल्स की एकेडमी में बल्लेबाजी की जमकर प्रैक्टिस की है। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि संजू इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कितने गंभीर हैं।*

बता दें संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। वहीं राहुल द्रविड़ फ्रेंचाइजी ने नए मुख्य कोच बने हैं। द्रविड़ इससे पहले टीम इंडिया के मुख्य कोच थे। हालांकि, आईसीसी टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया के मुख्य कोच पद से हट गए। वहीं उनकी जगह अब पूर्व ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर हेड कोच बने हैं। लो जिसका डर था वही हो गया... संजू सैमसन का कट सकता है चैंपियंस ट्रॉफी से पत्ता, जानें क्यों इंग्लैंड के खिलाफ इस टी20 और वनडे सीरीज में टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों को अपनी पुख्ता करेगी। ऐसे में संजू सैमसन की नजर भी इस बड़े टूर्नामेंट पर बनी होगी। हालांकि, ऐसी उम्मीद बहुत कम है कि संजू सैमसन वनडे फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद होंगे। क्योंकि ऋषभ पंत इस दौर में सबसे आगे हैं। वहीं केएल राहुल पंत के साथ एक बैकअप विकेटकीपर की भूमिका दिख सकते हैं। ये दोनों ही खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के स्क्वाड में शामिल थे। उन्होंने अपने खेल से दमदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में संजू के लिए यह सीरीज बहुत बड़ी है। क्योंकि यहां पर संजू अगर अपने खेल से दमदार प्रदर्शन करते हैं तभी चयनकर्ता उनके नाम को लेकर आगे विचार करेंगे। क्योंकि विकेटकीपिंग में संजू के सामने पंत के अलावा ईशान किशन और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों की भी चुनौती होगी।

साउथ अफ्रीकी बॉलर नॉर्त्या को बैक इंजुरीः चैंपियंस ट्रॉफी से हटे, जेराल्ड कूट्जी हो सकते हैं रिप्लेसमेंट

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्त्या बैक इंजरी की वजह से चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। उन्होंने पिछले साल जून में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि नॉर्त्या का सोमवार दोपहर को स्कैन किया गया था और 50 ओवर के टूर्नामेंट के लिए उनके समय पर ठीक होने की उम्मीद नहीं है। नॉर्त्या पाकिस्तान में फरवरी में वनडे की होने वाले ट्राई सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करने वाले थे। वहीं नेट पर उनके पैर की अंगुली में चोट लग गई। उसके बाद से वह SA20 लीग में भी प्रिटोरिया कैपिटल्स से एक भी मैच नहीं खेल पाए। उन्हें साउथ अफ्रीका के टी-20 टूर्नामेंट से भी बाहर कर दिया गया है। साउथ अफ्रीका जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी टीम के लिए उनका रिप्लेसमेंट जारी करेगा। **जेराल्ड कूट्जी को मिल सकता है मौका** चैंपियंस ट्रॉफी के लिए एनरिक नॉर्त्या की जगह पर जेराल्ड कूट्जी को मौका मिल सकता है। कूट्जी SA20 लीग में चोट के बाद वापसी की है। उन्हें पिछले साल नवंबर में श्रीलंका के खिलाफ डरबन टेस्ट के दौरान कमर में चोट लग गई थी। साउथ अफ्रीका के व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर, जो टीम के चयनकर्ता भी हैं उन्होंने बताया कि टीम चयन के दौरान नॉर्त्या को कूट्जी से ज्यादा अनुभव होने के कारण प्राथमिकता दी गई थी।

पिछले 6 ICC इवेंट में तीसरी बार बाहर हुए हैं नॉर्त्या

पिछले छह ICC इवेंट में यह तीसरी बार है जब नॉर्त्या चोट के कारण बाहर हुए हैं और ये सभी वनडे टूर्नामेंट हैं। उन्हें 2019 वर्ल्ड कप में खेलना था, लेकिन टूर्नामेंट से पहले उनका अंगूठा टूट गया, फिर पीठ के निचले हिस्से में फ्रैक्चर के कारण 2023 वर्ल्ड कप से चूक गए और अब 2025 चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हैं। नॉर्त्या ने तीनों टी-20 वर्ल्ड कप खेले हैं। वह 2021, 2022 और 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के लिए उपलब्ध रहे। उन्होंने सितंबर 2023 से वनडे और मार्च 2023 से टेस्ट मैच नहीं खेले हैं। इस सीजन में साउथ अफ्रीका के 6 तेज गेंदबाजों को लगी चोट इस सीजन में साउथ अफ्रीका को तेज गेंदबाजों की चोटों का सामना करना पड़ा। उसके 6 गेंदबाज चोटिल होने की वजह से कई मैचों में नहीं खेल सके। नॉर्त्या के अलावा गेराल्ड कोएट्जी, लुंगी एनगिडी (दोनों कमर) और वियान मुल्डर (टूटी हुई उंगली) चोट की वजह से कई मैचों में नहीं खेल सके। अब ये तीनों खेलने के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन नांद्रे बर्गर (पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर) और लिजाद विलियम्स (घुटने) बाकी सीजन के लिए बाहर हैं।

कर्नाटक 5वीं बार विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाः हरियाणा को 5 विकेट से हराया

विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के पहले सेमीफाइनल में कर्नाटक ने हरियाणा को 5 विकेट से हरा दिया। टीम ने 5वीं बार टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। कर्नाटक के वडोदरा स्टेडियम में हरियाणा ने पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट खोकर 237 रन बनाए। कर्नाटक ने संभलकर बैटिंग की और 48वें ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। कर्नाटक के लिए देवदत्त पडिक्कल ने 86 और रविचंद्रन स्मरण ने 76 रन बनाए। दोनों के बीच 128 रन की पार्टनरशिप भी हुई। पहली पारी में अभिलाष शेट्टी ने 4 विकेट लेकर हरियाणा को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था। टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को विदर्भ और महाराष्ट्र के बीच वडोदरा में ही खेला जाएगा। ***अच्छी शुरुआत के बाद बिखरा हरियाणा*** *कोटाम्बी स्टेडियम में कर्नाटक ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। हरियाणा ने 8वें ओवर में अर्श रंगा का विकेट गंवाया, जिन्होंने 10 रन बनाए। उनके बाद हिमांशु राणा और अंकित कुमार ने टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। हिमांशु 44 और अंकित 48 रन बनाकर आउट हुए और टीम का स्कोर 118/3 हो गया।*

सेट बैटर्स के आउट होने के बाद हरियाणा से किसी भी बैटर ने बड़ी पारी नहीं खेली। अनुज ठकराल ने 23, राहुल तेवतिया ने 22, सुमित कुमार ने 21 और विकेटकीपर दिनेश बाना ने 20 रन बनाकर स्कोर 237 रन तक पहुंचा दिया। कर्नाटक के लिए अभिलाष शेट्टी ने 4 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा और श्रेयस गोपाल को 2-2 विकेट मिले, जबकि हार्दिक राज के हाथ एक सफलता आई।

पहले ओवर में कर्नाटक ने विकेट गंवाया *238 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी कर्नाटक टीम की शुरुआत खराब रही। कप्तान मयंक अग्रवाल पहले ही ओवर में खाता खोले बगैर आउट हो गए। उनके बाद केवी अनीश ने पडिक्कल के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। अनीश 22 रन बनाकर आउट हुए और टीम ने 66 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए।*

पडिक्कल ने फिर स्मरण के साथ पारी संभाल ली। दोनों ने टीम का स्कोर 200 के करीब पहुंचा दिया। पडिक्कल टीम को जीत की ओर ले जा रहे थे, तभी उन्हें निशांत सिंधु ने पवेलियन भेज दिया। पडिक्कल ने 86 रन बनाए। उनके बाद कृष्नन श्रीजिथ 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। देवदत्त पडिक्कल ने ओपनिंग करते हुए 86 रन की अहम पारी खेली। स्मरण ने टारगेट के करीब पहुंचाया कर्नाटक ने 199 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए, यहां से स्मरण ने श्रेयस गोपाल के साथ मिलकर स्कोर 225 तक पहुंचा दिया। स्मरण भी टीम को जीत दिलाने से पहले ही आउट हो गए, उन्होंने 76 रन बनाए।

विमेंस इंडिया ने आयरलैंड को 304 रन से हराया

भारतीय महिला टीम ने बुधवार को राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 304 रन से जीता। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। टीम की रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 249 रन का था, जब टीम ने 2017 में आयरलैंड को ही हराया था। टीम ने इस मैच में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट पर रिकॉर्ड 435 रन बनाए। तीन दिन पहले भारत ने आयरलैंड के ही खिलाफ 370 रन बनाए थे।

यह विमेंस वनडे क्रिकेट का चौथा हाईएस्ट स्कोर है। हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम है। कीवी टीम ने 2018 में आयरलैंड के ही खिलाफ 491 रन बनाए थे। उधर, कप्तान स्मृति मंधाना ने 70 गेंद में शतक लगाया। वे भारत की ओर से वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वालीं महिला क्रिकेटर बन गई हैं। स्मृति ने 80 गेंद में 135 रन की पारी खेली। ***प्रतीका और स्मृति मंधाना का शतक*** *भारतीय टीम ने बुधवार को राजकोट में टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया। टीम ने 50 ओवर में 5 विकेट पर 435 रन का स्कोर खड़ा किया और आयरलैंड को 436 रन का टारगेट दिया। जवाब में आयरलैंड टीम 31.4 ओवर में 131 रन पर ऑलआउट हो गई।*

भारत के लिए स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने शतक लगाया। मंधाना ने 80 बॉल पर 135 रन और प्रतीका ने 129 बॉल पर 154 रन बनाए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 233 रन की साझेदारी हुई। ऋचा घोष ने 42 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। आयरलैंड के लिए ओर्ला प्रेंडरगैस्ट ने 2 विकेट झटके। अलींन केली, फ्रेया सार्जेंट और जॉर्जिना डेम्पसे को 1-1 विकेट मिला।

दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके *436 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी आयरलैंड के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। सारा फोर्ब्स ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। ओर्ला प्रेंडरगैस्ट 36 रन बनाए। लिआ पॉल ने 15 और लौरा डेलानी ने 10 रन बनाए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके। तनुजा कंवर ने 2 विकेट लिए। तितास साधु, सायाली सतघरे और मिन्नू मणि को 1-1 विकेट मिला।*

भारतीय महिला टीम ने 3 दिन में अपना ही रिकॉर्ड को तोड़ा *भारतीय टीम ने तीन दिन में ही अपने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। टीम ने 12 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे में 370 रन बनाए थे। वनडे में यह भारतीय महिला टीम का सबसे बड़ा स्कोर था।*

रणजी ट्रॉफी में धूम मचाएंगे रोहित शर्मा? MCA ने टीम इंडिया के कप्तान के लिए किया है ये खास

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बुरी तरह से फेल होने के बाद टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर से घरेलू क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। रोहित शर्मा 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के लिए ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा भी लिया था, लेकिन अब मुंबई क्रिकेट खुद उनके लिए खास प्लानिंग करने जा रही है।

मुंबईः भारतीय क्रिकेट टीम के धाकड़ खिलाड़ी रोहित शर्मा लाल गेंद क्रिकेट में अपने फॉर्म को हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के दूसरे भाग के लिए रोहित शर्मा मुंबई की टीम में वापसी कर सकते हैं। 23 जनवरी को मुंबई का सामना जम्मू-कश्मीर के साथ होगा। हालांकि, इस मैच के लिए रोहित शर्मा अभी तक पुष्टि नहीं की है कि वह उपलब्ध होंगे या फिर नहीं। मुकाबले के लिए 20 जनवरी को टीम चुना जाएगा। ऐसे में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन खुद से रोहित शर्मा को अप्रोच करने की कोशिश में है कि वह जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मुकाबले में मुंबई के लिए मैदान पर उतरे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा,' चयनकर्ताओं द्वारा 20 जनवरी को टीम की घोषणा करने की उम्मीद है, जिसके दौरान वे प्रत्येक खिलाड़ी की उपलब्धता की जांच करने की उचित प्रक्रिया का पालन करेंगे। चयन के लिए रोहित से भी संपर्क किया जाएगा।' हो गया तय... दिल्ली के लिए 8 साल बाद रणजी ट्रॉफी खेलेंगे ऋषभ पंत, DDCA चीफ ने किया कंफर्म

ट्रेनिंग के लिए पहुंचे थे रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर निराशाजनक प्रदर्शन के बाद रोहित शर्मा मैदान पर उतर चुके हैं। रोहित मंगलवार को वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में अपने पुराने साथी अजिंक्य रहाणे के साथ बल्लेबाजी की प्रैक्टिस करने उतरे थे।

पैरासिटामॉल की गोलियां खुदकुशी का नया हथियार:ओवरडोज से लिवर डैमेज, बच्चों के लिए काल, बरतें ये सावधानी

साल 2019 की घटना है। आयरलैंड में 29 वर्षीय रेबेका बिसेट को ईसाइयों के पर्व ईस्टर की शाम पेट में दर्द की शिकायत हुई। उन्होंने पैरासिटामॉल की कई गोलियां एकसाथ खा लीं और अपने कमरे में जाकर लेट गईं। अगले दिन जब वह कमरे से बाहर नहीं आई तो उनके पति हालचाल जानने के लिए कमरे में गए। वहां रेबेका बेदम पड़ी थीं, शिथिलता के चलते उठ भी नहीं पा रही थीं। हॉस्पिटल ले जाने पर जांच में पता चला कि पैरासिटामॉल की ओवरडोज से उनका लिवर फेल हो गया है। दो दिन तक इलाज चला और आखिर में रेबेका की मौत हो गई। हाल ही में स्कॉटलैंड की एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी ने पैरासिटामॉल से लिवर को होने वाले नुकसान पर एक अध्ययन किया। इसमें सामने आया है कि इसके सेवन से लिवर को नुकसान होता है, जबकि ओवरडोज गंभीर हालात पैदा कर सकता है। जो किसी को मौत के मुंह तक पहुंचा सकता है। सिरदर्द, बदन दर्द या हल्का बुखार हो, लोग अक्सर पैरासिटामॉल की गोली ले लेते हैं। इससे आराम भी मिल जाता है। दिल्ली में डॉ. बॉबी दीवान, एमडी (मेडिसिन) कहते हैं कि यह दुनिया की पॉपुलर पेन किलर है। अगर डॉक्टर की सलाह से इसे लिया जाए तो यह सबसे सस्ती, सुरक्षित और प्रभावी दवा भी है। डॉ. बॉबी दीवान कहते हैं कि सामान्य बुखार या हल्के दर्द में पैरासिटामॉल सबसे अच्छी दवा है। इसके साइड इफेक्टस भी बहुत कम होते हैं। लेकिन इसकी ओवरडोज आपको मुश्किल में डाल सकती है। थोड़ी सी लापरवाही आपको फायदे की जगह बड़ा नुकसान दे जाएगी।

पैरासिटामॉल के ओवरडोज से कैसी समस्याएं हो सकती हैं-

डॉ. बॉबी दीवान के मुताबिक जरूरी नहीं है कि पैरासिटामॉल के ओवरडोज की स्थिति में लक्षण नजर ही आएं। वैसे ज्यादातर लोगों को ऐसी स्थिति में मतली और उल्टी का एहसास होता है। पेट में दाहिनी ओर पसलियों के नीचे लीवर होता है, यहां दर्द की शिकायत हो सकती है।

किन लोगों को नहीं खानी चाहिए पैरासिटामॉल?

पैरासिटामॉल अगर डॉक्टर की सलाह से ली जाए तो काफी सुरक्षित दवा है। फिर भी कुछ लोगों के लिए ये खतरा बन सकती है, इसलिए इन लोगों को इसे लेने से बचना चाहिए या डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

जो रोजाना शराब पीते हैं- जो लोग लंबे समय से शराब पी रहे हैं, उनका लिवर पहले से ही डैमेज होता है। अगर ऐसे लोगों को पैरासिटामॉल दी जाए तो उनकी हालत गंभीर हो सकती है। जिन्हें लिवर की बीमारी है- लिवर की किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों को पैरासिटामॉल लेने से बचना चाहिए। चूंकि इसका सबसे अधिक असर लिवर पर ही होता है तो यह बड़ा नुकसान कर सकती है।

पैरासिटामॉल से एलर्जी है- अगर किसी को पैरासिटामॉल से एलर्जी है तो उसे भी यह दवा नहीं लेनी चाहिए। इससे किसी भी तरह की स्थितियां पैदा हो सकती हैं।

सेरोगेसी को लेकर भारत में क्या है कानून? इससे जुड़े सभी सवालों के जवाब जान लीजिए

सेरोगेसी को लेकर केंद्र सरकार ने कुछ नियमों में बदलाव किया है। आखिर ये सेरोगेसी क्या है और इसे लेकर क्या नियम हैं? सेरोगेसी से जुड़े सभी जरूरी सवालों के जवाब हम आपको बता रहे हैं।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सवाल उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने सरोगेसी के नियम में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। इसके तहत प्रावधान किया गया है कि अगर कपल किसी मेडिकल समस्या से पीड़ित है तो डोनर कपल को अंडाणु या शुक्राणु दे सकेगा। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बताया गया कि केंद्र सरकार के हेल्थ मिनिस्ट्री ने नियमों में बदलाव किया है। पहले के नियम में कहा गया था कि सरोगेसी से संतान पाने की इच्छा रखने वाले कपल के पास अंडाणु व शुक्राणु होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर कई अर्जियां दाखिल हुई थीं। पिछले साल ऐसी अर्जियों पर सुनवाई के दौरान दर्जन से ज्यादा मामले में याचिकाकर्ताओं को सरोगेसी के जरिये मां बनने के लिए दूसरी डोनर महिला के अंडाणु (एग) का उपयोग करने की इजाजत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकार के नियम से सरोगेसी के उद्देश्य विफल हो जाएगा। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया था कि क्यों नहीं वह इस मामले में फैसला ले रहा है। पहले भी सेरोगेसी कानून में बदलाव हो चुके हैं। सेरोगेसी से जुड़े कुछ ऐसे सवाल जो कई लोगों के मन में आते हैं? आज उनके जवाब हम यहां बता रहे हैं।

कौन कौन है सेरोगेसी के लिए योग्य हैं?

भारत में सेरोगेसी कानून के अनुसार, केवल विवाहित जोड़े ही सरोगेसी के माध्यम से माता-पिता बन सकते हैं। कपल में पुरुष की उम्र 26 साल से 55 साल के बीच और महिला की उम्र 23 से 50 साल के बीच होनी चाहिए।

क्या कुंवारी लड़की सेरोगेसी करवा सकती है?

कई लोगों के मन में ये सवाल आता है कि क्या अनमैरिड कपल्स या लड़की सेरोगसी मां बन सकती है, तो इसका जवाब नहीं है। भारत में सेरोगेसी कानून के अनुसार अनमैरिड लड़कियां सेरोगेसी के जरिए मां नहीं बन सकती।

कौन-कौन सेरोगेसी के लिए योग्य नहीं?

भारत में सेरोगेसी के जरिए केवल शादीशुदा कपल्स ही मां-बाप बन सकते हैं। इसका गलत उपयोग न हो इसके लिए भारत में सख्त कानून बना है। इसके अनुसार विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, या LGBTQIA+ जोड़े सेरोगेसी के लिए योग्य नहीं हैं।
क्या कोई विदेशी भारत में आकर सेरोगेसी करा सकता है?
नहीं, भारत में सेरोगेसी कानून के अनुसार कोई भी विदेशी नागरिक सेरोगेसी से मां नहीं बन सकती है। भारत सरकार का मानना है कि विदेशियों द्वारा सेरोगेसी का दुरुपयोग हो सकता है, खासकर अगर इसे व्यावसायिक रूप से अनुमति दी जाती है। हालांकि भारतीय मूल के व्यक्ति (PIO) जो विवाहित हैं और विदेश में रहते हैं, वो सेरोगेजी के लिए योग्य हैं।

एक महिला कितने बार बन सकती है सेरोगेसी मदर?

कोई भी महिला सिर्फ एक बार ही सरोगेट मदर बन सकती है। वही महिला सेरोगेसी मदर बन सकती है, दो पहले से शादीशुदा हो और उसके बच्चे हों। इसके अलावा वो कोई नशा न करती हो और मेडिकल तौर पर फिट हो।

सेरोगेसी के लिए क्यों बनाया गया सख्त कानून?

सरोगेसी के दुरुपयोग को रोकने के लिएः भारत सरकार का मानना है कि सेरोगेसी का दुरुपयोग हो सकता है, खासकर अगर इसे व्यावसायिक रूप से अनुमति दी जाती है।
सरोगेट मां के अधिकारों की रक्षा के लिएः सरकार सरोगेट मां के स्वास्थ्य, सुरक्षा और भलाई की रक्षा करना चाहती है।
बच्चे के अधिकारों की रक्षा के लिएः सरकार बच्चे के अधिकारों की रक्षा करना चाहती है, जिसमें एक स्थायी और प्यार करने वाला परिवार शामिल है।

सेरोगेसी की प्रक्रिया क्या है?

फिजिकल चेकअपः इच्छुक जोड़े और सरोगेट मां को ART क्लिनिक द्वारा योग्यता देखी जाती है और जरूरी चेकअप भी होते हैं। सहमति पत्रः सभी पक्षों (इच्छुक जोड़े, सरोगेट मां, और ART क्लिनिक) को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करना होगा। गर्भाधानः सरोगेट मां को IVF या IUI जैसी तकनीकों

का उपयोग करके गर्भवती कराया जाएगा।
गर्भावस्था और प्रसवः सरोगेट मां गर्भावस्था को पूरा करेगी और बच्चे को जन्म देगी। जन्म प्रमाण पत्रः बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र इच्छुक जोड़े के नाम पर जारी किया जाएगा।

जान्हवी कपूर ने शाहरुख खान की 'चक दे! इंडिया' देख घर में खेला आइस क्यूब से हॉकी, खुशी कपूर का टूट गया था दांत

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने बचपन का एक किस्सा सुनाया है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने शाहरुख खान की मुवी 'चक दे! इंडिया' को देखने के बाद घर में बर्फ से हॉकी खेलना शुरू कर दिया था। इस दौरान घर में पानी बिखर गया था। जिससे खुशी फिसल गई थीं और उनका दांत टूट गया था।

खेलें और जीतें!शाहरुख खान ने ऋषि कपूर के साथ किस फिल्म में अभिनय किया? बॉलीवुड सेंसेशन जान्हवी कपूर इन दिनों वरुण धवन के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका नाम है 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी।' ये 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी। अब एक्ट्रेस ने हाल ही में एक दिल छू लेने वाला बचपन का किस्सा सुनाया है। जो 'चक दे! इंडिया' (2007) से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि कैसे उस मूवी के बाद उन्होंने घर में ही हॉकी खेलना शुरू कर दिया था। और शाहरुख खान ने कैसे उन्हें प्रेरित किया था। एक कैंडिड इंटरव्यू में बात करते हुए, जान्हवी कपूर ने हाल ही में खुलासा किया कि शाहरुख खान की फिल्म 'चक दे! इंडिया' ने उन पर और खुशी कपूर पर गहरी छाप छोड़ी है। फिल्म में हॉकी की कहानी को देखने के बाद, दोनों बहनों ने अपनी आइस हॉकी को खेलने का प्लान बनाया और उसको शुरू करने का फैसला किया।

घर में ही खेलने लगीं हॉकी

जान्हवी कपूर और खुशी कपूर ने हाथ में हॉकी स्टिक पकड़ कर अपने घर को आइस हॉकी के मैदान में बदल दिया था। मजे की बात यह थी की दोनों ने हॉकी आइस बॉल की जगह पर आइस क्यूब का इस्तेमाल किया था। हालांकि, उनको क्या पता था कि 'चक दे! इंडिया' की तरह खेलने का उनका यह आइडिया उन्हें ही मुसीबत में डाल देगा। नितेश तिवारी की 'रामायण' में सीता बनेंगी जान्हवी कपूर, साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी का हुआ पत्ता साफ!

खुशी कपूर का टूट गया था दांत

जान्हवी कपूर ने हंसते हुए उस पल को याद किया, 'पूरा फर्श पानी से भरा हुआ था और खुशी फिसल गई और उसका दांत टूट गया। और इसके लिए मुझे डांटा भी गया। अक्सर मुझे उसका ध्यान ना रखने के लिए डांटा जाता था। चाहे मैं कमरे के दूसरे कोने में क्यों ना हूं।' एक्ट्रेस का बहन खुशी कपूर के साथ एक खूबसूरत बॉन्ड है। दोनों ही एक-दूसरे पर जमकर प्यार लुटाती रहती हैं।

अमेरिका में नौकरी छोड़कर शुरू किया कारोबार, 30 साल की उम्र में ऐसे बना दी 100 करोड़ की कंपनी

भरतपुर की रहने वाली अहाना गौतम ने अपनी मेहनत के दम पर 100 करोड़ की कंपनी बना ली है। उन्होंने अमेरिका में अपनी नौकरी छोड़कर हेल्दी स्नैक्स बिजनेस शुरू करने का फैसला किया था। अहाना ने अपने छोटे से आइडिए से आज करोड़ों का बिजनेस खड़ा कर दिया है।

नई दिल्ली अगर किसी काम को करने की ठान ली जाए और पूरी कोशिश की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। दुनिया में ज्यादातर लोगों का सपना पढ़ाई करने के बाद अच्छी नौकरी करने का होता है। अगर नौकरी विदेश में हो और सैलरी भी अच्छी-खासी मिल रही हो तो उसे कोई छोड़ना नहीं चाहेगा। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए इन शानदार पैकेज वाली नौकरियों को छोड़ने से भी पीछे नहीं हटते हैं। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है अहाना गौतम (Ahana Gautam) ने। राजस्थान के भरतपुर की रहने वाली अहाना ने खुद का स्टार्टअप शुरू करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। आज अपनी मेहनत के दम पर उन्होंने 30 साल की उम्र में 100 करोड़ की कंपनी बना दी है। आज वह बिजनेस की दुनिया में जाना-पहचाना नाम बन गई हैं। बिचौलिए खा रहे थे दूध की सारी मलाई, किसान आंदोलन के इस दौर में मिसाल है अमूल की ये अनूठी कहानी

ऐसे हुई शुरुआत

जब अहाना अमेरिका में थी, तब उनका वजन बहुत बढ़ गया था। इसी दौरान वे अमेरिका में एक हेल्दी फूड बनाने वाले स्टोर में गई, जहां उन्हें हेल्दी फूड की जरूरत समझ में आई। इसी से उन्हें बिजनेस का आईडिया आया। बस फिर क्या था अहाना ने हेल्दी स्नैक्स के बिजनेस को शुरू करने का फैसला कर लिया। अमेरिका के नौकरी छोड़कर अहाना ने भारत की फ्लाइट पकड़ ली। अहाना को अपने इस बिजनेस वेंचर को शुरू करने के लिए उन्हें अपनी मां से भी मदद मिली। साल 2019 में अहाना ने ओपन सीक्रेट (Open Secret) स्टार्टअप शुरू किया था अहाना एफएमसीजी (FMCG) सेक्टर में काम कर चुकी थी, इसलिए रिफाइंड शुगर, मैदा आदि के बारे में जानती थीं। अहाना ने तय किया कि उनके बनाये प्रोडक्ट में ना मैदा होगा, ना ही पाम आयल और ना ही कोई प्रिज़रवेटिव होंगे।

विदेशों तक मिली पहचान

अहाना गौतम की फाउंडर और सीईओ के तौर पर की गई मेहनत की बदौलत ओपन सीक्रेट आज एक ऐसा नाम है, जिसकी पहचान देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक भी है। इस कंपनी ने इंडियन स्टार्टअप्स में ग्लोबल स्टेज पर नाम कमाने का माद्दा होने की भी झलक सबको दिखाई है। तीन सालों में उन्होंने अपनी कंपनी की वैल्यूएसन 100 करोड़ रुपये पर पहुंच दी। छोटे से आइडिया से उन्होंने बड़ा कारोबार खड़ा कर दिया।

आईआईटी बॉम्बे से की पढ़ाई

राजस्थान के भरतपुर की रहने वाली अहाना ने साल 2010 में आईआईटी बॉम्बे से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की है। इसके बाद वे आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका चली गयी और वहां उन्होंने हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल में दाखिला लेकर एमबीए की पढ़ाई पूरी की। अहाना ने अपने ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान उन्होंने कई जगह नौकरियां की।

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

vedanta
transforming for good

ESL STEEL LIMITED

जीवन के हर मोड़ पर,

नन्द घर से लेकर आरोग्य तक

बचपन से लेकर आजीविका को सशक्त बनाने तक, वेदांता ईएसएल जीवन के हर चरण को मजबूत बनाता है और एक बेहतर झारखंड बना रहा है।

#बेहतरझारखंड

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं 0536 एवं 1272 खलगुटवा रातू रोड़ पुलिस स्टेशन रांची मे विजय जनरल स्टोर हिनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फ़ोन नं ,651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670